खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 12 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-191

चीन से सीमा विवाद पर भारत सरकार की नीति बदलने के संकेत

अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू के बयान से बौखलाया चीन

भारत की सीमा तिब्बत से जुड़ी है, चीन से नहीं

नई दिल्ली/इटानगर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक गलियारे में नई बहस छेड़ दी है। इस बहस के केंद्र में एक बार फिर भारत-चीन संबंध हैं। सीएम प्रेमा खांडू ने जो बात कही है वह अंतरराष्ट्रीय फोरम पर भारत को शुरुआत से ही कहनी चाहिए थी। पेमा खांडू ने कहा है कि अरुणाचल की 1200 किलोमीटर लंबी सीमा का चीन से कोई लेनादेना ही नहीं है। अरुणाचल की सीमा तो तिब्बत से लगती है, उसका चीन से क्या सरोकार है? उन्होंने चुनौती दी कि भारत का कोई भी राज्य चीन का पड़ोसी नहीं है, वह तिब्बत का पड़ोसी जरूर है। तिब्बत पर चीन ने अवैध कब्जा कर रखा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों और विश्व के तमाम देशों को यह तय करना चाहिए कि किसी देश पर चीन का अवैध कब्जा कैसे हटे।

अरुणाचल के सीएम पीएम खांडू ने स्पष्ट शब्दों में बताया कि 1950 में चीन ने तिब्बत पर जबरन कब्जा कर लिया था और उसके बाद से तिब्बत को चीन अपना हिस्सा बताने लगा और दुनिया चीन की बात मानने लगी। लेकिन यह हकीकत नहीं है। हकीकत तो यह है कि अरुणाचल की 1200 किलोमीटर लंबी सीमा तिब्बत से लगती है। तिब्बत की अपनी अलग पहचान है और भारत का रिश्ता तिब्बत से है, चीन से नहीं। खांडू ने 1914 के शिमला समझौते का हवाला दिया, जिसमें तिब्बत को अलग देश माना गया था। उन्होंने दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनने में चीन की दखलंदाजी को भी खारिज कर दिया, बोले कि ये तिब्बती बौद्धों का आंतरिक मामला है।

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू का यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है,

चीन अवैध कब्जा नहीं करता तो तिब्बत आजाद देश होता

अरुणाचल की सीमा का चीन से कोई लेना-देना ही नहीं है

बल्कि यह चीन की विस्तारवादी नीतियों पर सीधा हमला है। खासकर यह बयान तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के 90वें जन्मदिन के ठीक बाद आया है। दलाई लामा के जन्मदिवस समारोह में सीएम खांडू खुद शामिल हुए थे। कूटनीतिक जगत में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के बयान से खलबली है। भारत समेत दुनियाभर के कूटनयित पेमा खांडू के बयान के मायने, इसकी टाइमिंग, तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे की कहानी, दलाई लामा के रोल और खांडू के बयान से शी जिनपिंग की अगुवाई वाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में फैली बेचैनी को समझने और उसकी थाह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह मामला न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद अहम बन गया है।

पेमा खांडू का बयान सीधे-सीधे चीन के उस दावे को चुनौती देता है जिसमें वह तिब्बत को अपना अभिन्न हिस्सा बताता है। खांडू ने कहा, हम तिब्बत के साथ सीमा साझा करते हैं, चीन के साथ नहीं। उन्होंने साथ में यह भी जोड़ा कि अरुणाचल प्रदेश तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाएं साझा करता है। अरुणाचल प्रदेश भूटान के साथ 150 किलोमीटर, तिब्बत के साथ 1200 किलोमीटर और म्यांमार के साथ 550 किलोमीटर क्षेत्र के साथ जुड़ा है। इसमें चीन कहां आता है? सीएम खांडू ने कहा, कोई भी भारतीय राज्य चीन से सीधे नहीं जुड़ता।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री की यह बात इसलिए गंभीर मायने रखती है क्योंकि चीन लंबे समय से अरुणाचल को अपना हिस्सा बताता रहा है, उसे दक्षिण तिब्बत कहकर दावा पेश करता रहता है। खांडू का बयान यह साफ-साफ कह रहा है कि चीन ने पहले तिब्बत पर अवैध कब्जा जमाया और फिर अरुणाचल की सीमा को लेकर अपना सुनियोजित दावा ठोका है। वरना भारत का पड़ोसी तिब्बत होता।

▶10 पर

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति का महत्वपूर्ण फैसला

बॉर्डर पर 30 अहम रक्षा परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चीन से लगने वाले बॉर्डर के लिए भारत ने कई अहम रक्षा परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। ये परियोजनाएं पूर्वी लद्दाख से लेकर सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई हैं। इन परियोजनाओं में मूल रूप से फारवर्ड एविएशन बेस के लिए बुनियादी ढांचा, वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर मिसाइलों और महत्वपूर्ण सड़क संपर्कों के लिए सुविधाओं का निर्माण आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने इन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्टैंडिंग कमेटी ने 30 से ज्यादा रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया और इन सभी को मंजूरी दे दी। इनमें से 26 परियोजनाएं लद्दाख में हैं। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने की।

इन परियोजनाओं के लिए वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी इसलिए जरूरी है, क्योंकि ये परियोजनाएं काराकोरम वन्यजीव अभयारण्य और चांगथांग कोल्ड डेजर्ट अभयारण्य (लद्दाख), दिबांग वन्यजीव अभयारण्य (अरुणाचल प्रदेश) और पंगोलखा अभयारण्य (सिक्किम) जैसे संरक्षित इलाकों में हैं। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने म्यांमार सीमा के पास अरुणाचल फ्रंटियर हाई-वे के काम को भी मंजूरी दी है। सबसे अहम परियोजना दौलत बेग गोल्डी (डीबीजी) से बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) हट के बीच की सड़क के निर्माण का है। यहां 10.26 किलोमीटर लंबी सड़क बननी है, जहां भारत और चीन की सेना के सीनियर अफसर बॉर्डर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं। यह इलाका समुद्र से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर है और

लद्दाख से सिक्किम और अरुणाचल तक विस्तृत हैं प्रोजेक्ट्स

बॉर्डर रोड, हवाई पट्टी, आयुध भंडार और सैनिक आवास बनेंगे

यहां सबसे ऊंची हवाई पट्टी भी है। रक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति को बताया था कि डीबीजी और बीपीएम के बीच कोई सड़क नहीं है, जबकि दूसरी ओर चीन ठोस सड़क बना रहा है।

काराकोरम अभयारण्य में तिब्बती हिरन, शापो, जंगली याक, भरल, हिम तेंदुआ, हिमालयी ग्रे भेड़िया, लिंक्स और मार्मोट जैसे दुर्लभ वन्यजीव रहते हैं। दिबांग अभयारण्य तेंदुए और बाघों का घर है जबकि एशियाई काला भालू, अन्य जीवों के साथ पंगोलखा अभयारण्य में रहता है। इसके अलावा अन्य जिन अहम परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें तोपखाना रेजिमेंट के सैनिकों के लिए आवास, एक फील्ड अस्पताल, श्योक में फारवर्ड एविएशन बेस के लिए विमानन हेतु बुनियादी ढांचे का निर्माण और कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के उपकरणों का पता लगाने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे का निर्माण वगैरह शामिल हैं। इसके अलावा सियाचिन क्षेत्र के लिए भी अहम मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परतापुर का परियोजना सियाचिन ग्लेशियर में उड़ान गतिविधियों के लिए अहम होगी।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने पूर्वोत्तर में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के साथ बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए मालिन-बलुआ-कपुड़ा सड़क को मंजूरी, सिक्किम में पाक्योंग जिले के पंगोला में एक सीमा चौकी और ऋषि-रोंगली-कुपुप सड़क सुधार को मंजूरी दी है। इस तरह राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में 30 रक्षा परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान की है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सिक्किम में कुपुक-शेराथांग रोड और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में उत्तर-दक्षिण रोड सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों और पुलों के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। भारत और चीन ने देपसांग और डेमचोक में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौता किया है, जिसके परिणामस्वरूप टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी हो रही है। भारत चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सड़कों, पुलों, सुरंगों और सैन्य बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर के प्रसंग में विदेशी मीडिया पर बरसे एनएसए

हमने 23 मिनट में पाक के नौ ठिकाने मिटा दिए : डोभाल

चेन्नई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। जबकि भारत ने महज 23 मिनट में पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया और इन लक्ष्यों में से एक भी निशाना खाली नहीं गया। आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। डोभाल ने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। डोभाल ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेशी प्रेस ने बढ़ा चढ़ा कर कहना शुरू किया कि पाकिस्तान ने यह किया, वह किया। आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो। मीडिया ने बातें लिख दीं, छाप दीं और टीवी पर आकर बोल दिया। विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को सीधे नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा, हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें

भारत ने नौ निशाने साधे, एक भी निशाना खाली नहीं गया

इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी। हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए जिसमें भारत की तरफ से हुआ कोई नुकसान दिखाई दे रहा हो। डोभाल ने कहा, हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटग्रस्त, लहूलुहान और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए ▶10 पर

केरल में सीएम पद के लिए शशि थरूर पहली पसंद

तिरुवनंतपुरम, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केरल में मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर को भारी जन-समर्थन प्राप्त हो रहा है। इससे कांग्रेस नेता ही जल भुनकर खाक हुए जा रहे हैं। कांग्रेस के नेता अपने जहांपनाह राहुल गांधी के चरित्र से अधिक प्रभावित हैं, जो किसी भी मेधावी नेता को बर्दाश्त नहीं करते और अपने नेता की जड़ें काटने में लगे रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश के दौरे पर गई सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता के बतौर शशि थरूर ने जो भूमिका अदा की, उसकी पूरे देश में एक स्वर से सराहना हुई। ▶10 पर

लगातार क्रैश होते लड़ाकू विमानों से वायुसेना चिंतित

आत्मनिर्भर बनने तक सुरक्षित रहना भी जरूरी

डिग्रेडेड लड़ाकू विमान ले रहे हैं पायलटों की कुर्बानी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार क्रैश होते लड़ाकू विमानों से भारतीय वायुसेना अत्यंत चिंतित है। पुराने और डिग्रेडेड लड़ाकू विमान लगातार पायलटों की कुर्बानी ले रहे हैं। भारत सरकार यह तय ही नहीं कर पा रही है कि वह पहले आत्मनिर्भर बने या पहले सुरक्षित बने। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पायलटों की सुरक्षा प्राथमिक है, भारत सरकार को इस प्राथमिकता का ध्यान रखना चाहिए। आत्मनिर्भर बनने तक पायलटों का सुरक्षित रहना भी जरूरी है। आत्मनिर्भर बनने के लिए वायुसैनिकों की कुर्बानी जरूरी नहीं है।

भारतीय वायुसेना के सामने पुराने होते विमानों का समय पर अपग्रेड न होने की भारी चुनौती है और देश उसका खामियाजा भुगत रहा है। लड़ाकू विमान लगातार हादसे का शिकार हो रहे हैं और हम बेशकीमती पायलटों को बलीवेदी पर चढ़ा रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने अपने कई विमान इस वजह से गंवाए हैं, कुछ दिन पहले राजस्थान में फिर एक जेट क्रैश हुआ। इस बीच बेहतर तकनीक वाले इंजन की जरूरत महसूस होने लगी है। सरकार भी अब बड़े कदम

उठाने को लेकर गंभीर है। भारत सरकार को फैसला करना है कि भारत अपना खास इंजन ब्रिटेन की कंपनी रॉल्स-रॉयस के साथ मिलकर बनाएगा या फिर वो फ्रांस की सैफरन की मदद लेगा।

एक वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी ने कहा, इंजन को लेकर जरूर चुनौती है। रणनीतिक लिहाज से भारत सरकार को जरूरी फैसला लेना ही होगा। इस समय हमें जो फिफ्थ जेनरेशन एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की जरूरत है, उसमें दोनों रॉल्स-रॉयस और सैफरन के साथ हाथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है। बड़ी बात यह है कि दोनों ही कंपनियों ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) के साथ काम करने में दिलचस्पी दिखाई है, उनका बेंगलुरु में जो गैस टरबाइन शोध प्रतिष्ठान है, वहां पर प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है।

एक तरफ भारत फिफ्थ जेनरेशन एयरक्राफ्ट चाहता है, उसे इंजन के मामले में आत्मनिर्भर भी बनना है, तकनीक अगर भारत में ही विकसित हो जाए तो सप्लाई चेन की एक बड़ी चुनौती से पार पाया जा सकता है। असल में भारत को इस समय अपने तेजस एयरक्राफ्ट के लिए भी इंजन चाहिए, लेकिन अमेरिकी कंपनी जीई की तरफ से लगातार देरी हो रही है। कोरोना के बाद से जो सप्लाई चेन टूटी है, उसे अभी तक फिर शुरू नहीं किया जा सका है। अब इस बीच भारत क्योंकि अपने ट्विन इंजन 5.5 जनरेशन स्टील्थ फाइटर जेट एएमसीए को बनाने की तैयारी कर रहा है, उसमें दोनों ब्रिटेन और फ्रांस से मदद मिल सकती है। ▶10 पर

भाजपा ने राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा स्वीकार किया

हैदराबाद 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के पार्टी विधायक टी राजा सिंह लोध का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पार्टी मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने इस संबंध में श्री राजा सिंह को पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि श्री नड्डा के निर्देशानुसार मैं सूचित करता हूं कि आपका पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है।

▶10 पर

रूस का यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमला,दो की मौत, 22 घायल

कीव,11 जुलाई (एजेंसियां) । रूस ने नौ जुलाई की शाम छह बजे से दस जुलाई की पूरी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ हवाई हमला कर आधारभूत संरचना को भारी क्षति पहुंचाई है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूक्रिनफॉर्म ने खबर प्रसारित की है। खबर के अनुसार, रूस ने खासतौर पर कीव को निशाना बनाया। उसने ब्रांस्क, प्रिमोर्स्को-अख्तरस्क, कुर्स्क, ओर्योल और मिलरोवो से 397 यूएवी (शाहेड ड्रोन) से हवाई हमला किया। ब्रांस्क क्षेत्र से आठ इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा सारातोव क्षेत्र के ऊपर रूसी हवाई क्षेत्र से छह केएच-101 क्रूज मिसाइलें और कुर्स्क क्षेत्र से चार एस-300 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं।

यूक्रिनफॉर्म ने दावा किया कि यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने 178 रूसी हवाई खतरों को निष्क्रिय कर दिया। रूस ने कुल 415 प्रेक्षपास्त्र दागे। रूस के हवाई हमले का जवाब यूक्रेनी विमानन, वायु रक्षा मिसाइल बलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) इकाइयों, ड्रोन रक्षा प्रणालियों और यूक्रेनी रक्षा बलों के मोबाइल फायर समूहों ने दिया। कीव पर रूसी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। इसके अलावा दो लोगों की जान चली गई। 10 जुलाई की रात कीव पर हुए रूसी हवाई हमले में कीव मेट्रो पुलिस के एक 22 वर्षीय पुलिस कॉर्पोरल की मौत हो गई। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि पोडिल्स्की जिले में रूसी हमले में प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वच्छता सहायता केंद्र संख्या 1 का बाह्य रोगी क्लीनिक नष्ट हो गया। इसके अलावा यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी की कीव के होलोसिव्स्की जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस बीच यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने एक विशेष बैठक में सैन्य चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक और करीबी पर अंतरिम सरकार ने शिकंजा कसा है। देश के प्रमुख अर्थशास्त्री और जनता बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अबुल बरकत को गुरुवार देररात ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है। खबर के अनुसार, संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11:30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने 20 फरवरी को बरकत और 22 अन्य लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स समूह के अंतर्गत 22 संस्थाओं को कथित रूप से अवैध ऋण देने का मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया है कि बरकत ने बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान और अन्य लोगों के साथ मिलकर धनराशि वितरित करने के लिए जाली दस्तावेजों में मिलीभगत की। आयोग का दावा है कि इससे सार्वजनिक कोष को भारी नुकसान हुआ। प्रो. बरकत ढाका विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और बांग्लादेश अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। अवामी लीग सरकार ने उन्हें जनता बैंक के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को श्री 5 महाराजाधिराज लिखने के कारण संवाद सचिव हिरासत में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के नाम पर वक्तव्य जारी करते समय उनके नाम के आगे श्री 5 महाराजाधिराज की उपाधि लिखने के कारण उनके संवाद सचिव फणीराज पाठक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस की इस कार्यवाही पर राजा समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने आपत्ति जताई है। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपील राज बोहरा ने बताया कि संविधान के विपरीत आचरण करने के आरोप में पूर्व राजा के संवाद सचिव फणीराज पाठक को हिरासत में लिया गया है। एसपी बोहरा ने बताया कि पूर्व राजा के नाम पर जारी वक्तव्य में या सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके नाम के आगे राजतंत्र की शैली में श्री 5 महाराजाधिराज का संबोधन किया जा रहा है। इस बात को लेकर संसद में कई सांसदों ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

पुजारी ने अंदर बुलाया और आर्शीवाद के बहाने महिला से की अश्लील हरकत

कुआलालम्पुर। मलेशिया की मॉडल और पूर्व मिस ग्रैंड मलेशिया ने एक हिंदू पुजारी पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। मॉडल ने कहा है कि पुजारी ने मंदिर में पूजा के दौरान उन्हें 'आशीर्वाद देने' के बहाने अंदर बुलाकर और छेड़छाड़ की। मलेशिया की मॉडल ने सोशल मीडिया पर साझाकर बताई हकीकत यह घटना मलेशिया सेपांग जिले के मरियम्मन मंदिर में पिछले शनिवार की बताई जा रही है। आरोप लगने के बाद पुलिस ने आरोपी पुजारी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि वह पूजा कर रही थी, तभी पुजारी ने कहा कि वह मुझे एक खास पवित्र जल और धागा देना चाहता है, जो भारत से आया है। उसने कहा कि ये आम भक्तों को नहीं दिया जाता है। मीडिया रिपोर्ट में मॉडल के मुताबिक पुजारी ने उसे मंदिर के कमरे में बुलाया और वहां एक तेज गंध वाला तरल पदार्थ पानी में मिलाया। इसके बाद पुजारी ने बार-बार उनके चेहरे पर पानी डाला, जिससे वह अपनी आंखें नहीं खोल पा रही थीं। इसके बाद पुजारी उनके कपड़े उठाने लगा और जब मॉडल रोका तो उनके कपड़ों को 'बहुत टाइट' कहकर ताना मारा। इसी दौरान वह उनके पीछे खड़ा हो गया और उनके ब्लाउज में हाथ डालकर अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने आगे बताया कि मुझे उस पल में सब कुछ गलत लग रहा था, लेकिन मैं हिल तक नहीं पाई। न बोल सकी, न भाग सकी। आज भी समझ नहीं पाती कि क्यों। सबसे ज्यादा दर्द इस बात का है कि ये सब एक मंदिर में और एक पुजारी ने किया। मॉडल ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस में शिकायत की तो जांच अधिकारी ने उन्हें धमकी दी कि यदि वे इस घटना को सार्वजनिक करती हैं, तो 'उन्हीं को दोषी ठहराया जाएगा।

अमेरिका ने नागरिकों को दी सख्त चेतावनी किसी भी हालत में न करें ईरान यात्रा

वांशिगटन,11 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका और ईरान के बीच हालात फिर तनाव की ओर बढ़ रहे हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान नहीं जाने की सलाह दी है। अमेरिका की ओर से ईरान यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नागरिकों को किसी भी स्थिति में ईरान की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के वाणिज्य दूतावास कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सऴ पर पोस्ट में लिखा, अमेरिकी नागरिकों को किसी भी कारण से ईरान नहीं जाना चाहिए। ईरान में अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी चेतावनी और अपराध का कोई सबूत दिए अगवा किया गया है और गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इनमें दोहरी नागरिकता (यूएस-ईरानी) रखने वाले नागरिक भी शामिल हैं। कुछ को झूठे आरोपों में सालों तक कैद रखा गया, मानसिक यातना दी गई और यहां तक कि मौत की सजा भी सुनाई गई है। सिर्फ अमेरिकी पासपोर्ट होना या अमेरिका से संबंध होना ही ईरानी अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी का कारण बन सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ईरानी शासन दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से कांसुलर सहायता देने से इनकार करता है। उन्होंने कहा कि हालांकि बमबारी रुक गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान की यात्रा करना सुरक्षित है।

टैमी ब्रूस ने यह भी बताया कि अमेरिकी सरकार एक नई वेबसाइट लॉन्च कर रही है, जिसका उद्देश्य अमेरिकियों को ईरान यात्रा से सावधान करना है। ब्रूस ने कहा, हम अमेरिकियों को ईरान की यात्रा के प्रति आगाह करने के लिए एक नई वेबसाइट भी शुरू कर रहे हैं। आप कई भाषाओं में देख सकते हैं। हमारी यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी वहां उपलब्ध है। वो अभी भी लागू है।

विदेश विभाग की प्रवक्ता ने कहा, हम ये बात बार-बार दोहराते हैं कि ईरान की यात्रा न करें, खासकर वो लोग जो दोहरी नागरिकता रखते हैं या ईरानी मूल से हैं। यह किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 को लौटेंगे धरती पर

टेक्सास। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

बलूच विद्रोहियों ने एक घंटे में किए 8 हमले पाकिस्तान के 18 फ्रंटियर कोर के सैनिकों को मार डाला

करांची, 11 जुलाई (एजेंसियां) । बलूच विद्रोहियों ने गुरुवार को एक घंटे में 8 जगह पर हमलों को अंजाम दिया गया। बलूचिस्तान के सुरब में फ्रंटियर कोर के कैंप पर हमला कर उसे कब्जे में ले लिया गया था। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली। साथ ही दावा किया है कि इस हमले में फ्रंटियर कोर के 18 सैनिको को मार गिराया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी ने पूरी तरह से गदर मचा दिया है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जब किसी जगह पर सेना के काफिले या पोस्ट पर अटैक ना हो रहा हो। इस साल जनवरी से जून तक के आंकड़ों की बात करें तो बीएलए ने 284 हमले को अंजाम दिया। इन हमलों में 9 स्पेशल ऑपरेशन, 3 फिदायीन, 121 बम या आईईडी ब्लास्ट से किए गए। इन हमलों में दावा किया जा रहा है कि 668 पाक सैनिकों की मौत हो गई है। इसके अलावा बीएलए ने बलूचिस्तान में 45 महत्वपूर्ण स्थानों पर कब्जा किया, जिसमें कालट जिला का मंगोचर शहर भी शामिल है।

इसमें खारन जिले के लत्ताद में बलूच उग्रवादियों ने एक फ्रंटियर कोर की चौकी पर हमला किया। दूसरा अटैक दश्त में नाकाबंदी के दौरान सचिवालय बस पर गोलीबारी की गई। तीसरा अटैक केच जिले के टम्प में अंजाम दिया गया। इसमें बलूच उग्रवादियों ने बलिचा, मीराबाद, ज़मरान बाजार, रोडबन और बुस्ट में अचानक नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी से पाकिस्तानी सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जाता है। चौथा हमला डोलेजी के झाओ में अंजाम दिया गया, जहां बलूच विद्रोहियों ने एक पाकिस्तानी सेना कैंप पर हमला किया। यह हमला 30 मिनट से ज्यादा समय तक चला। पांचवा अटैक क्वेटा के किरानी रोड में हज़ारा टाउन के पास हुआ, जिसमें एक सुरक्षा चौकी पर हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया। छठा हमला टम्प गोमाज़ी में हुआ, जहां शाम को हथियारबंद लोगों ने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। सातवां हमला खारन के जंगल इलाके के सोपाक क्रॉस पर अंजाम दिया गया, जहां बलूच लड़ाकों ने नाकाबंदी की जो कि लंबे समय तक जारी रही। आठवां हमला दलबंदिन में गैस ले जा रहे बोज़र ट्रकों पर हुआ।

बलूचिस्तान के कुल 37 जिले हैं। हर जिले में बलूचियों का विद्रोह चरम पर है। दिन-रात हर वक्त पाक सेना और सरकार को चुनौती दी जा रही है।

माल्टा में फैशन वीक

माल्टा में फैशन वीक के दौरान परिधानों को पेश करती हुई एक मॉडल।

नेपाल को तिब्बत के हिम ताल का तटबंध टूटने की सूचना चीन ने नहीं दी, इसलिए बाढ़ से हुई तबाही

काठमांडू, 11 जुलाई (एजेंसियां) । चीन प्रशासित तिब्बत क्षेत्र में हिम ताल का तटबंध टूटने के कारण नेपाल के रसुवागढ़ी में आई बाढ़ से जनधन की व्यापक क्षति हुई है। चीन प्रशासन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नेपाल सरकार को नहीं दी। अगर इसकी सूचना समय पर मिल जाती तो तबाही को कुछ हद तक रोका जा सकता था।

राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रमुख दिनेश भट्ट ने कहा कि चीन के तिब्बत में हिमनद के तटबंध टूटने और बाढ़ की पूर्व सूचना नहीं दिए जाने के कारण नेपाल को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। भट्ट का दावा है कि सीमावर्ती क्षेत्र के जिलों में मानसून को लेकर सतर्क रहने की औपचारिक सूचना तो दी गई लेकिन इतने बड़े पैमाने पर बाढ़ आने की कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई। रसुवागढ़ी जिला प्रशासन ने भी गृह मंत्रालय को अवगत कराया है कि चीन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नहीं दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद तिवारी ने कहा कि यदि पूर्व सूचना मिल जाती तो जनधन की भारी नुकसान से बचाया जा सकता था। उल्लेखनीय है कि सोमवार को आई विनाशकारी बाढ़ में बहे नौ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। 19 लोगों अभी भी लापता हैं। बाढ़ में 24 मालवाहक कंटेनर, 35 इलेक्ट्रिक व्हीकल, 6 छोटे ट्रक बह गए हैं। इसके अलावा चीन सरकार का निर्माणाधीन ड्राइपोर्ट बह गया है।

पाकिस्तान में बस से नौ यात्रियों को उतारकर ले गए आतंकी, गोली से भूना, बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में गुरुवार रात हथियारबंद आंतवादियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों में सवार कम से कम नौ यात्रियों का अपहरण कर उनकी गोलीमार कर हत्या कर दी। वारदात के कुछ समय बाद इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली।

खबर के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि दो बसों से अगवा किए गए नौ लोगों की हत्या कर दी गई है। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों को पंजाब में उनके पैतृक शहरों में भेजने के लिए राखनी ले जाया जा रहा है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन ने तीन काकट, मस्तुंग और सुर-दकई पर हमले किए हैं। सुर-दकई इलाके में कुछ यात्रियों को अगवा किया गया है। सुरक्षा बलों ने बाकी अपहृत यात्रियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बताया गया है कि पंजाब जा रही दो बसों को एन-70 राजमार्ग के पास सुर-दकई इलाके में जाम लगाकर रोका गया। इसके बाद हथियारबंद यह लोग बसों में चढ़ गए। यात्रियों के पहचान पत्र जांचे। इनमें 10 को बंदूक के दम पर बसों से उतारकर अपने साथ ले गए। एक बस यात्री ने बताया कि कुछ देरबाद गोलियों की आवाज सुनाई पड़ी। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने सारे राजमार्ग पर जगह-जगह नाकाबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। समूह के प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकों ने मुसाखाइल-मख्तार और खजूरी के बीच राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद नौ व्यक्तियों की हत्या कर दी।

खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने यात्रियों की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की है। बुगती ने कहा कि हमलावरों ने जानबूझकर निर्दोष नागरिकों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपनी कायरता और पाशविक प्रवृत्ति का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्री बसों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है और एन-70 पर रात को यात्रा प्रतिबंधित है। हालांकि, एक बस सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शाम के समय एन-70 मार्ग से रवाना हुई। सरकार जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था की किन खामियों के कारण यह वारदात हुई। उन्होंने यह पुष्टि की कि एक सामान्य आतंकवादी धमकी पहले मिली थी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिल के कारण शव को बंधक नहीं रख सकेंगे अस्पताल

गुवाहाटी, 11 जुलाई (एजेंसियां)। असम सरकार ने फैसला किया है कि अब अस्पताल या नर्सिंग होम बिल बकाया होने के कारण किसी भी रोगी के शव को बंधक बनाकर नहीं रख सकेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि अब राज्य का कोई भी नर्सिंग होम या अस्पताल बिल बकाया होने पर शव को बंधक बना कर नहीं रख सकेगा। अस्प-ताल को रोगी की मृत्यु होने के दो घंटे के भीतर उसका शव परिजनों को सौंपना होगा।

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि निजी अस्पतालों द्वारा शवों को रोककर नहीं रखा जाएगा। उन्हें बकाया बिलों की परवाह किए बिना मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने के दो घंटे के भीतर शव परिजनों को सौंपना होगा। इससे अधिक देरी होने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरमा ने कहा कि सरकार 24 घंटे वाली टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर-104 स्थापित करेगी। शव न मिलने पर कोई भी परिवार इस नंबर पर सूचना दे सकेंगे। इस मामले को तुरंत जिला स्वास्थ्य अधिकारी, स्थानीय पुलिस और अस्पताल शिकायत प्रकोष्ठ तक पहुंचाया जाएगा। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी को घटनास्थल का दौरा करना होगा। यदि शव को गलत तरीके से रखा गया हो तो उसे मुक्त कराना होगा और कानूनी कार्रवाई शुरू करनी होगी। सीएम सरमा ने कहा कि दोषी अस्पतालों का लाइसेंस 3 से 6 महीने के लिए निलंबित किया जाएगा और पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अपराध दोहराने पर उनका पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द किया जा सकता है।

सीएम ने कहा कि कैबिनेट ने असम में निजी नर्सिंग होम द्वारा की जा रही जबरदस्ती की गतिविधियों को रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसअ-ोपी) और नियामक दिशानिर्देशों के मसौदे को मंजूरी दे दी है। ऐसी घटनाओं की सूचना चार घंटे के भीतर पुलिस और जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को दी जानी चाहिए। इसके अलावा असम कैबिनेट ने मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए आठ जिलों में गज मित्र योजना शुरू करने को मंजूरी दी। सीएम ने कहा कि राज्य के आठ सबसे अधिक मानव-हाथी संघर्ष वाले जिले गोलपारा, उदलगुरी, नागांव, बक्सा, सोनितपुर, गोलाघाट, जोरहाट और विश्वनाथ में गज मित्र योजना को भी मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों में समुदाय आधारित स्वैच्छिक निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाए जाएंगे। प्रत्येक दल में स्थानीय समुदाय के आठ सदस्य होंगे जो छह महीने की अवधि के लिए 80 स्थानों पर काम करेंगे। जिस दौरान संघर्ष चरम पर होता है और धान की खेती का मौसम भी होता है। सरमा ने कहा कि गज मित्र योजना सक्रिय, प्रशिक्षित और समुदाय-आधारित सहायता प्रणाली स्थापित करने में मदद करेगी।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.7 थी तीव्रता

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के जिलों में अचानक धरती हिलने लगी, जिससे लोग अपने घरों और कार्यालयों से बाहर निकलकर खुले में आ गए। हालांकि, किसी तरह की क्षति की कोई खबर नहीं आई है।

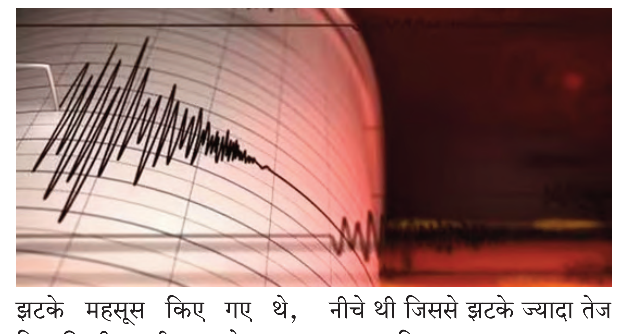

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। भूकंप के झटके शुक्रवार शाम 7.49 बजे महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 आंकी गई। इसकी गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी। इससे पहले गुरुवार की सुबह भी दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके आए थे। उसका भी केंद्र झज्जर ही था।

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार सुबह दो बार भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 और 3.0 दर्ज की गई थी। भूकंप का केंद्र झज्जर शहर से 10 किलोमीटर उत्तर में था, जिसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे मापी गई थी।

बता दें कि इससे पहले दिल्ली और पूरे एनसीआर में 17 फरवरी को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

भूकंप के झटके इतने तेज थे कि जो लोग सो रहे थे, उनकी नींद टूट गई, और जो जाग रहे थे, वे दहशत में आ गए। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था और इसकी गहराई जमीन से पांच किलोमीटर नीचे थी जिससे झटके ज्यादा तेज महसूस किए गए।

भूकंप वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारी धरती की सतह मुख्य रूप से सात बड़ी और कई छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से बनी है। ये प्लेट्स लगातार हरकत करती रहती हैं और अक्सर आपस में टकराती हैं। इस टक्कर के परिणामस्वरूप प्लेट्स के कोने मुड़ सकते हैं और अत्यधिक दबाव के कारण वे टूट भी सकते हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर फैलने का रास्ता खोजती है और यही ऊर्जा जब जमीन के अंदर से बाहर आती है तो भूकंप आता है।

डीआरडीओ-वायुसेना ने किया 'अस्त्र' मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को हवा से हवा में मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल (बीवीआरएएएम) 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया।

स्वदेशी 'रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सीकर' से लैस 'अस्त्र' का परीक्षण ओडिशा तट के पास भारतीय फाइटर जेट सुखोई-30 एमके-1 से किया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, परीक्षण के दौरान दो मिसाइल लॉन्च किए गए। इनमें हाई-स्पीड मानवरहित हवाई लक्ष्यों को विभिन्न रेंज, दिशा और लॉन्च प्लेटफॉर्म्स की स्थितियों में निशाना बनाया गया। बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दोनों बार मिसाइल ने लक्ष्य को अत्यंत सटीकता के साथ नष्ट किया।

मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल परीक्षण में स्वद-ेशी आरएफ सीकर सहित सभी सबसिस्टम्स ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। यह आरएफ सीकर डीआरडीओ द्वारा देश में ही डिजाइन और विकसित किया गया है। इस परीक्षण ने 'अस्त्र' मिसाइल प्रणाली की सटीकता और विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है। यह प्रामाणिकता इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात रेंज ट्रैकिंग यंत्रों के माध्यम से प्राप्त उड़ान डेटा के आधार पर मिली है।

अस्त्र की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है। यह उन्नत गाइडेंस एवं नेविगेशन प्रणाली से युक्त है। इस परियोजना में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के साथ-साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) समेत 50 से अधिक सार्वजनिक और निजी उद्योगों का यो-गदान रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और औद्योगिक साझेदारों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि स्वद-ेशी सीकर के साथ मिसाइल का सफल परीक्षण रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने भी इस सफलता के लिए सभी टीमों को बधाई दी।

हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश को मिलकर करनी चाहिए यमुना की सफाई : शाह

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां यमुना की सफाई से संबंधित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि यमुना में हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों से अपशिष्ट के साथ रसायन आ रहा है इसलिए तीनों राज्यों को इसकी सफाई और पुनर्जीवन के प्रयास करने चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को जल प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने के लिए बेहद सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को औद्योगिक इकाइयों से बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने के लिए सतत एवं प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुना में दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से भी अपशिष्ट के द्वारा रासायन आ रहा है इसलिए इन सभी राज्यों को साथ मिलकर नदी को स्वच्छ करने के उपायों पर कार्य करना चाहिए ।

गृह मंत्री ने नजफगढ़ और शाहदरा की मुख्य ड्रेनों में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड को सुधारने की कार्ययोजना पर कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने इन दोनों ड्रेनों का ड्रोन से सर्वेक्षण कराने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा की जा रही कोशिशों के अलावा राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन का बजट बढ़ाने की भी आवश्यकता है।

श्री शाह ने यमुना की सफाई के साथ-साथ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढाने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने 2028 तक एसटीपी क्षमता 1500 एमजीडी तक बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यमुना के पुनर्जीवन के लिए हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को प्रयास करना चाहिए और उनके एसटीपी से निकल रहे जल की निरंतर और निष्पक्ष जांच हो। इसके लिए उन्होंने एसटीपी के आउटफ्लो की तीसरे पक्ष से गुणवत्ता जांच पर भी बल दिया।

गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली में कई जलाशय हैं जिनमें दिल्ली सरकार को बरसाती पानी संग्रह करने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन जलाशयों को विकसित करने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि डेयरी, गौशालाओं के अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए दिल्ली सरकार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में अनधिकृत डेयरियों के प्रबंधन करने पर भी जोर दिया ।

श्री शाह ने यमुना में ई-फ्लो बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए कहा इस विषय पर उत्तर प्रदेश सरकार से बात करके हल निकालने की आवश्यकता है ताकि दिल्ली में यमुना का बहाव बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि ओखला के उपचारित जल को यमुना में छोड़ा जाना चाहिए जिससे नदी के जल की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद मिलेगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली के हर घर की जलापूर्ति को ध्यान में रखकर एक विस्तृत सर्वे कराया जाए जिससे पूरी दिल्ली में जलापूर्ति का व्यापक प्लान बन सके। उन्होंने कहा कि बोरवेल के माध्यम से अनियंत्रित जल निकासी एक बड़ी समस्या है जिस पर दिल्ली जल बोर्ड को कार्य योजना बनाकर कार्य करने की आवश्कता है। उन्होंने कहा कि इन बोरवेल को चरणबद्ध तरीके से नियमित किया जाए।

बैठक में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श् रेखा गुप्ता, केन्द्रीय गृह सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव सहित केन्द्र एवं दिल्ली सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

भावना से रहित आत्मा कितना भी प्रत्यन करे, वह मुक्ति प्राप्त नहीं कर सकती: आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु शहर में स्थित श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर दक्ष प्रभाकर सूरीश्वर आराधना भवन महालक्ष्मी लेआॅऊट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य भगवंत श्री प्रभाकरसूरीश्वरजी म.मा., मुनिराज श्री महापद्मविजयजी म. सा., मुनिराज श्री पद्मविजयजी म. सा. एवं साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी म. सा. , साध्वी श्री गोयमरत्नाजी म. सा. एवं साध्वी परमप्रज्ञाश्रीजी म. सा. की निश्रा में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में आचार्य भगवंत प्रभाकरसुरिजी ने प्रवचन के दौरान कहा- प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी ये चातुर्मास आया है, ये चातुर्मास आत्मकल्याणकारी चातुर्मास है। जिसमें आत्मा के कल्याण के लिये भगवान महावीर ने दान शील तप ओर भाव चार प्रकार का धर्म बताया है। उसमें भी भाव का महत्व सबसे अधिक है। जिस प्रकार खाने में सभी मसालों में से नमक का महत्व ऊपर है उसी तरह दान शील तप का महत्व भी तभी है जब उसे भाव जुड़े हुए हो।

आचार्य कहा - भावना से रहित आत्मा कितना भी प्रत्यन करे, वह मुक्ति प्राप्त नहीं कर सकती। मोक्ष प्राप्ति के चार प्रमुख मार्ग हैं- दान, शील, तप और भाव। दान के साथ दान की शुद्ध भावना हो, तप करने में शुद्ध भाव हो शील (ब्रह्मचर्य) का पालन करने में भी सच्ची भावना हो। जिस तरह हवा के बिना अच्छे से अच्छा जहाज भी समुंदर में चल नहीं सकता। वैसे ही अच्छे से अच्छा चतुर साधक भी भाव के बिना संसार सागर को पार नहीं कर सकता। नाव को चलाने में जैसे पवन कारक है, वैसे ही धर्म रूपी साधना भावरूपी नाव से ही पार की जा सकती है। लोग मंदिर में जाकर जिनेश्वर परमात्मा की मूर्ति को पूर्ण श्रद्धा से पूजते हैं, उसका लाभ आत्मा को होता है। हम जो कुछ क्रिया करते हैं, उसका फल भावना श्रद्धा के अनुसार ही हमें मिलता है। भावना शुद्ध रही तो आधे घंटे में ही महान कर्म निर्जरा कर सकते हैं। जिसकी जैसी भावना होती है उसी प्रकार की सिद्धि मिलती है।

आचार्य ने बताया की भाव धर्म दरिद्रता का नाश करता है। दान से सादगी एवं सन्मति की प्राप्ति होती है। शील धर्म अनंत जन्मों से उपार्जित बुरे कर्मो का नाश करता है। तप हमारी आत्मा के ऊपर जो कर्मों का बंधन है उसे हटाता है, तपस्या के अंदर तप करना आवश्यक है। इससे निकाचित एवं अनिकाचित कर्म बंधन से मुक्ति मिलती है। उपरोक्त चारों धर्मों का पालन करने से मनुष्य अनेक दुर्गति से बच जाता है।

प्रवचन उपरांत श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ मंदिर कें ट्रस्टी नरेशजी बम्बोरि ने बताया की 14जुलाई से आचार्य भगवंत की निश्रा मे मोक्षडंड तप की तपस्या की शुरुआत होगी जिसमें सभी श्रावक-श्राविकाओं को जुड़ना हैं। मोक्षडंड तप में एक दिन उपवास करना है, एक दिन बियासणा करना होगा।

रोजगार मेले में आज 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे।

रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं।

यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

पिघल रहे अमरनाथ के प्रतीक शिव हिमलिंग

श्राइन बोर्ड को याद आया प्रकृति का नियम, श्रद्धालुओं की संख्या क्षमता से अधिक हो गई

जम्मू, 11 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग पिघल रहा है। ऐसे में हर बार रक्षा बंधन से पहले ही भक्तों के सांसों की गर्मी और मौसम की गर्मी से तेजी से पिघलता अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग एक बार फिर विवाद का मुद्दा बन गया है। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने इसके पिघलने की प्रक्रिया से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि यह प्राकृतिक प्रक्रिया है पर कश्मीर के पर्यावरणविद इसे मानने को तैयार नहीं हैं जिनका कहना है कि क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल होने की अनुमति देने से ऐसा हुआ है। चिंता की बात यह है कि इस बार यह यात्रा शुरू होने के 7 दिनों के भीतर ही पिघल गया।

जिस तेजी से हिमलिंग पिघल रहा है उसे रोकने उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से हिमलिंग को नुकसान पहुंच रहा है। लाखों भक्तों की गर्म सांसों का असर हिमलिंग पर पड़ रहा है। हालांकि श्राइन बोर्ड के अधिकारी कुदरती बताते हैं। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि हिमलिंग को ग्लोबल वार्मिंग प्रभावित कर रही है। वर्ष 1996 के अमरनाथ हादसे के बाद नीतिन सेन गुप्ता कमेटी की सिफारिश थी कि 75 हजार से अधिक श्रद्धाल-ुओं को यात्रा में शामिल न होने दिया जाए। पर ऐसा कभी नहीं हो पाया। इस बार 7 दिनों में डेढ़ लाख श्रद्धालु गुफा तक पहुंचे। 30 जून को बाबा बर्फानी ने पहली बार दर्शन दिया तब शिवलिंग का आकार करीब 18 फीट था। धीरे-धीरे वह अब लगभग पूरी तरह से पिघलने पर है।

बीआरओ, जम्मू कश्मीर पुलिस और ओएनजीसी की खास भूमिका रही

जम्मू, 11 जुलाई (ब्यूरो)। इस बार की अमरनाथ यात्रा में सबसे प्रमुख बीआरओ अर्थात सीमा सड़क संगठन और जम्मू कश्मीर पुलिस की भूमिका रही। इसमें ओए-नजीसी का भी योगदान रहा। जम्मू कश्मीर पुलिस के अथक प्रयास और अटूट प्रतिबद्धता की बदौलत, हर साल हजारों श्रद्धालुओं द्वारा की जाने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा एक बार फिर सुचारू रूप से आगे बढ़ी। दुर्गम भूभाग, अप्रत्याशित मौसम और संभावित सुरक्षा खतरों के बीच इतनी बड़ी तीर्थयात्रा का प्रबंधन कोई आसान काम नहीं है। फिर भी, जम्मू कश्मीर पुलिस ने अन्य सुरक्षा और प्रशासनिक एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हुए इस जटिल अभियान को दक्षता और अनुशासन के एक आदर्श में बदल दिया।

शास्त्रीय नृत्य की नई नायिकाएँ : बॉलीवुड की ये पांच अभिनेत्रियाँ बना रही हैं परंपरा को ट्रेंड

आज के समय में जहाँ हिप-हॉप, कंटेम्परेरी और फ्रीस्टाइल जैसे नृत्य रूप बॉलीवुड पर छाए हुए हैं, वहीं शास्त्रीय नृत्य एक शांत लेकिन सशक्त पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। इसकी अगुवाई कर रही हैं नई पीढ़ी की ऐसी अभिनेत्रियाँ, जिन्होंने 'ताल', 'मुद्राएँ' और अनुशासन की साधना को अपना जीवन बना लिया है। ये कलाकाराएँ भारत की सांस्कृतिक विरासत को अपनी चकाचौंध भरी मौजूदगी से मंच पर पुनः स्थापित कर रही हैं-न सिर्फ़ सौंदर्य के रूप में, बल्कि आत्मा की गहराई से भी।

जान्हवी कपूर: जान्हवी कपूर का शास्त्रीय नृत्य से नाता केवल उनकी माँ-दिवंगत श्रीदेवी-को श्रद्धांजलि नहीं है, यह उनके लिए एक आध्यात्मिक साधना है। कथक में प्रशिक्षित जान्हवी ने अपने हर प्रदर्शन में न सिर्फ़ नजाकत और लय को, बल्कि आत्मा को भी समाहित किया है। उनकी बोलती आँखें और नयनाभिराम मुद्राएँ उन्हें बॉलीवुड की चमक और शास्त्रीय परंपरा का अद्भुत संगम बनाती हैं।

सारा अली ख़ान : सारा अली ख़ान की चुलबुली और मस्तमौला छवि के पीछे छिपा है शास्त्रीय नृत्य के प्रति गहरा समर्पण, विशेष रूप से कथक और भरतनाट्यम में। उनके नृत्य में अनुशासन और नाटकीयता का सुंदर समावेश है। उनकी मुद्राएँ और हाव-भाव से भावों की अभिव्यक्ति करना उनकी विशेषता है-जो उन्हें अन्य समकालीन अभिनेत्रियों से अलग पहचान दिलाता है।

संदीपा धर : संदीपा धर फिल्म इंडस्ट्री की सर्वाधिक प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगनाओं में से एक हैं। भरतनाट्यम और कथक में निपुण संदीपा, प्रसिद्ध गुरुओं की शिष्या रही हैं और बचपन से मंच पर प्रस्तुति देती आ रही हैं। उनके नृत्य में जो तीव्रता और मुद्रा की दृढ़ता है, वह उनके वर्षों के अभ्यास और गहरे शास्त्रीय ज्ञान का प्रमाण है।

शनाया कपूर : फिल्मी करियर शुरू करने से पहले ही शनाया कपूर ने कथक सहित कई शास्त्रीय नृत्य रूपों में गहन प्रशिक्षण लिया। उनके नृत्य वीडियो सोशल मीडिया पर काफ़ी लोकप्रिय हैं-हर कदम, हर भंगिमा में अभ्यास की परिपक्वता और शैली की सजीवता झलकती है। शनाया अपने शास्त्रीय नृत्य में जो युवापन और प्रवाह लेकर आती हैं, वह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता एक साथ कितनी खूबसूरती से नृत्य कर सकते हैं।

आदिति राव हैदरी : आदिति राव हैदरी केवल एक नृत्यांगना नहीं हैं-वह मानो गति में एक रचना हैं। बचपन से भरतनाट्यम में प्रशिक्षित आदिति, शास्त्रीय नृत्य को उस गहराई और सौंदर्य के साथ प्रस्तुत करती हैं, जो आज के बॉलीवुड में दुर्लभ है। चाहे वह मंच पर हों या परदे पर, आदिति का नृत्य एक कालातीत सादगी और काव्यात्मक सौंदर्य को सजीव करता है। इन प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों की वजह से शास्त्रीय नृत्य केवल परंपरा नहीं रहा-वह फिर से लोकप्रियता की मुख्यधारा में लौट आया है, नये रंग, नये जोश और एक नए अर्थ के साथ।

कप्स कैफे पर गोलीबारी मामला कपिल शर्मा की टीम बोली

हम हार नहीं मानेंगे

कमीडियन और अभिनेता कपिल शर्मा के कनाडा में स्थित नए कप्स कैफे पर गुरुवार को हुई गोलीबारी की घटना के बाद कैफे की टीम का शुक्रवार को बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने हार न मानने की बात कही।नए लॉन्च कप्स कैफे कनाडा के सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में स्थित है, जहां गोलीबारी की घटना हुई। इस हमले में नौ राउंड फायरिंग की गई। गोलीबारी में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह लड्डी ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। इस घटना से कैफे की टीम सदमे में है, लेकिन उन्होंने हार न मानने का फैसला किया है।

कप्स कैफे के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर टीम ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, हम इस मुश्किल समय से गुजर रहे हैं, लेकिन अपने सपने को जारी रखेंगे। कैफे को इसलिए शुरू किया गया ताकि लोग एक-दूसरे से जुड़ा महसूस करें और सामुदायिकता का भाव हो। हम इसे ऐसा ही बनाए रखना चाहते हैं। लोगों के समर्थन और प्रार्थनाओं के लिए आभार। आपके प्यार भरे संदेश और समर्थन ने हमें हिम्मत दी है। यह कैफे आपके विश्वास के कारण ही है। आइए, हिंसा के खिलाफ एकजुट हों और कप्स कैफे को प्यार का स्थान बनाएं।

कैफे ने सरे पुलिस और डेल्टा पुलिस के त्वरित एक्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। कपिल की पत्नी गिन्नी चतरथ ने इसकी बागडोर संभाल रखी है। हाल ही में कपिल ने सोशल मीडिया पर कैफे की झलकियां साझा की थीं, जिसमें कैफे का इंटीरियर काफी आकर्षक लग रहा था। कैफे का मेनू भी खास है, जिसमें स्पेशल कॉफी के साथ-साथ लेमन पिस्ता केक, फज ब्राउनी और क्रोइसैन जैसे स्वादिष्ट डेजर्ट शामिल हैं। कपिल शर्मा ने 7 जुलाई को ही 'कैप्स कैफे' का उद्घाटन किया था। हमला 10 जुलाई की आधी रात को हुआ। कैफे पर 9 राउंड की फायरिंग की गई। हमलावर ने पूरे हमले का वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

अभिनय के साथ संगीत में भी शुभांगी अत्रे की रुचि, बोलीं- मेरी आत्मा में बसा है यह

टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनकी एक्टिंग के साथ ही म्यूजिक में भी गहरी रुचि है। संगीत उनकी आत्मा में बसा है और यह प्यार उन्हें अपने माता-पिता की गायकी और मधुर संगीत के प्रेम से मिला। शुभांगी हाल ही में 'काहे सैंया' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में शुभांगी ने अपने बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया, संगीत मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मैं अपनी मां को रसोई में काम करते हुए गाते देख बड़ी हुई हूं। मेरे पिता को गजल बहुत पसंद है, इसलिए घर में हमेशा सुना करते थे। आज भी मैं दिन की शुरुआत मंत्रों से करती हूं और रात को जैज या फ्यूजन सुनती हूं। संगीत मेरी आत्मा में बसा हुआ है। संगीत में योगदान देना मेरा सपना था और मेरा नया गाना इस दिशा में एक छोटा कदम है।

शुभांगी ने बताया कि यह 'काहे सैंया' गाना उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक कदम नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी है। उन्होंने कहा, जब मैंने राग जोग पर आधारित यह गाना सुना, जिसमें करुण रस की छाप है, तो मैं भावुक हो गई। इसमें गहरी पीड़ा और भावनाओं की पुट है और इसी चीज ने मुझे इसे एक विजुअल स्टोरी के रूप में पेश करने के लिए प्रेरित किया। गाना सुनते ही मेरे दिमाग में वो सीन उभर आए। मैं दर्शकों को सिर्फ गाना नहीं, बल्कि एक कहानी के साथ खास अनुभव भी देना चाहती थी।

शुभांगी ने इस म्यूजिक वीडियो के साथ निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उन्होंने बताया कि यह कदम उठाने की प्रेरणा उन्हें उस इंडस्ट्री से मिली, जिसने उनकी जिंदगी को आकार दिया। 'कस्तूरी' फेम अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा उस इंडस्ट्री को कुछ सार्थक देना चाहती थी, जिसने मुझे इतना कुछ दिया।

अभिनय के किरदार आते-जाते रहते हैं, लेकिन मैं सोचती थी कि मैं वास्तव में क्या दे रही हूं? यह प्रोजेक्ट मेरा एक छोटा प्रयास है। शुभांगी अत्रे के म्यूजिक वीडियो 'काहे सैयां' की लॉन्चिंग 9 जुलाई को मुंबई के मलाड स्थित नोवारा में की गई।

मधुर भंडारकर की फिल्म द वाइव्स में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

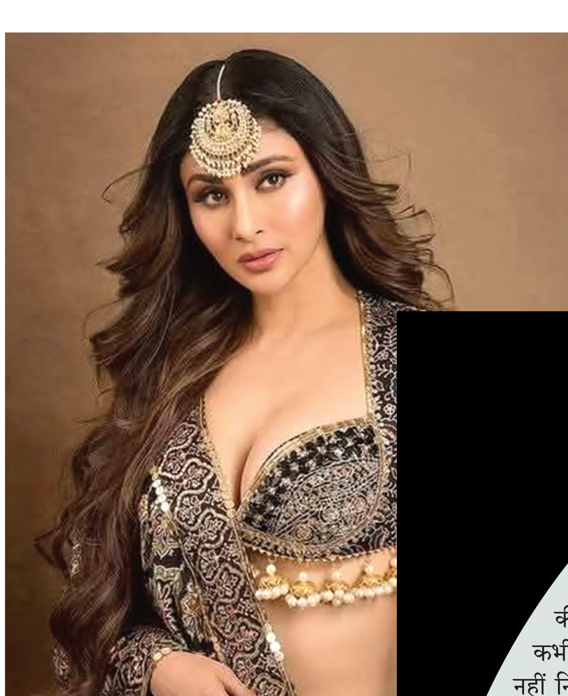

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वै
स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें
बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जि
नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौन
ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक
खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस
कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट
क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि
उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने
वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी
रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा,
अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट औ
फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे
अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने
फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्
पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का प
दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। इस
फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम क
अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर
एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म
अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को
इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल
केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया ग
चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई-प्रोप
होती हैं, तो क्या होता है।

'फैशन' में फैशन इंडस्ट्री के पीछे की सच्च
और 'हिरोइन' में शोहरत की उथल-पुथल भ
लाने के बाद, मधुर भंडारकर अब 'द वाइव्स' के

निर्माण की ऊँचाईयों को और ऊपर ले जा रहे हैं।

मौनी रॉय के लिए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ यह सहयोग उनकी पिछली व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में उनकी नाटकीय क्षमता को और अधिक विविध तरीकों से प्रदर्शित करेगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा की बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित करेगा। बिना किसी गॉडफादर की मदद के, टेलीविजन से मुख्यधारा के सिनेमा में उनके सराहनीय परिवर्तन को देखते हुए, द वाइव्स में उनका शामिल होना उनके उभरते करियर

आर. माधवन ने जब भी निभाया रोमांटिक किरदार, वो बन गया एक कल्ट क्लासिक

ऐसा बहुत कम होता है जब पर्दे पर दिखाया गया प्यार इतना सच्चा लगता है कि वो असली जज़्बातों की झलक देने लगे। और फिर आता है आर. माधवन इफ़ेक्ट - चाहे वो 'अलाईपायुथे' हो या 'आप जैसा कोई', जब वह रोमांस चुनते हैं, तो वो कहानी कुछ ख़ास बन जाती है। नज़ाकत से निभाए गए किरदार, सह-कलाकारों के साथ तालमेल और भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से जुड़ाव, यह पैन इंडिया पावरहाउस कभी निराश नहीं करते, और वह सिर्फ़ रोमांटिक हीरो की भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि वो एक वजह बनते हैं जिसकी वजह से हम प्यार पर फिर से यक़ीन करने लगते हैं।

चाहे लवरबॉय का चार्म हो या हालिया वर्षों की भावनात्मक गहराई से निभाया गया किरदार -आर. माधवन ने प्रेम के हर रूप को जिया है, कभी कोमलता से, तो कभी धैर्य से। उनके किरदार किसी तय पैटर्न पर नहीं चलते, बल्कि दिल के अलग-अलग पड़ाव दिखाते हैं। 'रहना है तेरे दिल में' में उन्होंने हमें मैडी का किरदार दिया, जो बेबाक था मगर अंदर से नाज़ुक था, एक ऐसा प्रेमी जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की कोशिश करता है और दर्शकों को अपने पक्ष में कर लिया।

अलाईपायुथे में वे कार्तिक बने, एक युवा जो प्यार में डूबा हुआ, और शादी के असली मतलब से अभिभूत। मिन्नाले में, उन्होंने एक अधूरा पर सच्चे प्रेमी की भूमिका निभाई-एक ऐसा इंसान जो सच को मोड़ता है, लेकिन अपनी भावनाओं को नहीं। और फिर तनु वेड्स मनु आई, जहाँ उन्होंने दिखाया कि प्यार मौन भी हो सकता है, सम्मानजनक और दिल तोड़ने वाला सच्चा भी हो सकता है। मनु के रूप में, वह ज़ोर-शोर से नहीं बोलते थे, लेकिन उनकी शांत निगाहें इंतज़ार, प्यार और फ्रीडम के बारे में बहुत कुछ कहती थीं। अब आप जैसा कोई में, श्रीरेणु के रूप में आर. माधवन एक ऐसे किरदार में है जो दिल से रोमांटिक हैं, लेकिन आत्मा से परिपक्व हैं।फातिमा सना शेख के साथ उनकी जोड़ी में फिर से वही तड़प, वही आकर्षण और वही गहराई झलकती है, जिसे केवल वही इतनी बारीकियों और सिद्दत के साथ चित्रित कर सकते हैं। यह सिर्फ़ एक नई फ़िल्म नहीं, बल्कि उस प्रेम कहानी की अगली कड़ी है जो कभी पूरी तरह ख़त्म ही नहीं हुई। क्योंकि जब आर. माधवन पर्दे पर होते हैं, तो यह सिर्फ़ अभिनय नहीं होता। यह एक ऐसा एहसास है जिसे आप हमेशा जीना चाहते हैं।

सावन में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष महत्व

देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने का एकमात्र उपाय है महारुद्राभिषेक। सावन के पवित्र माह में एक बार महारुद्राभिषेक जरूर कराना चाहिए। सावन का महीना सभी के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता है और सावन में भगवान शिव से मांगी गई समस्त मनोकामनाएं शीघ्रता से पूर्ण होती है। इस महीने में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष फल मिलता है। सावन के महीने में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है। सावन के महीने में भक्त सोमवार के दिन शिवालयों में रुद्राभिषेक करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि राशि के अनुसार अलग-अलग औषधि से रुद्राभिषेक कराने का विशेष महात्म होता है। साधक में शिवत्व रूप सत्यं शिवम सुन्दरम् का उदय हो जाता है उसके बाद शिव के शुभाशीर्वाद से समृद्धि, धन-धान्य, विद्या और संतान की प्राप्ति के साथ-साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

रुद्राभिषेक

रुद्राभिषेक करने से सभी देवों के अभिषेक करने का फल मिलता है। रुद्राभिषेक में सृष्टि की समस्त मनोकामनायें पूर्ण करने की शक्ति है अतः अपनी आवश्यकता अनुसार अलग-अलग पदार्थों से अभिषेक करके प्राणी इच्छित फल प्राप्त कर सकता है।

निम्न वस्तुओं से करें शिव का महारुद्राभिषेक

दूध : घर का वातावरण सुखद और पवित्र रहने के लिए

दही : पारिवारिक कलह और अचानक नुकसान से बचने के लिए

शहद : विद्या प्राप्ति के लिए

शक्कर : खुशहाली के संचार के लिए

नारियल पानी : शत्रु प्रभाव व प्रेत बाधा दूर करने के लिए

भस्म : शत्रुओं के विनाश लिए

वर्षा जल : नकारात्मक शक्तियों के नाश के लिए

गन्ने का रस : लक्ष्मी प्राप्ति के लिए

गंगा जल : ग्रहों द्वारा उत्पन्न दोष दूर करने के लिए

भांग :सुखद स्वास्थ की प्राप्ति के लिए

घी :कारोबार में अड़चनें दूर करने के लिए

महारुद्राभिषेक के शुभ फल

घर - संपत्ति की प्राप्ति होती है।

शत्रुओं का साया समाप्त होता है।

समाज में मान - सम्मान की प्राप्ति होती है।

दुखों का अंत होता है।

लक्ष्मी का वास घर में सदैव बना रहता है।

जन्म राशि के अनुसार रुद्राभिषेक

जन्म राशि के अनुसार रुद्राभिषेक से सुख समृद्धि एवं ग्रह बाधाओं की मुक्ति पा सकते हैं। शिव के रूद्र रूप के पूजन और अभिषेक करने से जाने-अनजाने होने वाले पापाचरण एवं जीवन में कष्ट, अभाव, व्यवधान, स्वास्थ्य, कॅरियर, धन आदि की बाधाओं से मुक्ति पाना चाहते हैं तो राशी के अनुसार रुद्राभिषेक करके जीवन में सभी समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

किस राशि के अनुसार रुद्राभिषेक कैसे करना चाहिए।

मेष राशि-मेष राशि वाले जातकों के लिए गाय के कच्चा दूध में से शहद मिलाकर रुद्राभिषेक करने से समस्त बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है साथ में लाल चंदन एवं लाल पुष्प चढ़ाने से सौभाग्य में एवं धन.धान्य में वृद्धि होगी।

वृष राशि - वृषभ राशि वाले जातकों के लिए दही से अथवा मधु से रुद्राभिषेक कराने से राशि के स्वामी शुक्र की कृपा साथ साथ में सुख संपत्ति की प्राप्ति होगी। आपकी राशि के अनुसार सफेद पुष्प एवं बेलपत्र चढ़ाना शिव सहस्रनाम का पाठ करना लाभप्रद होगा ।।

मिथुन राशि - मिथुन राशि का स्वामी बुध है और मिथुन राशि वाले जातकों के लिए गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कराना साथ में धतूरा भाग बेलपत्र चढ़ाना मिथुन राशि वाले जातकों के लिए लाभप्रद होगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वाले जातकों के लिए दूध में शक्कर मिलाकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना चाहिए साथ में श्वेत अर्क, मदार, सफेद पुष्प सफेद वस्त्र एवं रुद्राष्टक का पाठ करना आपके लिए लाभदायक होगा।

सिहं राशि - सिंह राशि वाले जातकों के लिए मधु अथवा गुड़ युक्त तीर्थ जल से रुद्राभिषेक कराना लाभदायक होगा। साथ में लाल पुष्प लाल चंदन भगवान को अर्पित कर सकते हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वाले जातकों के लिए गन्ने का रस से रुद्राभिषेक कराना लाभदायक होगा एवं साथ में दूर्वा भाग धतूरा बेलपत्र जीवन में धनदायक सिद्ध हो सकता है।

तुला राशि -तुला राशि वाले जातकों को लिए मधु से रुद्राभिषेक कराना साथ में श्वेत पुष्प मदार का पुष्प श्वेत वस्त्र से पूजन करने से जीवन में सुख समृद्धि एवं ग्रहों की कृपा प्राप्त हो सकती है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वाले जातकों को शहद युक्त तीर्थ जल से रुद्राभिषेक करना एवं लाल पुष्प चढ़ाना आपके लिए लाभदायक होगा।

धनु राशि - धनु राशि वाले जातकों के लिए गाय के दूध में केसर मिलाकर के एवं पीले पुष्प से पीले वस्त्र से पूजन करने पर भगवान शिव जी की कृपा के साथ साथ में ग्रहों की कृपा प्राप्त होगी।

मकर राशि - मकर राशि वाले जातकों के लिए गंगाजल से रुद्राभिषेक कराना साथ साथ में शमी पत्र बिल्वपत्र भाग धतूरा चढ़ाना आपके लिए लाभदायक होगा।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वाले जातकों के लिए दुर्वा अथवा शमी के रस से रुद्राभिषेक कराने से राशि के स्वामी भगवान शनि की कृपा एवं ग्रह बाधाओ से मुक्ति प्राप्त हो सकती है।

मीन राशि - मीन राशि वाले जातकों के लिए केसर मिश्रित तीर्थ जल से रुद्राभिषेक एवं पीले चंदन, हल्दी, पीले वस्त्र से भगवान शिव का पूजन करने से कुंडली संबंध संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सावन में सुहागिन महिलाओं को क्यों पहननी चाहिए हरी चूड़ियां

सावन का पावन महीना केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं होता, बल्कि यह स्त्रियों के सौंदर्य, स्वास्थ्य और मानसिक शांति से भी जुड़ा होता है। खासकर जब सुहागिन महिलाएं इस मास में हरे रंग की चूड़ियां पहनती हैं, तो इसके पीछे कई आध्यात्मिक, भावनात्मक और वैज्ञानिक लाभ भी छिपे होते हैं।

सावन के सोमवार को शिवजी की पूजा होती है तो सावन के मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत करके सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए प्रार्थना करती हैं। सावन में मां पार्वती को सुहाग की वस्तुएं अर्पित करने के बाद महिलाएं स्वयं भी हरी चूड़ियां पहनती है। हरा रंग सौहार्द और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। जब महिलाएं हरे रंग की सुंदर चूड़ियां अपनी कलाई पर पहनती हैं तो न सिर्फ उनके दांपत्य जीवन में खुशहाली बढ़ती हैं बल्कि बच्चे और परिवार के लोग भी आपसी सौहार्द से भर जाते हैं।

सावन में हरी चूड़ियां पहनने का महत्व और लाभ

हरियाली और प्रकृति का प्रतीक

सावन का महीना वर्षा ऋतु का समय होता है, जब चारों ओर हरियाली छा जाती है। हरा रंग प्रकृति, नवजीवन और उर्वरता का प्रतीक है। जब सुहागिन महिलाएं हरी चूड़ियां पहनती हैं, तो यह इस बात का प्रतीक होता है कि वे अपने जीवन में भी नई ऊर्जा, प्रेम और समृद्धि चाहती हैं।

सौभाग्य और पति की लंबी उम्र की कामना

हिंदू परंपरा के अनुसार, हरी चूड़ियां पहनने से स्त्री को अपने पति के लिए सौभाग्य प्राप्त होता है। यह माना जाता है कि हरी चूड़ियां पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से जुड़ी होती हैं।

देवी पार्वती को प्रिय रंग

सावन में भगवान शिव के साथ देवी पार्वती की पूजा भी विशेष रूप से की जाती है। ऐसी मान्यता है कि हरा रंग देवी पार्वती को अत्यंत प्रिय है। इसलिए स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनकर देवी को प्रसन्न करने का प्रयास करती हैं ताकि उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त हो।

शुभता और मंगल का प्रतीक

हरे रंग की चूड़ियों को मंगल, शांति और शुभता का प्रतीक माना गया है। इनका रंग मन को शांति देता है और वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। साथ ही, यह चूड़ियां स्त्री के रूप और श्रृंगार में चार चांद लगाती हैं।

मानसिक और भावनात्मक स्थिरता

आयुर्वेद और रंग चिकित्सा के अनुसार, हरा रंग तनाव कम करता है, हृदय को शांत रखता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। सावन में व्रत और पूजा के दौरान यह रंग भावनात्मक ऊर्जा को स्थिर करता है।

चूड़ियों की खनक और ऊर्जा का संचार

चूड़ियों की खनक भी शरीर में सकारात्मक कंपन उत्पन्न करती है, जो महिलाओं के मनोबल और आत्मशक्ति को बढ़ाती है। यह खनक घर के वातावरण को भी पवित्र और उल्लासपूर्ण बनाती है।

तनाव और क्रोध में कमी

रंगों की ऊर्जा पर आधारित चिकित्सा पद्धति के अनुसार, हरा रंग मन को शांत करने वाला होता है। यह तनाव, क्रोध, घबराहट जैसी मानसिक स्थितियों को संतुलित करता है, जिससे महिला मानसिक रूप से अधिक स्थिर महसूस करती है।

हृदय को संतुलन और प्रेम की ऊर्जा

हरा रंग हृदय चक्र से जुड़ा होता है। यह चक्र प्रेम, करुणा और भावनात्मक संतुलन का केंद्र होता है। हरी चूड़ियों को धारण करने से स्त्री के भीतर प्रेम और सकारात्मक भावना बढ़ती है।

शरीर में ऊर्जा का संचार

चूड़ियों की खनक ना सिर्फ सुंदर लगती है, बल्कि इसके ध्वनि-तरंगों से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह महिलाएं अधिक सक्रिय, प्रेरित और सकारात्मक महसूस करती हैं।

देवी पार्वती की कृपा प्राप्त होती है

पौराणिक मान्यता है कि सावन में हरी चूड़ियां पहनने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं और स्त्रियों को अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और पारिवारिक सुख का आशीर्वाद देती हैं।

सावन में बस इन पांच नियमों को मान लेंगे तो आपकी पूजा हो जाएगी सफल

श्रावण मास हिंदू कैलेंडर का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। यह भगवान शिव की भक्ति से भरा होता है। पूरे महीने लोग भगवान शिव की विशेष पूजा करते हैं। वे व्रत रखते हैं, मंत्रों का जाप करते हैं और साधना करते हैं। सावन के महीने में प्रकृति में हरियाली छा जाती है। यह हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करती है। लोग इस दौरान अपने मन, वचन और कर्म से भगवान शिव को खुश करने की कोशिश करते हैं।

यह समय सिर्फ धार्मिक काम करने का नहीं है। यह अपने आप पर नियंत्रण रखने, सात्विक जीवन जीने और खुद को शुद्ध करने का भी समय है। ऐसा माना जाता है कि सावन में श्रद्धा से भगवान शिव की पूजा करने से उनकी कृपा मिलती है। इससे मन शांत होता है, काम में सफलता मिलती है और जीवन में सेहत और संतुलन बना रहता है। नीचे दिए गए सावन के नियमों का पालन करके आप भगवान शिव को प्रसन्न कर सकते हैं और सावन के महीने में शिव तत्व का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सावन में क्या करें

रोज प्रातः स्नान कर शिव पूजा करें। बेलपत्र, गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी, शक्कर से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करें। ॐ नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करें।

सावन के सभी सोमवार को उपवास रखें, यह भगवान शिव को विशेष रूप से प्रिय है। सोलह सोमवार व्रत भी शुभ फल देता है।

सावन में हरी वस्तुओं का प्रयोग करें। महिलाएं हरी चूड़ियां, हरी साड़ी, हरा बिंदी आदि पहनें। हरी सब्जियां, तुलसी और बेलपत्र का सेवन करें।

सावन में सात्त्विक आहार लें। सावन में फलाहार करें। हल्दी, जीरा, सेंधा नमक जैसे शुद्ध मसालों का प्रयोग करें।

पंचाक्षरी मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। ॐ नमः शिवाय और महामृत्युंजय मंत्र का जप शिव कृपा को आकर्षित करता है।

ब्राह्मण और जरूरतमंदों को दान दें। अन्न, वस्त्र, जल, छाता, गौ-सेवा, तुलसी, धार्मिक पुस्तकें दान करें।

कांवड़ियों का स्वागत करें। शिवभक्त कांवड़ियों को जल, भोजन या सहायता देना अत्यंत पुण्यदायक होता है।

सावन में क्या न करें

मांस, अंडा, मदिरा, लहसुन-प्याज जैसी तामसिक चीजें पूरी तरह से वर्जित हैं।

क्रोध, झूठ और अपशब्दों से बचें। सावन में वाणी पर संयम अत्यंत आवश्यक है। शिव सच्चे हृदय और शांत स्वभाव को प्रिय मानते हैं।

तुलसी, केतकी, और चंपा का फल शिवजी को न चढ़ाएं। शिव पूजा में इनका प्रयोग वर्जित है। विशेष रूप से टूटा बेलपत्र भी न चढ़ाएं।

लोहे के बर्तन से शिव अभिषेक न करें। शिवलिंग पर अभिषेक हमेशा तांबे, पीतल या मिट्टी के पात्र से करें।

रात्रि में व्रत तोड़ने से बचें। व्रत का पारण सूरज ढलने से पहले करें या अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में।

बाल कटवाना और नाखून काटना टालें। धार्मिक मान्यताओं में सावन मास में बाल कटवाना वर्जित माना गया है।

विवाद और वाणी के घाव न दें। शिव शांति के देवता हैं। इस माह में किसी से कटुता, आलोचना, और मनमुटाव न बढ़ाएं।

सावन में घर में स्थापित कर रहे हैं शिवलिंग तो इन नियमों का जरूर रखें ध्यान

सावन मास भगवान शिव की कृपा पाने का सबसे शुभ समय माना जाता है। इस महीने में बहुत से भक्त श्रद्धापूर्वक घर में शिवलिंग लाकर स्थापना करते हैं, ताकि वे नियमित रूप से शिव पूजन कर सकें और ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त हो। लेकिन शिवलिंग घर में स्थापित करना एक साधारण कार्य नहीं है। सावन के महीने में यदि आप भी अपने घर पर लाकर शिवलिंग की पूजा करना चाहते हैं तो आज हम आपको बता रहे हैं कि इस काम को करने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घर पर शिवलिंग लाने से पहले जान लें ये खास बातें

शिवलिंग का आकार सीमित होना चाहिए। घर में केवल अंगुष्ठ के आकार या अधिकतम एक मुट्ठी से छोटा शिवलिंग ही लाना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार बड़े शिवलिंग की पूजा केवल मंदिरों में होनी चाहिए।

प्रतिष्ठित स्थान से ही शिवलिंग लें। शिवलिंग किसी तीर्थस्थान, मंदिर या विश्वसनीय पूजा सामग्री विक्रेता से लाएं। कहीं पड़ा हुआ, खंडित या लावारिस शिवलिंग घर लाना अशुभ फल देता है।

शिवलिंग को स्थापित करने से पहले शुद्ध करें। घर लाने के बाद गंगाजल, दूध, शहद और पंचामृत से शिवलिंग को शुद्ध करें। उसके बाद मंत्रों के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कर पूजा आरंभ करें।

एक बार स्थापना के बाद नित्य पूजन अनिवार्य माना जाता है। अगर आप शिवलिंग स्थापित करते हैं, तो रोज जल अर्पण, ॐ नमः शिवाय जप और पूजा आवश्यक है।

पूजा न कर पाने की स्थिति में केवल शिवलिंग का चित्र या रुद्राक्ष भी रखा जा सकता है।

शिवलिंग के साथ नंदी की भी स्थापना करें। शिव जी के प्रिय वाहन नंदी बैल को शिवलिंग के सामने रखें। नंदी के बिना शिव आराधना अधूरी मानी जाती है।

इस बात का ध्यान रखें कि पूजन स्थान शांत, पवित्र और उत्तर-पूर्व दिशा में हो। शिवलिंग को पूर्व या उत्तर दिशा में स्थापित करें।

शिवलिंग लाने में ये गलतियां न करें

बड़े या मंदिर तुल्य शिवलिंग को घर में न रखें।

तुलसी, केतकी या दूर्वा जैसे वर्जित पत्ते शिवलिंग पर न चढ़ाएं।

लोहे के बर्तन से शिवलिंग पर जल या दूध न चढ़ाएं। तांबे, चांदी या कांसे के पात्र ही प्रयोग करें।

शिवलिंग को कभी बिना सम्मान के हटाएं या फेंकें नहीं। यदि स्थान बदलना हो, तो विधिवत विसर्जन करें।

संपादकीय

सनातन का 'चुनावी' महाकुंभ

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और 'शरिया लाओ' की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है-'सनातन महाकुंभ।' इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत 'हिंदू राष्ट्र' बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें 'गजवा-ए-हिंद' के स्थान पर 'भगवा-ए-हिंद' देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो।'' बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही 'चारा घोटाले' का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष 'पद्मविभूषण' से अलंकृत किया है। उन्हें 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी 'पद्म' सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया-'कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते।' रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-'जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे।'' क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को 'महाकुंभ' नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो 'जंगलराज' 20 साल पहले था, कमोबेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरौती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बीते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरेआम हत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने 'जातीय गणना' का भी विरोध किया।

वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और 'शरिया लाओ' की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है-'सनातन महाकुंभ।' इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत 'हिंदू राष्ट्र' बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें 'गजवा-ए-हिंद' के स्थान पर 'भगवा-ए-हिंद' देश बनाना है।

आत्मनिर्भर भारत की नीति को वैश्विक आत्मनिर्भरता की अवधारणा से जोड़ा और कहा कि एक-दूसरे पर निर्भर होकर भी आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकते हैं

आत्मविश्वास, संतुलन और संवाद से मोदी ने ब्रिक्स को बनाया विकासशील देशों की आशा का मंच

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन और भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की स्थायी भूमिका को रेखांकित किया है। इस बैठक में जहां एक ओर भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर चीन, रूस और ब्राजील जैसे अहम सहयोगियों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने की पहल भी की। ब्रिक्स बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की बात करें तो आपको बता दें कि उनका आत्मविश्वास, संतुलन और संवाद देखने लायक था।

2025 की ब्रिक्स शिखर बैठक ने एक बार फिर यह साबित किया है कि यह समूह न केवल वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में संतुलन लाने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन और भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की स्थायी भूमिका को रेखांकित किया है। इस बैठक में जहां एक ओर भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर चीन, रूस और ब्राजील जैसे अहम सहयोगियों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने की पहल भी की। ब्रिक्स बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की बात करें तो आपको बता दें कि उनका आत्मविश्वास, संतुलन और संवाद देखने लायक था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक में तीन स्तरों पर भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया।

1. ग्लोबल साउथ का नेतृत्व– विकासशील देशों की समस्याओं और आकांक्षाओं को केंद्र में रखते हुए भारत ने 'Global South Voice' बनने की भूमिका निभाई।
2. संवाद के माध्यम से मतभेदों का समाधान– बिना टकराव के, संवाद और संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत ने चीन और रूस दोनों के साथ अपने हितों को स्पष्ट रूप से रखा।
3. सतत विकास और समावेशी वैश्वीकरण – डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, हरित ऊर्जा, और खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों पर भारत ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण साझा किया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को केवल एक आर्थिक मंच नहीं, बल्कि एक रणनीतिक, वैचारिक और नैतिक मंच बना दिया है जो पश्चिमी प्रभुत्व के विकल्प के रूप में उभर रहा है। यह स्पष्ट हो रहा है कि भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि नीति-निर्माता और संतुलनकर्ता की भूमिका निभा रहा है– वह भी आत्मविश्वास, गरिमा और स्थिरता के साथ। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल की सराहना करते हुए ब्रिक्स देशों को इस अनुभव से सीख लेने की सलाह दी और आत्मनिर्भर भारत की नीति को वैश्विक आत्मनिर्भरता की अवधारणा से जोड़ा और कहा कि एक-दूसरे पर निर्भर होकर भी आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकते हैं। देखा जाये तो ब्रिक्स शिखर बैठक 2025 ने यह सिद्ध किया कि यह मंच अब केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और व्यावहारिक महत्व का बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट, दूरदर्शी और समावेशी विचारों ने भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को उजागर किया। आने वाले वर्षों में ब्रिक्स भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माता के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनता रहेगा। इसके अलावा, ब्रिक्स समूह की

ओर से पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करना और आतंकवाद को ₹कतई बर्दाश्त न करने₹ का दृष्टिकोण अपनाना तथा इससे मुकाबला करने में दोहरे मापदंड त्यागने के भारत के रुख को दोहराना, भारतीय विदेश नीति की एक बड़ी जीत है। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिका में हुई क्वॉड की बैठक में भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गयी थी। क्वॉड सदस्य देशों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जबरदस्त विरोध करते हुए जो संयुक्त बयान जारी किया था उसका एक एक शब्द दर्शा रहा था कि भारत की बुलंद आवाज का विश्व भर में कितना असर हुआ है। उधर, ब्रिक्स बैठक 2025 के प्रमुख निष्कर्षों पर गौर करें तो आपको बता दें कि इस वर्ष की बैठक में जो बड़े निर्णय हुए उसके तहत सदस्यों देशों ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए वैकल्पिक करेंसी सिस्टम विकसित करने पर चर्चा की। साथ ही कई नए विकासशील देशों को ₹ब्रिक्स+₹ के तौर पर जोड़ने की दिशा में सहमति बनी, जिससे समूह का वैश्विक प्रभाव और व्यापक होगा। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और IMF जैसे संस्थानों में विकासशील देशों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही सतत विकास, हरित ऊर्जा और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में सहयोग को बढ़ाने का निर्णय हुआ। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ में आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और संघर्ष समाधान पर संयुक्त दृष्टिकोण अपनाने का संकल्प लिया गया। भारत की दृष्टि से ब्रिक्स के महत्व की बात करें तो आपको बता दें कि ब्रिक्स भारत को पश्चिमी दबावों से स्वतंत्र होकर अपनी विदेश नीति निर्धारित करने की स्वतंत्रता देता है। रूस और चीन जैसे पड़ोसी राष्ट्रों के साथ मंच साझा कर भारत अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करता है। इसके अलावा, भारत ब्रिक्स के माध्यम से वैश्विक दक्षिण (Global South) का नेतृत्व करता है, जिससे उसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक और आर्थिक प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) के माध्यम से भारत को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वैकल्पिक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जो IMF/World Bank जैसे पश्चिमी संस्थानों पर निर्भरता को कम करती है। इसके अलावा, भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को ब्रिक्स देशों का सहयोग मिलने से वैश्विक स्तर पर स्वीकृति और समर्थन मिलता है। ब्रिक्स सदस्यों के साथ भारत के संबंधों की बात करें तो आपको बता दें कि इस मंच पर भारत और चीन का आमना-सामना उस समय हुआ जब सीमा विवादों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव बना हुआ है। देखा जाये तो भारत-चीन संबंधों में ब्रिक्स एक रणनीतिक ₹dialogue buffer₹ की भूमिका निभा रहा है– जहां सहयोग की संभावना है, लेकिन सतर्कता भी आवश्यक है। इसके अलावा, ब्रिक्स के मंच पर भारत और रूस के संबंधों में गर्मजोशी साफ दिखी। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी को बनाए रखा है। भारत ने रूस से तेल आयात, रक्षा आपूर्ति और परमाणु ऊर्जा सहयोग को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई है। साथ ही भारत ने ब्रिक्स मंच से कोई पक्ष नहीं लिया, बल्कि रूस के साथ संबंधों को रणनीतिक संतुलन के रूप में प्रस्तुत किया। देखा जाये तो भारत-रूस संबंध ब्रिक्स के भीतर भारत की ₹नॉन-वेस्टर्न मैत्री नीति₹ का आधार स्तंभ बने हुए हैं। जहां तक ब्राजील के साथ संबंधों की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और ब्राजील, दोनों ग्लोबल साउथ के अगुवा हैं। ब्रिक्स बैठक में इन दोनों देशों की सहभागिता विशेष रूप से कृषि, जलवायु और डिजिटल समावेशन के क्षेत्र में मजबूत हुई। इसके अलावा, ब्राजील के पास जैव ईंधन की प्रचुरता है और भारत हरित ऊर्जा में अग्रणी बनना चाहता है– यह साझा लक्ष्य स्पष्ट रूप से उभर कर आया। साथ ही भारत ने ब्राजील के साथ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मज़बूत करने पर बल दिया। इसके अलावा, दोनों देशों ने वैश्विक संस्थानों में सुधार और ग्लोबल साउथ की भूमिका बढ़ाने पर सहमति जताई। देखा जाये तो भारत-ब्राजील साझेदारी ब्रिक्स को Global South Strategic Engine का स्वरूप प्रदान कर सकती है। हम आपको बता दें कि ब्रिक्स एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है क्योंकि यह विश्व की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एकसाथ लाता है, जो वैश्विक जनसंख्या का लगभग 49.5 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का लगभग 26 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता वाला ब्रिक्स एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय मंच है जो विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की आवाज़ को वैश्विक मंच पर बुलंद करता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन और ब्रिक्स बैठक से इतर उनकी द्विपक्षीय मुलाकातों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि एक निर्णायक वैश्विक भागीदार बन चुका है।

देश दुनिया से

बढ़ते खतरे में हिमाचली जन-जीवन

विकास सूचकांक में प्रगतिशील हिमाचल गत वर्षों से लगातार प्राकृतिक आपदाओं में घिरता जा रहा है। बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जहां 2018 में बादल फटने की 21 घटनाएं हुईं, तो 19 में 16, 20 में 3, 21 में 30, 22 में 39, 23 में 65 घटनाएं हुईं। 2024 में 57 घटनाएं हुईं। अभी बरसात के आरंभिक चरण में ही 14 से ज्यादा जगह बादल फटा है और 69 लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन चुके हैं। अभी असली बरसात तो शेष है। आगे क्या होगा, यह सोच कर ही दिल दहल जाता है। क्या कारण है कि प्रकृति हिमाचल पर इतनी नाराज है। किन्तु उत्तराखंड का हाल भी अच्छा नहीं है। इसका अर्थ हुआ कि हिमालय में सब जगह ही प्रकृति क्रुद्ध हो चुकी है। बादल फटने की घटना का अर्थ है एक छोटे 20-30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बादलों का सघन होकर एक घंटे में 10 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो जाना। मंडी में दुर्घटना वाले दिन 21 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इससे भीषण बाढ़ और भूस्खलन की स्थितियां बन गईं। जाहिर है कि ये घटनाएं वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण हो रही हैं। चिंता की बात यह है कि हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि हुई है। इसी कारण लगातार हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। उस पर तुर्रा यह कि हिमाचल में ढांचागत विकास और बड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वन भूमियों का भूमि उपयोग बदला गया है। वन संपदा घटी है और तोडफ़ोड़ बढ़ी है। इसके चलते हिमालय की नाजुक धरती भारी बारिश का दबाव न झेल सकने के कारण भूस्खलन का शिकार हो रही है और अभूतपूर्व तबाही का कारण बन रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा वायु प्रदूषण कर्ता बन गया है, जिससे हरित प्रभाव के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। किन्तु हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि पर्यटन के कारण और अन्य कारणों से भी बढ़ती परिवहन की भीड़ के कारण गाडियों से भी

भारी प्रदूषण हो रहा है। पहाड़ों की संकरी घाटियों में प्रदूषित वायु अटक जाती है। शायद यह भी तापमान बढने का कारक हो सकता है। हिमाचल के बांधों की झीलों में बाधों से बह कर आने वाला मलबा अपने साथ जैविक पदार्थ भी लाता है, जो झीलों के तले में बैठ जाता है। यह जैविक पदार्थ जब बिना ऑक्सीजन के सड़ता है तो मीथेन गैस पैदा करता है। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड की तुलना में 28 से 64 गुणा ज्यादा ग्रीन हॉउस प्रभाव पैदा करती है। यह भी औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि का कारण हो सकता है। इस मुद्दे को सघन वैज्ञानिक शोध की जरूरत है। अमेरिकी लेखक पीटर ब्रेविट की पुस्तक 'सेम रिवर ट्विस' में लेखक ने बांध की झीलों से जैविक पदार्थों के आक्सीजन रहित अपघटन से मीथेन गैस पैदा होने की बात की पुष्टि की है, जिसके चलते ही अमेरिका में वर्जिनिया की रेपानहौक नदी पर अम्ब्रे बांध को हटाया गया जिससे मीथेन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई। नासा के मैथ्यू जॉनसन की 2021 की शोध के अनुसार विश्व में 3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बांधों की झीलों के नीचे है, जिसमें 10.1 टेराग्राम (10 अरब 10 लाख किलो) मीथेन हर वर्ष पैदा होती है। हालांकि पुराने अनुमान के अनुसार यह मात्रा 70 टेराग्राम है। फोरलेन सडक़ों के कारण होने वाली तोडफ़ोड़ और बढ़ती सडक़ कनेक्टिविटी के कारण होने वाले निर्माण कार्यों में पर्वत विशिष्ट तकनीक का अभाव है। खासकर ठेकेदारी प्रथा के चलते डंपिंग कार्य में भारी कोताही बरती जा रही है। बांध प्रबंधन में भी लापरवाही देखने में आई है। कहीं बाढ़ के समय बांध के गेट ही नहीं खुलते हैं और कहीं बाढ़ नियंत्रण के लिए बांध में समय रहते, बाढ़ के पानी को रोकने योग्य जगह ही समय पर पानी छोड़ कर खाली नहीं की जाती, जिससे बाढ़ का पानी रोका नहीं जा सकता और तत्काल अचानक छोडऩा पड़ता है, जिससे सामान्य से भी ज्यादा बाढ़ आ जाती है। इन सब लापरवाहियों के चलते हिमाचल में जीवन खतरे में घिरता जा रहा है, जिसका प्रभाव पर्यटन पर भी बुरा पड़ेगा। पर्यटन विकास के लिए ठंडा मौसम, सुंदर पर्वतीय वृक्ष और वनस्पतियों से भरी ढलाने, और पर्याप्त बर्फ जरूरी तत्व हैं। बाकी आवास आदि सुविधाएं तो बाद में आती हैं। पर्यटन का बुनियादी आकर्षण ही समाप्त हो जाएगा तो पंच सितारा सुविधाएं भी पर्यटन को बचा नहीं पाएंगी। इसलिए कुछ तथ्यपूर्ण मान्यताएं हैं जिनको मान कर ही पर्वत विशिष्ट विकास योजनाएं बनाई जा सकती हैं जो प्रकृति मित्र और टिकाऊ विकास लाने वाली होंगी: 1. हिमालय पूरे देश के लिए सदानीरा नदियां देने वाला और जलवायु निर्धारित करने वाला क्षेत्र है। 2. हिमालय नाजुक, अगम्य और हाशिए पर है। 3. इसके वनों और हिमनदों की रक्षा करना देश हित का कार्य है। 4. हिमाचल में पर्यटन जैसे पर्यावरण मित्र विकास को टिकाऊ बनाने के लिए सारे विकास मॉडल को पर्यावरण मित्र बनाना पड़ेगा। 5. तोडफ़ोड़ वाले विकास के विकल्प तलाश करने होंगे। 6. वाहन प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना होगा। सात, इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन वाहन और रज्जू मार्गों को मुख्यधारा परिवहन व्यवस्था का भाग बनाना होगा। 8. निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में समझौता न हो और वृहद निर्माण कार्यों से बचना होगा। 9. बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं उपयुक्त नहीं हैं। उनके विकल्प ढूंढने होंगे। झीलों से मीथेन पैदा होती है। 10. हिमालय में स्माल इज ब्यूटीफुल के सिद्धांत पर विकास करना होगा।

आप का नजरिया

प्रयोगों ने मार दिया 'गुरु'

हमारी शिक्षा व्यवस्था एक बच्चे के बाल्यकाल से जवानी के कम से कम ढाई दशक ले लेती है। व्यक्तित्व मूल्यांकन की कसौटी पर चढ़ते हैं अभिभावक, जबकि बच्चों के जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाते हैं। प्रांगण बढ़ते गए, लेकिन बच्चों के जिंदगी के 25 साल जाया होने लगे। जिंदगी की कल्पना, भविष्य की ऊर्जा और सपनों की चहलकदमी शिक्षण संस्थानों में होनी चाहिए, लेकिन वहां महज परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का सोच और शिक्षा का इतिहास बदल दिया। प्रयोग इतने कि शिक्षक व्यवस्था का कर्मचारी और विभिन्न नीतियों का बंधुआ हो गया। शिक्षा और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण से इतर अगर शिक्षक को अपनी कलम घिसनी पड़े, तो यह श्रम साधना नहीं, बल्कि शिक्षा को आगे धकेलना है। बेशक कारण बताओ नोटिस की फांस शिक्षक को जवाबदेह बना सकती है, लेकिन सरकारी स्कूलों की मिट्टी में अब बचा क्या है। सर्वेक्षण करवा कर देखें कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावक सिर्फ इसलिए उन्हें वहां भेज रहे हैं ताकि फिर वे अपने बच्चों के प्रति बेपरवाह-लापरवाह होकर निश्चिंत रहें। जाहिर है सरकारी स्कूलों में अगर उत्साहपूर्वक माहौल नहीं रहा, तो नीतियों और कार्यक्रमों की लंबी फाइलें भी दोषी हैं। आश्चर्य यह है कि स्कूली बच्चों के व्यक्तित्व, भविष्य और ज्ञान के निर्माण में हो क्या रहा है। हमने स्कूलों में शिक्षा का परिवेश स्थापित नहीं किया। विभाग वार्षिक अवकाशों की गुगली फेंकता है, तो स्थानांतरण के नाम पर सियासत के करिश्मे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाए। हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक का अधिकतम योगदान कलम-दबात और क्लास रूम के घंटों में निरुपित होना चाहिए। इसके लिए शिक्षा की मान्यताएं व स्कूलों के वार्षिक समारोह के मुख्यातिथि भी बदलने होंगे। इलाके के पूर्व सैन्य अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, चर्चित वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, शिक्षाविदों, खिलाडियों, स्वयं सहायता समूहों के संचालकों, सफल उद्योगपतियों, व्यापारियों और समाजसेवी इत्यादि को ऐसे समारोह में बुलाया जाना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं को राजनीति से दूर करने के लिए क्या इनके साथ चस्पां नेताओं के नाम हटाए जाएंगे। बहरहाल, बात उन बदलावों की करें तो हिमाचल सरकार ने शिक्षण संस्थानों की उपयोगिता के कुछ भौतिक मानदंड बनाए हैं और इसीलिए 546 स्कूलों को मर्ज या बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। 78 स्कूल जो पहले ब्वायज या गल्ज के नाम थे अब संयुक्त परिपाटी में घट कर कम हो जाएंगे। ऐसे या शहरी स्कूलों के कुछ परिसर डे बोर्डिंग में परिवर्तित करके वहां सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत संचालन की घोषणा अपने आप में साहसिक व निपुण फैसला है। इसी तर्ज पर प्रदेश सरकार 75 से कम संख्या के सरकारी कालेजों को बंद करने के तर्क पर काम कर रही है। अगर बीस-पच्चीस कालेज बंद भी होते हैं, तो इससे शिक्षा की गुणवत्ता व व्यावहारिकता में ही असर होगा। मंत्री महोदय को हिमाचल के सरकारी विश्वविद्यालयों पर भी विवेचन करना चाहिए। मंडी व हमीरपुर के तकनीकी विश्वविद्यालयों के आंचल में ऐसा क्या नया है कि हमारा अध्ययन शोध और नवाचार की नई सीढियां चढ़ गया। हिमाचल के उपभोक्ता से पूछें या बंजर खेत की किसानी से पूछें कि कृषि विश्वविद्यालय का असली योगदान है कहां। बागबानी विश्वविद्यालय की पौध से पूछें या किसी निजी नर्सरी में बिकते फलदार पौधों की गुणवत्ता से तौल कर सरकारी संस्थान को नकार दें। आखिर कितने एमबीए, एमसीए और दूसरे पाठ्यक्रम चलाकर आप हिमाचल के बच्चों को स्वरोजगार से जोड़ेंगे। खुलासा स्कूली शिक्षक का आसानी से हो जाता है, लेकिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और मेडिकल कालेज की फैकल्टी से कौन पूछेगा कि उनकी पढ़ाई का स्तर क्यों श्रेष्ठता में दर्ज नहीं हो रहा।

व्यक्तित्व मूल्यांकन की कसौटी पर चढ़ते हैं अभिभावक, जबकि बच्चों के जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाते हैं। प्रांगण बढ़ते गए, लेकिन बच्चों के जिंदगी के 25 साल जाया होने लगे। जिंदगी की कल्पना, भविष्य की ऊर्जा और सपनों की चहलकदमी शिक्षण संस्थानों में होनी चाहिए, लेकिन वहां महज परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का सोच और शिक्षा का इतिहास बदल दिया। प्रयोग इतने कि शिक्षक व्यवस्था का कर्मचारी और विभिन्न नीतियों का बंधुआ हो गया।

कुछ अलग

मां समान ही प्यार देना होगा

नेताओं अधिकारियों ने पौधरोपण करते हुए तस्वीरें खिंचवाईं, हरियाली बढ़ने के कागज़ी दावे पेश कर पेड़ बचाने का संदेश दिया और इसके साथ ही पर्यावरण दिवस मनाने की औपचारिकताएं पूरी हो गईं। अब साल भर पेड़ों पर आरी चलती रहे, हरियाली खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े करते रहें किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट का कभी डंडा पड़ा तो थोड़ी बहुत कार्रवाई करते हुए दिखाने की औपचारिकता निभा दी जाएगी। अभी कुछ दिन पहले ही हमने ग्रेटर नोएडा का हाल बताया था, जहां सेक्टर और सड़क बनाने की राह में कई पुराने पेड़ आ रहे थे। बिना इजाज़त इन्हें काट तो सकते नहीं तो बीच का रास्ता निकाला गया। इन पेड़ों की जड़ों को इतना खोखला कर दिया गया कि कुछ दिनों में ये अपने आप ही सूख जाएं या ज़रा सी आंधी में टूट कर गिर जाएं। कुछ जगहों पर तो पेड़ों के चारों तरफ 5 से 10 फुट की मिट्टी खोद दी गई, जिससे ये टीलेनुमा ढेर पर खड़े होकर बस अपने आखिरी दिन गिन रहे हैं। ज़िम्मेदारों से सवाल किया तो वही रटारटाया जवाब मिला कि ऐसा है तो कार्रवाई करेंगे। यही हाल हरियाणा में अरावली की पहाड़ियों का है, जहां सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद धड़ल्ले से अवैध खनन जारी है। नूंह इलाके में तो खनन माफियाओं ने पूरी पहाड़ी ही खोद डाली और लाखों टन पत्थर निकालकर राजस्थान ले गए।

दृष्टि कोण

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस

अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्रायः विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते। दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आप- को खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार-मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 जुलाई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 01:48 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रात: 06:37 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 07:31 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:02 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 ,सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अशून्य शयन व्रत आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा सरकार विकास परियोजनाओं में

उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : सैनी

चंडीगढ़, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में अब प्रोफेशन्लस युवा विभिन्न विकास परियोजनाओं की गुण- वत्ता मानकों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इंजीनियरिंग कार्यों की गुणवत्ता और तय समयावधि में उनके पूरा होने तक निगरानी सुनिश्चित करने के लिए योग्य युवाओं की चीफ मिनिस्टर इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट क्वालिटी मॉनिटर्स के रूप में सेवाएं ली जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और गुणवत्ता में कोई भी समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा ऊर्जा और उत्साह के साथ सरकार को इस लक्ष्य को हासिल करने में सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग उत्तीर्ण उम्मीदवारों को नियुक्त किया जा सकता है और इनके चयन के लिए एक पारदर्शी प्रणाली तैयार करने के निर्देश दिए। हरियाणा सरकार ने अप्रैल 2023 में गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण की स्थापना की, जिसे इंजीनियरिंग कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु अनेक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें गुणवत्ता प्रोटोकॉल को व्यवस्थित करना और लागू करना, तकनीकी गुणवत्ता ऑडिट, मानक संचालन विधियां और प्रक्रियाएं विकसित करना, गुणवत्ता पर्यवेक्षकों, थर्ड पार्टी निगरानी एजेंसियों और डिज़ाइन एवं डीपीआर सलाहकारों का पैनल तैयार करना, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं की सुविधाओं को मजबूत करना, नवीनतम तकनीकों और डिजिटल टूल्स को अपनाना, पर्यावरण-अनुकूल निर्माण विधियों को प्रोत्साहित करना, और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण को 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के चल रहे प्रमुख विकास कार्यों का गुणवत्ता ऑडिट करने के निर्देश दिए, ताकि उच्च गुणवत्ता के साथ-साथ तय समय में परियोजन- ाओं का पूरा होना सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्राधिकरण को अपनी जिम्मेदारियों के सुचारू निष्पादन के लिए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएँगे।

नायब सिंह सैनी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विकास कार्यों या परियोजनाओं के पूरा होने में देरी के मामलों में, जवाबदेही केवल ठेकेदार तक ही सीमित नहीं होगी। परियोजना की देखरेख करने वाले संबंधित सरकारी अधिकारी भी ज़िम्मेदार होंगे और यह जवाबदेही उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में विधिवत रूप से दर्शाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने इंजीनियरिंग कार्यों के निष्पादन में शामिल कर्मचारियों के क्षमता निर्माण के महत्व पर ज़ोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी इंजीनियरिंग विभागों के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) या अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जाएँ। ये कार्यशालाएं उन्हें इंजीनियरिंग क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों से अवगत रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेंगी।

मुख्यमंत्री ने सभी इंजीनियरिंग कार्यों के लिए गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण द्वारा विकसित की गई विस्तृत मानक संचालन विधियों और प्रक्रियाओं, विशेष रूप से अंक प्रणाली (मार्किंग सिस्टम) की सराहना की। उन्होंने प्राधिकरण को तुरंत तकनीकी ऑडिट करने और इंजीनियरिंग परियोजनाओं को अंक प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ठेकेदारों को किए जाने वाले सभी भुगतानों को अंक प्रणाली से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा, किसी भी कमी या घटिया बुनियादी ढांचे की स्थिति में न केवल ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए, बल्कि संबंधित सरकारी अधिकारी को भी ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा। गुण- वत्ता आश्वासन प्राधिकरण को निर्देश दिए गए कि वह परियोजना के निरीक्षण से लेकर परियोजना के पूरा होने तक सरकार द्वारा प्रस्तावित चीफ मिनिस्टर इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट क्वालिटी मॉनिटर्स का चयन करके तकनीकी ऑडिट शुरू करे।

गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्राधिकरण ने राज्यभर में विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु कई गतिविधियां संचालित की हैं। सड़कों, भवनों, जल आपूर्ति, सिंचाई, सीवरेज, विद्युत प्रसारण और वितरण जैसे सात प्रमुख क्षेत्रों के लिए तकनीकी गुणवत्ता मानदंड विकसित किए गए हैं। इसके साथ ही, डीपीआर एवं डिज़ाइन कंसलटेंट, थर्ड-पार्टी निरीक्षण एजेंसियां और गुणवत्ता पर्यवेक्षक भी पैनल में शामिल किए गए हैं।

घोटाले पर घोटाला करने वाली भाजपा सरकार ने किया कुर्सी घोटाला : हुड्डा

चंडीगढ़, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भाजपा ने फिर से ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने कुर्सी खरीद में भी घोटाला कर दिया। करनाल में स्टील कुर्सी घोटाला सामने आया तो श्रम विभाग में वर्क स्लिप घोटाला उजागर हुआ है। सरकार के कैबिनेट मंत्री विभिन्न मंत्रालयों, विभागों में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर जांच कराने कह रहे हैं। लेकिन, बीजेपी सरकार न तो जांच कराने को तैयार है न भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई को तैयार है। 11 साल में बीजेपी सरकार ने हरियाणा में भ्रष्टाचार का नया रिकार्ड बना दिया। हैरानी की बात ये है कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होना तो दूर जांच के नाम पर लीपा-पोती कर भ्रष्टाचारियों को बचाया गया है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि हरियाणा में हुए सभी घोटालों की सीबीआई जांच कराई जाए क्योंकि घोटालेबाजों से बीजेपी सरकार में ऊपर बैठे लोगों की मिलीभगत है, ऐसे में किसी निष्पक्ष केन्द्रीय एजेंसी से जांच कराने से ही दूध का दूध, पानी का पानी होगा।

उन्होंने कहा कि हाल ही में श्रम विभाग में करोड़ों रुपये का वर्क स्लिप घोटाला उजागर हुआ है। तीन महीने की जांच में हिसार, कैथल, जींद, सिरसा, फरीदाबाद और भिवानी की 3 महीने (01 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025) के दौरान वेरिफिकेशन की गई वर्क स्लिपों में काफी अनियमितता पाई गई।

श्रमिकों की 90 दिनों की वर्क स्लिप का जो वेरिफिकेशन किया गया, उसमें अगस्त 2023 से मार्च 2025 के बीच 11,96,759 श्रमिकों की वर्क स्लिप का वेरिफिकेशन किया गया। एक दिन में एक कर्मचारी द्वारा औसत 2646 वर्क स्लिप वेरिफिकेशन सामने आने पर घोटाला उजागर हुआ। खुद कैबिनेट मंत्री भी ज्यादातर वर्क स्लिप वेरिफिकेशन फर्जी होने की बात कह रहे हैं। जिससे विभाग को कई सौ करोड़ रुपये की चपत लगी है।

अनिल विज का भगवंत मान पर हमला

पंजाब सीएम को मनोचिकित्सक से जांच करवानी चाहिए

चंडीगढ़, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर तीखा हमला बोला। विज ने भगवंत मान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्हें मनोचिकित्सक से सलाह लेने की सलाह दी। वहीं, सुरजेवाला पर तंज कसते हुए उन्हें 'सुबह रोने वाले छोटे बच्चे' जैसा बताया। विज ने मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान साहब को मनोचिकित्सक से अपनी जांच करवानी चाहिए, क्योंकि वे प्रधानमंत्री के बारे में इस प्रकार की बातें कर रहे हैं, जो ठीक नहीं है। यह टिप्पणी भगवंत मान के उस बयान के संदर्भ में आई है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष किया था। मान ने कहा था कि प्रधानमंत्री 140 करोड़ की आबादी वाले देश को छोड़कर 10 हजार की आबादी वाले घाना जैसे देश में गए और वहां उन्हें सर्वोच्च पुरस्कार भी मिला।

इस पर पलटवार करते हुए विज ने भगवंत मान से सवाल किया, क्या अफ्रीका, घाना, और त्रिनीदाद जैसे देश, जिनकी यात्रा पर प्रधानमंत्री गए थे, वे देश नहीं हैं? क्या वहां के लोगों के साथ संबंध नहीं बनाने चाहिए? विज ने कहा कि हमें सभी देशों के साथ संबंध बनाने चाहिए, लेकिन मान साहब द्वारा इस प्रकार की टिप्पणी करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर देश में जाना और वहां का सर्वोच्च पुरस्कार मिलना देश के लिए गर्व की बात है।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा गुरुग्राम में जलभराव को लेकर किए गए ट्वीट पर, जिसमें उन्होंने इसे बीजेपी की ट्रिपल इंजन सरकार का तोहफा बताया था, विज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। विज ने कहा कि गुरुग्राम जब बसा था, तब कांग्रेस की ही सरकार थी।

उन्होंने जोर दिया कि नाले-नालियां और निकासी का काम शहर बसते समय ही किया जाता है। विज ने दावा किया कि हमारी सरकार पिछले 10 साल से गुरुग्राम में पानी निकासी के लिए काम कर रही है। उन्होंने सुरज- वाला पर तंज कसते हुए कहा, जिस प्रकार छोटे बच्चे सुबह उठकर दूध के लिए रोने लग जाते हैं, उसी प्रकार रणदीप सिंह सुरजेवाला भी सुबह उठकर रोने लग जाते हैं। विज के इन बयानों ने हरियाणा और पंजाब की राजनीति में नई गर्माहट ला दी है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन के साथ दिया गया गुरु मंत्र

जयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव में गुरु पूजन के साथ गुरू मंत्र दिया गया। शिष्यों ने ऑनलाइन पूजन वंदन भी किया। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान की अध्यक्षा रंजीता व्यास ने बताया कि पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर में सर्वप्रथम पाल बालाजी महाराज का पूजन अर्चन किया गया। उसके पश्चात भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डा. अनीष व्यास का शिष्यों ने गुरु पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिष्यों को गुरु मंत्र के साथ बुजुर्गों की सेवा, पर्यावरण की रक्षा, महिलाओं का आदर - सम्मान के साथ पशु पक्षियों की सेवा करने की शिक्षा दी गई। भक्तों ने संगीतमय सुंदरकांड किया।

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि सूर्य पंचदेवों में से एक हैं और हनुमान जी के गुरु भी हैं। बाल हनुमान जब थोड़े बड़े हुए तो माता अंजनी और पिता केसरी ने उन्हें सूर्य देव के पास ज्ञान हासिल करने के लिए भेजा। माता-पिता की बात मानकर हनुमान जी ने सूर्य देव के पास पहुंचे और उनसे गुरु बनने के लिए प्रार्थना की। हनुमान जी की बात सुनकर सूर्य देव ने कहा कि मैं तो एक पल के लिए कहीं रूक नहीं हूं, न ही मैं रथ से उतर सकता हूं तो ऐसी स्थिति में मैं तुम्हें ज्ञान नहीं दे पाऊंगा। तब हनुमान जी ने कहा कि आप अपनी गति कम किए बिना ही मुझे ज्ञान दीजिए। मैं आपके साथ चलते-चलते विद्या हासिल कर लूंगा। इस बात के लिए सूर्य देव मान गए। इसके बाद सूर्य देव ने हनुमान जी को सभी वेदों और शास्त्रों का ज्ञान हनुमान जी को दिया। इस प्रकार सूर्यदेव की कृपा से ही हनुमान जी को ज्ञान मिला। हनुमान जी संदेश दिया है कि योग्य गुरु से ज्ञान हासिल के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान की अध्यक्षा रंजीता व्यास ने बताया कि गुरु महोत्सव कार्यक्रम में गुरु महोत्सव कार्यक्रम में हरीश शर्मा, अनीश जैन, माधुरी जैन, सुनीता गुप्ता, राजू गुप्ता, कमलेश चंदानी, विशाल गोयल, अजय शर्मा, जितेंद्र सिंह, ममता शर्मा, राखी गुप्ता, सोनाली सिंह, वैशाली शर्मा, करण सिंह, यश व्यास, श्रेयांश व्यास, दीपिका महेश्वरी, संजय शर्मा, बजरंग सिंह जाट, लक्ष्मण गोयल सहित अन्य भक्तों ने संगीतमय सुंदरकांड किया।

जनता को पेपरलीक से बने थानेदारों के भरोसे नहीं छोड़ सकते : हाईकोर्ट

जयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 में शुक्रवार को भी हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस समीर जैन ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थान की जनता को पेपरलीक से बने थानेदारों के भरोसे नहीं छोड़ सकते।

अदालत ने कहा कि एक ओर तो सरकार का कहना है कि अभी भर्ती को रद्द करने का फैसला अपरिपक्व होगा। जबकि दूसरी ओर पेपरलीक में आरप- ीएससी सदस्यों और कोचिंग माफिया की मिलीभगत भी मान रही हैं। अदालत ने कहा कि जरूरत हुई तो हम एक बार फिर एसआईटी के मुखिया वीके सिंह या डीजीपी को बुलाकर इस मामले में स्पष्टीकरण ले सकते हैं।

शुक्रवार को बहस की शुरुआत करते हुए चयनित अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट एके शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने तथ्यों को छिपाते हुए याचिका लगाई हैं। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाना चाहिए। याचिका में सरकार के वर्तमान फैसले को भी चुनौती नहीं दी गई हैं। इस पर अदालत ने कहा कि कोर्ट किसी मापदंड में नहीं बंधी हैं और अदालत याचिका से परे जाकर भी फैसला ले सकती है। अदालत ने कहा कि आज सरकार कह रही है कि भर्ती में 50 अभ्यर्थियों को निकाला गया हैं।लेकिन ,यदि आगे की जांच में 200 और अभ्यर्थियों की मिलीभगत पाई गई तो फिर सरकार क्या करेगी? इस पर चयनित अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि उस समय उस परिस्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

राजस्थान पर्यटन विभाग शुरू करेगा राज्य पर्यटन पुरस्कार : दिया कुमारी

जयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर से राज्य पर्यटन पुरस्कार शुरू किए जाएंगे। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में टूरिज्म पॉलिसी, टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, फिल्म पॉलिसी की तरह रेस्पॉन्सीबल टूरिज्म पॉलिसी बनाने की सम्भावना पर काम किया जाएगा।उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर के एक होटल में आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान 2025 के तीसरे संस्करण के आयोजन के अवसर पर अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। पानी, बिजली और वृक्षों को बचाने के लिए अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की पहचान पर्यटन से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम इस ज़िम्मेदारी पर गर्व से सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में, राजस्थान ने 23 करोड़

से ज़्यादा घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के हिसाब से भारत में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार पर्यटन एक सशक्त विचार का जश्न मनाता है, समावेशिता और हमारे लोगों व हमारे पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित पर्यटन आज के समय की आवश्यकता है।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में हर किले का जीर्णोद्धार, हर सड़क का निर्माण और हर सांस्कृतिक स्थल का प्रचार-प्रसार करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में 5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष की व्यवस्था की है।महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके अनुरूप, हम पर्यटन में महिलाओं की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें होमस्टे का प्रबंधन भी शामिल है। तीज महोत्सव को लेकर भी बड़ी घोषणा,लहरिया पहनने पर उपमुख्यमंत्री का संदेश, कहा -सावन और लहरिया हमारी संस्कृति की पहचान हैं।

हैदराबाद में हुआ यूपीआईटीएस 2025 का भव्य रोड शो

▪ 150 से अधिक उद्योगपतियों व व्यापारिक संगठनों ने हिस्सा लिया

▪ टीम योगी ने यूपी में बढ़ती व्यापारिक संभावनाओं का किया उल्लेख

हैदराबाद, 11 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 को लेकर योगी सरकार द्वारा आयोजित रोड शो सीरीज के तहत शुक्रवार को हैदराबाद के एफटीसीसीआई में दूसरा रोड शो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्य-ोगपतियों, निर्यातकों, व्यापार सलाहकारों और व्यापारिक संगठनों ने भाग लिया। यह रोड शो सितंबर में प्रस्तावित यूप-ीआईटीएस 2025 के लिए देशभर में जागरूकता और सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, हैंडलूम, टेक्सटाइल एवं रेशम मंत्री राकेश सचान ने कहा, योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है, बल्कि अब वैश्विक व्यापार का केंद्र भी बनता जा रहा है। यूपीआईटीएस सिर्फ एक व्यापार मेला नहीं, यह हमारे कारीगरों, एमएसएमई और स्थानीय उद्यमियों की वैश्विक पहचान का मंच है।

उत्तर प्रदेश सरकार के अपर आयुक्त (उद्योग) राजकमल यादव (आईएएस) ने कहा कि यूप-ीआईटीएस भारत का पहला राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो है। बीते वर्ष इसमें 500 से 600 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ और टाइटन जैसी कंपनी ने एक स्थानीय कारीगर से ऑर्डर भी लिया। इससे छोटे निर्माताओं को वैश्विक अवसर मिल रहे हैं।उन्होंने कहा कि यूपी और तेलंगाना दोनों इंडस्ट्रियल पावरहाउस हैं और अगर ये साथ आएं तो आईटी, टेक्सटाइल, फार्मा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में चमत्कारी परिणाम सामने आ सकते हैं।

एफटीसीसीआई के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने उत्तर प्रदेश की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के सभी राज्यों को राष्ट्रीय सहयोग और घरेलू निर्यात के लिए प्रेरित करेगा।

आईईएमएल के सीईओ सुदीप सरकार ने बताया कि यूपीआईटीएस 2025 में इस बार 2000 करोड़ का व्यापार अनुमानित है। इसके साथ ही, 2400 से अधिक प्रदर्शक, 1.25 लाख बी2बी और 4.5 लाख इ2उ विज़िटर के अतिरिक्त 35,000 बी2बी मीटिंग्स की संभावना है। इसमें 70 से अधिक देशों से 550 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के आने की उम्मीद है।

इस आयोजन में बी2बी जोन, बायर-सेलर मीटिंग्स, ओडीओपी डिस्प्ले, और क्लस्टर एक्सपोर्ट मॉडल जैसी सुविधाएं प्रदर्शित की गईं। यूपीआईटीएस 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आगामी रोड शो बेंगलुरु, मुंबई और अहमदाबाद में आयोजित होंगे।

धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर बाबा पर बड़ा खुलासा

नेपाल के रास्ते मुस्लिम देशों से मंगाता था पैसे

500 करोड़ की हुई है विदेशी फंडिंग

बलरामपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर बड़ा खुल-ासा हुआ है। हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के नाम पर इस्लामिक देशों से हुई फंडिंग 500 करोड़ तक पहुंच गई है। हुंडी और हवाला के जरिए नेपाल के रास्ते विदेशी धन छांगुर बाबा तक पहुंचता था। छांगुर के स्थानीय स्तर पर अब तक छह बैंक खाते मिले हैं। एसबीआई के खाते में छह लाख रुपए विदेश से जमा हुए हैं। इसके अतिरिक्त उसके सऊदी अरब के शारजाह, यूएई, दुबई के मशरेक शहर में खोले गए बैंक खातों का रिकॉर्ड जांच एजेंसियां पता कर रही हैं।

धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब जांच में सामने आया है कि हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने और देश विरोधी गतिविधियों के लिए छांगुर की टीम ने सर्वाधिक खर्च अयोध्या जिले में किया है। 2023 में बिहार में पकड़े गए एक एजेंट ने भी इसका इनपुट दिया था, लेकिन जिम्मेदारों ने तब गंभीरता नहीं दिखाई थी। हिंदू युवतियों के धर्म परिवर्तन, लव जेहाद और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को बीते तीन वर्षों में करीब 500 करोड़ रुपए की विदेशी फंडिंग हुई है। इसमें से अभी बस 200 करोड़ की ही पुष्टि हो सकी है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार शेष 300 करोड़ रुपए का लेनदेन नेपाल के माध्यम से हुआ है।

फंडिंग के लिए काठमांडू सहित नेपाल के सीमावर्ती जिलों नवलपरासी, रुपनद-ेही व बांके में 100 बैंक खाते खुलवाए गए। उन्हीं में धर्म परिवर्तन कराने के लिए पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब व तुर्किए से पैसे भेजे गए। एजेंट चार से पांच प्रतिशत कमीशन पर नेपाल के बैंक खातों से पैसे निकालकर सीधे छांगुर तक पहुंचा देते थे। इसमें कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) की भी मदद ली जाती थी। रायबरेली में पकड़े गए साइबर अपराधियों को भी इसी कड़ी का एक हिस्सा बताया जा रहा है, जिनके तार पाकिस्तान और दुबई से भी जुड़े हैं। इस गिरोह ने करीब 700 करोड़ रुपए का लेनदेन किया है। इन्होंने अयोध्या के साथ ही लखनऊ, बलरामपुर व गोंडा में भी करोड़ों रुपए भेजे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार छांगुर के नेटवर्क से जुड़े लोग पहले विदेश से नेपाल के अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करते थे। वहां से नेपाली करेंसी में रकम निकालकर भारत पहुंचाते थे। बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी और महराजगंज में बैठे मनी एक्सचेंजर से भारतीय मुद्रा में बदलवाते थे। इसके साथ ही छांगुर को बड़ी मात्रा में फंडिंग हुंडी के माध्यम से भी हुई है, जिसका विवरण न एटीएस के पास है और न ही दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के पास। नेपाल से रकम लाने में बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सुपौल निवासी एजेंट भी छांगुर की टीम की मदद करते थे।

मुसलमान बनने के बाद जमालुद्दीन नाम रखने वाले नवीन रोहरा के कुल छह बैंक खाते हैं। इनमें 34.22 करोड़ रुपए जमा हुए, जिन्हें एटीएस संदिग्ध मान रही है। नीतू से नसरीन बनी छांगुर की सबसे विश्वासपात्र है। उसके आठ बैंक खाते हैं, जिनमें 24 फरवरी से 28 जून 2021 तक कुल 13.90 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। छांगुर के स्थानीय स्तर पर अब तक छह बैंक खाते मिले हैं। एसबीआई के खाते में छह लाख रुपए विदेश से जमा हुए हैं। इसके अतिरिक्त उसके सऊदी अरब के शारजाह, यूएई, दुबई के मशरेक शहर में खोले गए बैंक खातों का रिकॉर्ड जांच एजेंसियों को नहीं मिल सका है।

छांगुर बीते 15 वर्षो से हिंदुओं का गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कर रहा था। बृहस्पतिवार को एटीएस ने छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन को लखनऊ जेल से रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ शुरू की, जिसमें उसने यह खुलासा किया है। उन्हें जल्द बलरामपुर ले जाकर अवैध धर्मांतरण से जुड़े दस्ता-वेज बरामद करने की कोशिश है। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि रिमांड के दौरान छांगुर से उसके गिरोह के बाकी सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही, उसकी संपत्तियों और विदेशी खातों से होने वाली फंडिंग का भी पता लगाया जा रहा है। छांगुर के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी ईडी को भी भेजी गई है। इस मामले में पुणे निवासी मोहम्मद अहमद की भूमिका की जांच भी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर ईडी ने भी छांगुर और उसके सहयोगियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी ने छांगुर और उसके करीबियों के 40 बैंक खातों की जानकारी जुटाने के बाद आयकर विभाग से संचालकों के बीते 10 वर्ष के आयकर रिटर्न का ब्योरा मांगा है।

यूपी के बलरामपुर में धर्मांतरण का अड्डा बनी छांगुर की पांच करोड़ की कोठी पूरी तरह धराशायी कर दी गई। धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोपी छांगुर ने यह कोठी वर्ष 2022 में नीतू उर्फ नसरीन के नाम से बनवाई थी। दो दिन पहले मंगलवार को इसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। 10 बुलडोजर तीन दिन में कोठी ढहा पाए। आखिर में मुख्य गेट को धराशाई कर दिया गया। यह गेट सुरक्षा को देखते हुए तैयार किया गया था। इस पर संगमरमर लगाया गया था। एटीएस द्वारा छांगुर की गिरफ्तारी के बाद सरकारी बंजर जमीन पर बनाई गई कोठी ढहाने की कवायद शुरू की गई। पिलर पर बनी 40 कमरों की कोठी को गिराने में प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। एक मीटर भाग तोड़ने में एक घंटे से अधिक का समय लग रहा था। प्रतिदिन 10-10 घंटे बुलडोजर को चलाया गया। इसके बाद भी दो बिस्वा में बनी कोठी गिराने में तीन दिन लग गए।

सावन के पहले दिन सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक

समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

गोरखपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सावन माह के पहले दिन मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः काल रुद्राभिषेक और हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

शुक्रवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोर-क्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सावन का शुभारंभ होते ही मंदिरों में विशेष पाठ और श्रृंगार का आयोजन शुरू हो गया। सभी प्रसिद्ध मंदिरों में हर रोज विशेष पाठ और महादेव का श्रृंगार किया जाएगा। इस मौके पर पूरा माहौल शिवमय हो गया है। शंखनाद, घंटे घड़ियालों की गूंज और हर-हर महादेव के जयकारों के बीच शुक्रवार से सावन माह का शुभारंभ हो गया। प्रमुख शिवालयों में एक दिन पहले से ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो चुके हैं और हर कोना शिवमय हो उठा है। मंदिरों के बाहर बेलपत्र, भांग, धतूरा और पूजा सामग्री से सजी दुकानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। कोनेश्वर, मनकामेश्वर, बुद्धेश्वर और राजेंद्रनगर स्थित महाकाल मंदिर में भक्तों का उत्साह चरम पर है। हर मंदिर की अपनी कथा, अपनी आस्था, और अपनी विशेष तैयारी है।

लखनऊ में चौक स्थित प्राचीन कोनेश्वर मंदिर में भगवान शिव के विशेष पाठ की शुरुआत बृहस्पतिवार शाम 7 बजे से की गई। मंदिर के पुजारी अमर नाथ ने बताया, पूरे माह 25 ब्राह्मण रोजाना शाम 7 से रात 9 बजे तक शिव पाठ करेंगे, जिसके बाद भव्य आरती होगी। श्रद्धालुओं के लिए हर सोमवार को ठंडाई का वितरण किया जाएगा। मंदिर में किए गए अद्भुत श्रृंगार को देखने के लिए दूर-दराज से लोग आ रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि 40 दिनों तक नियमित शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मोहन रोड स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में इस बार भक्तों को हर दिन भगवान शिव का नया स्वरूप देखने को मिलेगा। मंदिर के पंडित रामपुरी महाराज ने बताया कि एक विशेष श्रृंगार समिति बनाई गई है जो महाकाल का भव्य श्रृंगार उनके प्रिय फल, फूल और पत्तों से करेगी। श्रद्धालुओं के लिए हर दिन विभिन्न प्रकार के भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। पौराणिक मान्यता है कि राम-लक्ष्मण और सीता ने वनवास के दौरान इसी स्थान पर भगवान शिव की पूजा की थी।

लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

50 हजार रुपए में बेच डालते थे लड़कियां

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ की कृष्णानगर पुलिस ने लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यूपी पुलिस ने मध्य प्रदेश के सहडोल निवासी संतोष साहू और राजस्थान के साकेतनगर निवासी मनीष भंडारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शादी या फिर अनैतिक काम के लिए एक लड़की को 50 हजार रुपए में बेचते थे। उसके पास से दो किशोरियां भी बरामद हुई हैं।

डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड संतोष साहू अक्सर अपना ठिकाना बदलता रहता था। वह प्रयागराज में नैनी स्थित महेवा, करेली स्थित नयापुरा भावापुरा और धूमनगंज स्थित कालिंदीपुरम में भी रहा। वहीं, मनीष अजमेर में छिपकर रहता था। संतोष पर 25 हजार का इनाम घोषित था। आरोपी 20 सिम और मोबाइल बदलकर लड़कियों को बेचने का काम करता था। गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है। लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाला गिरोह अकेली किशोरियों या युवतियों को निशाना बनाता था। कृष्णानगर इलाके से जिस किशोरी को आरोपी संतोष बेचने ले गया था, वह 28 जून को एक स्कूल के पास अकेली मिली थी। संतोष ने उससे बातचीत की तो पता चला कि किशोरी हिंदू धार्मिक है और मथुरा जाना चाहती है।

संतोष ने इसी बात का फायदा उठाकर किशोरी को झांसे में लिया और 30 जून को चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुलाया था। किशोरी 30 जून को स्टेशन पहुंची और संतोष के साथ चली गई। एसीपी विकास कुमार पांडेय के मुताबिक पूछताछ में संतोष ने बताया कि वह दो साल तक छत्तीसगढ़ जेल में बंद था। मनीष भंडारी भी जेल में था। वर्ष 2024 में संतोष जेल से छूटा था। संतोष 12 साल से मानव तस्करी कर रहा है। उसने अब तक 15 से ज्यादा लड़कियों को बेचने की बात कबूल की है। पुलिस अब दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। संतोष ने बताया कि वह चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन पर अकेली लड़कियों पर नजर रखता था। ऐसी लड़कियां जल्दी उसके झांसे में आ जाती थीं, जो घर से नाराज होकर निकली होती थीं।

कृष्णानगर में रहने वाले सीएम सुरक्षा में तैनात पीएसओ की 16 वर्षीय बेटी पिता को मेसेज कर घर से निकल गई थी। बिटिया ने पिता को भेजे वॉइस मेसेज में बोला था कि पापा, मुझे मत खोजना भगवान के पास जा रही हूं। पिता ने कृष्णानगर थाने में 30 जून को बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। छानबीन में पता चला कि किशोरी घर में रखी भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की मूर्ति लेकर गई थी। डीसीपी ने बताया कि किशोरी मथुरा में प्रेमानंद जी महाराज से मिलने के लिए निकली थी। संतोष ने किशोरी को बहलाकर मथुरा ले जाने की बात कही। इसके बाद उसे कानपुर ले गया और फिर दो दिन प्रयागराज स्थित अपने घर पर रखा।

एक अन्य किशोरी भी मिली संतोष किशोरी को लेकर अपने साथी मनीष के पास पहुंचा और 50 हजार रुपए में उसे बेच दिया। किशोरी को मनीष के पास छोड़कर आरोपी वापस आने लगा। इसकी जानकारी होने पर किशोरी ने रोना शुरू कर दिया। पकड़े जाने के डर से मनीष ने किशोरी को साथ रखने से मना कर दिया और रकम वापस मांगी। संतोष ने उसे 45 हजार रुपए वापस कर दिए और किशोरी को लेकर लौट आया। उधर, किशोरी की तलाश में छह टीमें गठित की गईं। पुलिस टीम ने आठ जुलाई को किशोरी को खोज लिया। पूछताछ में किशोरी ने आपबीती बताई। इसके बाद बृहस्पतिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। संतोष के पास से रायबरेली की एक अन्य किशोरी भी मिली है। परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है।

संतोष पर प्रयागराज, वाराणसी, छत्तीसगढ़, प्रतापगढ़ और लखनऊ में कुल छह केस दर्ज हैं। वहीं, मनीष पर दो केस पंजीकृत हैं। डीसीपी ने बताया कि इस राजफाश में कृष्णानगर थाने और सर्विलांस की टीम ने अहम भूमिका निभाई। अपराधियों से पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह ने सबसे ज्यादा राजस्थान में लड़कियां बेची हैं। आरोपियों के साथी मध्य प्रदेश में सक्रिय हैं। लड़कियों को सबसे पहले मध्य प्रदेश ही ले जाया जाता है। यहां से उन्हें राजस्थान ले जाते हैं। हाल में ही घर से नाराज होकर निकली किशोरी को मानव तस्करी गिरोह ने जाल में फंसा लिया था। इसके बाद बच्ची को 2.75 लाख रुपए में राजस्थान के सीकर में एक व्यक्ति को बेच दिया था। आरोपियों ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और राजस्थान समेत अन्य राज्यों में लड़कियों को बेचा है। संतोष ज्यादातर यूपी से ही लड़कियों को बहला फुसलाकर ले गया है। बताया कि जिन लोगों की शादी नहीं हो पाती थी वे लड़कियों की मांग करते थे और लाखों रुपए देते थे।

भोगांव से अगवा युवती लखनऊ में मिली, सपा नेता फंसे

मैनपुरी, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मैनपुरी के कस्बा भोगांव से अगवा हुई 24 साल की युवती लखनऊ में बरामद हुई। पुलिस ने उससे पूछताछ की और मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस मामले में सपा नेता और उसके साथ लिप्त पाए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि फर्रुखाबाद की कंपिल नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन और उसके साथियों की तलाश में दबिश लगातार जारी है।

थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला की रहने वाली 24 वर्षीय युवती 8 जुलाई को कोचिंग पढ़ाने के लिए गई थी। इसके बाद से वह घर वापस नहीं लौटी। युवती के भाई ने फर्रुखाबाद के कंपिल नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन एवं सपा नेता उदयपाल सिंह यादव और दो साथियों पर बहन का अपहरण करने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया था कि जब फोन कर जानकारी करनी चाही तो पूर्व चेयरमैन ने फोन नहीं उठाया। कुछ देर बाद उनके भाई के फोन पर व्हाट्सएप कॉल कर बहन को उठा कर ले जाने बात कहते हुए धमकाया था। भोगांव पुलिस ने बुधवार देर रात युवती को लखनऊ से ढूंढ़ निकाला और बृहस्पतिवार थाने में बयान दर्ज किए। पुलिस अब न्यायालय में बयान दर्ज कराने व मेडिकल की प्रक्रिया करा रही है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि पूर्व चेयरमैन की तलाश में दबिश जारी हैं।

कुमारस्वामी ने पीएम ई-ड्राइव के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की

नई दिल्ली,11 जुलाई (एजेंसियां)। **केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों (ई-ट्रकों) को प्रोत्साहित करने की योजना का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। भारी उद्योग मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि यह पहली बार है।**

प्रधानमंत्री के हरित गतिशीलता विजन के तहत भारत ने पहली बार ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना शुरू की

केंद्र सरकार ने देश को स्वच्छ और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में परिवर्तन में मदद करने के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए समर्थन योजना शुरू की गई है। यह योजना प्रोत्साहन इलेक्ट्रिक ट्रक के सकल वाहन भार पर निर्भर करेगा और अधिकतम 9.6 लाख रुपये का प्रोत्साहन प्राप्त किया जा सकता है।

मंत्रालय के मुताबिक ये प्रोत्साहन खरीद मूल्य में एकमुश्त कटौती के रूप में प्रदान किए जाएंगे और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पीएम ई-ड्राइव पोर्टल के माध्यम से ओईएम को प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ, कुशल और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में तेजी लाना है।

नई शुरू की गई इस योजना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) के तहत परिभाषित एन2 और एन3 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों पर भी मांग प्रोत्साहन योजना लागू होंगे। एन2 श्रेणी में सकल वाहन वाले ट्रक शामिल हैं, प्रोत्साहन केवल एन3 श्रेणी के पुलर ट्रैकर्स पर ही लागू होंगे।

इसके तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, निर्माता एक व्यापक निर्माता-समर्थित वारंटी प्रदान करेंगे। इसमें पांच साल या 5 लाख किलोमीटर की वारंटी शामिल होगी, जबकि वाहनों और मोटरों के लिए वारंटी पांच साल या 2.5 लाख किलोमीटर, जो भी पहले होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर 2024 को देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। इस योजना का दो वर्षों की अवधि में वित्तीय परिव्यय 10,900 करोड़ रुपये है।

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी किया जारी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज जारी कर दी है। इसका उपयोग कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम और अन्य आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने के लिए किया जा सकता है। आयकर विभाग ने इससे पहले सिर्फ आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर -2 और आईटीआर-3 फॉर्म की एक्सेल यूटिलिटीज अब लाइव कर दिया गया है। अब 11 जुलाई से आईटीआर-2 उन व्यक्तियों या एचयूएफ की ओर से दाखिल किया जा सकता है, जो आईटीआर-1 (सहज) दाखिल करने के पात्र नहीं हैं। आयकर विभाग ने कहा कि ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के डाउनलोड सेक्शन में करदाता आईटीआर-2 और आईटीआर-3 यूटिलिटीज डाउनलोड कर सकते हैं। इसको डाउनलोड करने के बाद आपको एक विंडोज जिप फाइल मिलेगी, जिससे एक्सेल फाइल प्राप्त की जा सकती है। आयकर विभाग के मुताबिक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए यह फॉर्म पर उपलब्ध है। आयकर विभाग ने 27 मई को वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी थी।

टीसीएस में नहीं बढ़ेगी कर्मचारियों की सैलरी, एचआर ने कहा- नहीं हुआ अभी तक फैसला

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी को टाल दिया है। कंपनी के चीफ एचआर ऑफिसर ने बताया कि अभी तक इंक्रीमेंट लगाने का कोई फैसला नहीं हुआ है। परंपरागत रूप से टीसीएस हर वितीय वर्ष की शुरुआत में अप्रैल से वेतन वृद्धि की प्रक्रिया शुरू करता है। पहली तिमाही में कंपनी में 5,090 नए कर्मचारी जुड़े, जिससे कर्मचारियों की कुल संख्या 6.13 लाख से ज्यादा हो गई। एचआर ने कहा कि हायरिंग को तिमाही प्रदर्शन से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि यह योजना वार्षिक स्तर पर बनाई जाती है। टीसीएस ने पहली तिमाही में पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले केवल 1.3 फीसदी की मामूली वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जिससे राजस्व 63,437 करोड़ पहुंच गया। पिछली तिमाही 2024-25 की तुलना में राजस्व में 1.6 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, नेट प्रॉफिट पिछले साल की तुलना में करीब 6 फीसदी और पिछली तिमाही की तुलना में 4.4 फीसदी बढ़कर 12,760 करोड़ हो गया। यह बढ़त एक बड़े प्रोजेक्ट को बंद करने से हुई बचत और टैक्स लाभ के कारण संभव हुई।

अमेरिका की नीतियों से तंग आकर देशों ने डॉलर के विकल्प अपनाएः जीटीआरआई

नई दिल्ली। अमेरिका की आर्थिक और भू-राजनीतिक नीतियों ने कई देशों को डॉलर की जगह अन्य मुद्राओं में व्यापार करने को मजबूर कर दिया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक अमेरिका द्वारा रूस, ईरान और वेनेजुएला पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते डॉलर आधारित भुगतान बाधित हुआ है, जिससे भारत, चीन और अन्य देशों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू किया। जीटीआरआई के सह-संस्थापक ने कहा कि यह बदलाव कोई विद्रोह नहीं, बल्कि विवशता का परिणाम है। भारत भी रूस से तेल खरीदने रुपये और यूएई की मुद्रा दिरहम का उपयोग कर रहा उदाहरणस्वरूप, रूस-चीन का 90 फीसदी से अधिक व्यापार अब रूबल और युआन में हो रहा है। भारत भी रूस से तेल खरीदने के लिए रुपये और यूएई की मुद्रा दिरहम का उपयोग कर रहा है। यहां तक कि सऊदी अरब भी अब तेल व्यापार में डॉलर के बजाय अन्य मुद्राओं को स्वीकार करने को तैयार है, जिससे 1970 के दशक के पेट्रो-डॉलर समझौते पर असर पड़ रहा है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर छोड़ने वाले ब्रिक्स देशों पर 10 फीसदी शुल्क लगाने और रूसी तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा है। इससे वैश्विक व्यापारिक समझौते और कठिन हो सकते हैं ।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली,11 जुलाई (एजेंसियां)। **ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.27 प्रतिशत उछल कर 6,280.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,630.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 192.40 अंक यानी 0.43 प्रतिशत मजबूत होकर 44,650.70 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।**

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 108.64 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,975.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,902.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 92.75 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,456.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,334 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 39,636.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,097.43 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.14 प्रतिशत उछल कर 22,724.36 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी बनी हुई है। फिलहाल यह सूचकांक 401.86 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,430.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,546.50 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.02 प्रतिशत उछल कर 1,121.69 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,045.62 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,184.80 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

एचसीएल टेक का प्रदर्शन जून तिमाही में रह सकता है कमजोर, रेवेन्यू और मुनाफे में गिरावट की आशंका

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ को वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में रेवेन्यू और नेट प्रॉफिट दोनों में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार कंपनी का प्रदर्शन इस तिमाही में मौसमी कारणों और सेवाओं के क्षेत्र में सुस्ती के कारण कमजोर रह सकता है। अनुमान है कि एचसीएल टेक का रेवेन्यू तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 0.02 फीसदी घटकर 30,240.28 करोड़ रुपए रह सकता है। यह गिरावट मुख्यतः सर्विसेज बिज़नेस में सीजनल प्रोडक्टिविटी पास-थ्रू के चलते मानी जा रही है, जो हर साल की पहली तिमाही में सामान्य रूप से देखने को मिलता है। वहीं कंपनी को इस तिमाही में 4,145.13 करोड़ का मुनाफा होने का अनुमान है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 3.76 फीसदी कम है। साल-दर-साल आधार पर भी लगभग 2.65 फीसदी की गिरावट संभावित है।

कुमार मंगलम बिड़ला यूएसआईएसपीएफ के निदेशक मंडल में हुए शामिल

नई दिल्ली,11 जुलाई (एजेंसियां)। **आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। वह निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे।**

अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान में बताया गया है कि आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला उसके निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति में शामिल हो गए हैं। कुमार मंगलम बिड़ला निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे।

यूएसआईएसपीएफ ने अपने बयान में कहा कि आदित्य बिड़ला समूह अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय ग्रीनफील्ड निवेशक है, जिसका निवेश 15 अरब यूएस डॉलर से अधिक है। ये समूह धातु, कार्बन ब्लैक और रसायन जैसे क्षेत्रों में 15 राज्यों में कार्यरत है। कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, यूएसआईएसपीएफ की कार्यकारी समिति में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। बहुत कम समय में यूएसआईएसपीएफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मज़बूत करने में एक मज़बूत शक्ति बन गया है। दोनों देशों के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देने में इसके योगदान ने एक सार्थक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, अमेरिका-भारत साझेदारी दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक है, मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि जब हमारे दोनों देश उद्देश्य और स्पष्टता के साथ एक साथ आते हैं तो वे वैश्विक वाणिज्य और नवाचार की दिशा को बेहतर बना सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कुमार मंगलम बिड़ला को हाल ही में वाशिंगटन डीसी में आयोजित 2025 यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप समिट में ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

फेरेरो ने केलॉग को 3.1 अरब डॉलर में किया अधिग्रहण

इतालवी कंपनी फेरेरो, जो न्यूटेला और किंडर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की मालिक है, ने अमेरिकी नाश्ते के अनाज निर्माता डब्ल्यूके केलॉग को लगभग 3.1 अरब डॉलर में खरीदने की घोषणा की है। यह अधिग्रहण उत्तरी अमेरिका में फेरेरो की बिक्री और उपस्थिति बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। केलॉग की स्थापना 1906 में हुई थी और यह कॉर्न फ्लेक्स, फ्रूट लूप्स, स्पेशल के, राइस क्रिस्पी जैसे प्रसिद्ध नाश्ते के अनाज बनाती है। इस सौदे के पूरा होने के बाद फेरेरो अमेरिका, कनाडा और कैरेबियाई क्षेत्र में केलॉग के उत्पादों का निर्माण, विपणन और वितरण करेगा। यह अधिग्रहण फेरेरो के अमेरिकी विस्तार के अभियान का हिस्सा है, जिसमें उसने पहले 2018 में नेस्ले के कैंडी ब्रांड और 2022 में वेल्स एंटरप्राइजेज के आइसक्रीम ब्रांड भी खरीदे थे। सौदा इस साल की दूसरी छमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली,11 जुलाई (एजेंसियां)। **घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख है। सोना 760 रुपये से 830 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है। भाव में उछाल आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।**

इसी तरह 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सिएटल में भारतीय आमों की प्रदर्शनी, अमेरिका में बढ़ी मांग

न्यूयॉर्क,11 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के सिएटल शहर में भारतीय आमों की खुशबू और मिठास ने लोगों का मन मोह लिया। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से हाल ही में एक विशेष कार्यक्रम भारतीय आमों के स्वाद का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत के प्रीमियम आमों की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित करना और अमेरिकी बाजार में उनके व्यापारिक अवसरों का पता लगाना था। कार्यक्रम में अल्फांसो, केसर, दशहरी जैसी आमों की पांच प्रमुख किस्मों को चखने का अवसर मिला। वहां उपस्थित लोगों ने आमों की विशिष्ट सुगंध, स्वाद और मिठास की खूब सराहना की। वाशिंगटन के अटॉर्नी जनरल निक ब्राउन, भारतीय मूल की सांसद मनका ढींगरा और सिएटल पोर्ट के आयुक्त सैम चो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अनुसार यह आयोजन व्यापार संवर्धन और भारत के कृषि उत्पादों की वैश्विक पहचान बढ़ाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। वर्ष 2024 में अमेरिका को भारतीय आमों के निर्यात में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आंध्र प्रदेश में 1310 करोड़ से बनेगा देश का नया विलवणीकरण संयंत्र

अमरावती। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के कोना गांव में खारे समुद्री जल को ताजे पानी में बदलने के लिए एक अत्याधुनिक विलवणीकरण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना ऑरो इंफ्रा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर की अनुषंगी कंपनी काकीनाडा एसईजेड लिमिटेड द्वारा 1310 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जा रही है। संयंत्र की क्षमता प्रतिदिन 3800 लाख लीटर (38 करोड़ लीटर) समुद्री जल को प्रसंस्कृत करने की होगी। इसके लिए समुद्र से संयंत्र तक दो विशेष समुद्री जल अंतर्ग्रहण पाइपलाइन बिछाई जाएंगी। संयंत्र से उत्पादित शुद्ध जल को उद्योगों और बंदरगाहों तक विशेष पाइपलाइनों के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना को हाल ही में केंद्र सरकार के वन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति से कुछ शर्तों के साथ तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी मिली है।

राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारत को संभाला, बुमराह के पंजे ने इंग्लैंड को विशाल स्कोर बनाने से रोका

लंदन,11 जुलाई (एजेंसियां) । भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन की समाप्ति हो गई है। दूसरे दिन के खेल के अंत तक भारतीय टीम ने बल्लेबाजी में 3 विकेट के नुकसान पर 145 रन बना लिए हैं। टीम इंडिया के लिए दिन स्टंप्स होने तक केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 19 रन बनाकर नाबाद खड़े रहे। इस तरह मेजबान इंग्लैंड के पास दूसरे दिन की समाप्ति तक 242 रनों की लीड बची हुई है। भारत की तरफ से आउट होने वाले तीन बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल (13), करुण नायर (40) और कप्तान शुभमन गिल (16) हैं। इंग्लैंड के लिए क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने एक-एक विकेट लिए।

इससे पहले इंग्लैंड की टीम ने दूसरे दिन 4 विकेट के नुकसान पर 251 रनों से अपनी पारी को आगे बढ़ाया था। हालांकि, दूसरे सेशन के कुछ देर बाद ही इंग्लैंड की टीम 387 रन के स्कोर पर सिमट गई। भारत की तरफ से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपना पंजा खोला। इसके अलावा नीतीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए जबकि रविंद्र जडेजा के खाते में एक विकेट आया।

जसप्रीत बुमराह ने अपने खतरनाक स्पैल की बदौलत कपिल देव के विदेशी सरजमीं पर 12 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। बुमराह के अब तक टेस्ट में 15 बार पांच विकेट लेने का कारनामा दिखाया। उन्होंने यह उपलब्धि लगातार दो टेस्ट मैचों में हासिल की है जिसमें लीड्स के पांच विकेट भी शामिल हैं। जसप्रीत बुमराह ने लॉर्ड्स में टीम इंडिया के लिए 27 ओवर की गेंदबाजी की जिसमें उन्होंने 74 रन खर्च किए।इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट (199 गेंदे में 104 रन) ने दिन की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपना 9वां शतक जड़ा जो लॉर्ड्स में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा सैकड़े हैं। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 251 रन से की। लेकिन बुमराह के तीन विकेट झटकने से उसका स्कोर सात विकेट पर 271 रन हो गया था। बुमराह ने पहले घंटे में कप्तान बेन स्टोक्स (44), रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) के विकेट झटके। जिसके बाद फॉर्म में चल रहे जैमी स्मिथ (56 गेंद में 51 रन) और कार्स (56 रन) ने आठवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल के एक स्पिनर ने एक ही मैच में ली दो हैट्रिक

लंदन। इंग्लैंड में भारतीय मूल के एक स्पिनर किशोर कुमार साधक ने ऐसा ऐसा रिकार्ड बनाया है जो आने वाले कई साल तक शायद ही टूट पाये। टू काउंटीज चैंपियनशिप डिविजन सिक्स के मैच में किशोर ने लगातार दो ओवर में दो हैट्रिक लेकर अपनी टीम इप्सविच और कोलचेस्टर क्रिकेट क्लब को जीत दिलायी। क्रिकेट इतिहास में एक ही मैच में दो हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड पहले भी बना है, पर उसमें एक खास फर्क है। 2017 में मिशेल स्टार्क और 1912 में जिमी मैथ्यूज ने यह कारनामा किया था, लेकिन उन्होंने यह हैट्रिक अलग-अलग पारियों में ली थी। जबकि किशोर ने लगातार दो ओवर में, एक ही पारी में दो हैट्रिक ली किशोर ने केसग्रेव क्रिकेट क्लब के खिलाफ खेले गए इस मैच में कुल 6 ओवरों में केवल 21 रन खर्च देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने अपने चौथे ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर हैट्रिक लेकर विरोधी टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने अगले ओवर की तीसरी, चौथी और पांचवीं गेंद पर फिर से तीन बल्लेबाजों को आउट कराकर दूसरी हैट्रिक ली। कुल मिलाकर 8 गेंदों में 6 विकेट लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस दौरान पांच बल्लेबाज बोल्ड हुए जबकि एक बल्लेबाज कैच हुआ। इस मैच में केसग्रेव टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 139 रन बनाए थे। किशोर ने इसके बाद बल्लेबाजी में भी अपनी टीम की सहायता की। उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 14 रन बनाए। किशोर की इस पारी से उनकी टीम ने 21 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। और 7 विकेट से मैच जीत लिया।

आयरलैंड और ज़िम्बाब्वे के बल्लेबाज़ पीटर मूर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

डबलिन/हरारे। आयरलैंड और ज़िम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज़ पीटर मूर ने गुरुवार को 35 वर्ष की उम्र में

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने अपने करियर में कुल 15 टेस्ट, 49 वनडे और 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हरारे (ज़िम्बाब्वे) में जन्मे मूर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत नवंबर 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच से की थी। उन्होंने 2016 में अफ़गानिस्तान के खिलाफ टी20 और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। ज़िम्बाब्वे के लिए उन्होंने कुल 8 टेस्ट, और सभी 49 वनडे व 21 टी20 मैच खेले। मूर के पास आयरिश पासपोर्ट था क्योंकि उनकी दादी आयरिश थीं। उन्होंने अक्टूबर 2022 में आयरलैंड के लिए खेलने की पात्रता प्राप्त की और मार्च-अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका दौरे के लिए पहली बार आयरलैंड की टेस्ट टीम में चुने गए। उन्होंने आयरलैंड के लिए कुल 7 टेस्ट मैच खेले। हालांकि, मूर ने आयरलैंड के लिए कभी वनडे या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला। ज़िम्बाब्वे के लिए उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35.53 की औसत से पांच अर्धशतक बनाए थे, लेकिन आयरलैंड के लिए यह औसत गिरकर 14.35 रह गई और उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया। उनका यह अर्धशतक जुलाई 2024 में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ जीत में आया था। पीटर मूर उन 17 क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने दो अलग-अलग देशों के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला है। उनका करियर दो देशों के बीच विभाजित रहा, लेकिन उनके जुनून और समर्पण ने उन्हें दोनों टीमों में एक खास पहचान दिलाई।

लारा ने मुल्डर से बात कर कहा,उन्हें मेरा रिकार्ड तोड़ना चाहिये था

बुलावायो। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान वियान मुल्डर से

मुलाकात कर कहा है कि उन्हें मेरा 400 रनों का रिकार्ड तोड़ना था। इससे पहले वियान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में जब वह 367 रन बनाकर खेल रहे थे तभी पारी घोषित कर दी थी। जब उनसे पूछा गया कि पारी क्यों घोषित की गयी थी। तब इस क्रिकेटर ने कहा था कि वह महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का 400 रनों का रिकार्ड नहीं तोड़ना चाहते थे। उनका मानना था कि ये रिकॉर्ड इस महान क्रिकेटर के नाम पर ही रहना चाहिये। वहीं अब लारा ने मुल्डर से बात की है और कहा कि उन्हें उनका रिकॉर्ड तोड़ना चाहिए था। मुल्डर और लारा की यह बातचीत बुलावायो टेस्ट में मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद हुई। इस मैच में मुल्डर ने टेस्ट इतिहास की पांचवीं सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड बनाया। मुल्डर ने कहा, 'मैंने लारा से थोड़ी बहुत बात की। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी खुद की विरासत गढ़ रहा हूं और मुझे उसके लिए जाना चाहिए था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की...

नेपाल या भूटान की तरह तिब्बत भी एक अलग देश या बफर स्टेट होता। खांडू के बयान के मायने कूटनीतिक होने के साथ-साथ राजनीतिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक स्तर के भी हैं। राजनीतिक रूप से, यह भारत की तरफ से चीन को साफ संदेश है कि हम तुम्हारी विस्तारवादी कहानी को नहीं मानते। सांस्कृतिक रूप से, खांडू ने जोर दिया कि अरुणाचल की संस्कृति और भूगोल तिब्बत से जुड़े हैं, जहां बौद्ध धर्म की जड़ें गहरी हैं। रणनीतिक रूप से यह सीमा विवाद को नया मोड़ दे सकता है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर डैम बना रहा है, जिसे खांडू ने टिकिंग वॉटर बॉम्ब कहा है। अगर तिब्बत पर चीन का अवैध कब्जा नहीं होता, तो आज इस तरह की समस्या नहीं होती।

यानि, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत सरकार ने चीन के सीमाई विवाद के दावे को लेकर अपनी नीति बदल दी है और वह अब इस मसले पर चुप नहीं रहेगा। अब भारतवर्ष तिब्बत पर अवैध कब्जे की हकीकत को मुखर रूप से दुनिया के सामने रखेगा और दुनिया की चुप्पी को तोड़ने की कोशिश करेगा। भारतवर्ष द्वारा चीन की वन चाइना पॉलिसी पर गंभीर सवाल उठाए जाने से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) को स्पष्ट तौर पर झटका लगेगा। भारत जैसे बड़े देश तिब्बत को अलग मानने लगें, तो चीन की वैश्विक छवि पर असर पड़ेगा।

धर्मशाला में 6 जुलाई को हुए तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा के जन्मदिवस समारोह में अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू शरीक हुए थे। उन्होंने दलाई लामा को सम्मान दिया था और तिब्बती एवं भारतीय संस्कृति की समरूपता पर विस्तार से बात की थी। चीन को लेकर उन्होंने अपना बयान 9 जुलाई को दिया, जिससे चीन अंदरूनी तौर पर बुरी तरह हिल गया और बौखला गया। दलाई लामा ने 2 जुलाई को कहा था कि वे उचित समय पर तिब्बती बौद्ध परंपरा के मुताबिक अपना उत्तराधिकारी चुनेंगे और इसमें चीन का कोई रोल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी जिसमें चीन का हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। दलाई लामा का यह बयान चीन के लिए सीधी चुनौती है, क्योंकि चीन ने कहा है कि वह दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मंजूरी देगा। दलाई लामा 90 साल के हो चुके हैं। पूरी दुनिया की निगाह दलाई लामा पर है और अरुणाचल के मुख्यमंत्री का बयान इसी समय आया है, जब दुनिया तिब्बत मुद्दे और दलाई लामा पर ध्यान दे रही है। दलाई लामा के जन्मदिवस समारोह में प्रख्यात हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और अन्य नेता मौजूद थे।

तिब्बत की कहानी भी साथ-साथ समझते चलें। तिब्बत लगभग 24 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला दुनिया का सबसे ऊंचा पठार है। इसकी औसत ऊंचाई 4900 मीटर है, जिससे जुड़ी माउंट एवरेस्ट जैसी दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है। तिब्बत एशिया की कई नदियों का स्रोत है। 1950 से पहले तिब्बत एक स्वतंत्र क्षेत्र था। 1913 में 13वें दलाई लामा ने इसे स्वतंत्र घोषित किया था, लेकिन चीन दावा करता रहा कि तिब्बत उसका हिस्सा है। हकीकत यह है कि 1912 से 1949 तक चीन का तिब्बत पर कोई नियंत्रण नहीं था। वहां दलाई लामा की सरकार ही चलती थी।

साल 1949 में चीन में माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट सरकार बनी। उसने तिब्बत को अपना हिस्सा मानकर आक्रमण की योजना बनाई। 7 अक्टूबर 1950 को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने तिब्बत में घुसपैठ की। 19 अक्टूबर को चामडो शहर पर कब्जा कर लिया। उस समय तिब्बती सेना छोटी थी, विरोध नहीं कर पाई और भारत भी उसके बचाव में कारगर साबित नहीं हुआ। 1951 में चीन ने तिब्बती नेताओं पर दबाव डालकर 17 सूत्री समझौता कराया। इसमें कहा गया कि तिब्बत को स्वायत्तता मिलेगी, बौद्ध धर्म का सम्मान होगा, लेकिन चीन की सेना ल्हासा (तिब्बत की राजधानी) में रहेगी। तिब्बत के लोग इसे जबरदस्ती का समझौता कहते हैं। चीन का यह कब्जा क्रूर था। चीन ने तिब्बती संस्कृति को कुचलने की कोशिश की। मठ तोड़े। लोगों को मार डाला। 1959 में विद्रोह हुआ, दलाई लामा भारत भाग आए। आज भी तिब्बत की निर्वासित सरकार धर्मशाला से काम कर रही है। तिब्बत पर चीन के कब्जे को तिब्बतियों का सांस्कृतिक नरसंहार कहा जाता है।

दलाई लामा तिब्बत की आत्मा हैं। वे 1959 से भारत में निर्वासित हैं। हाल में उन्होंने चीन पर तीखा हमला बोला। 2025 में अपने जन्मदिन से पहले उन्होंने कहा कि चीन बौद्ध धर्म को जहर मानता है और इसे खत्म करने की साजिश रच रहा है, लेकिन सफल नहीं होगा। उन्होंने मंगोलिया से हिमालय तक बौद्ध अनुयायियों का जिक्र किया। शी जिनपिंग की अगुवाई वाली सीसीपी बौद्ध मठों को नष्ट कर रही है, लेकिन चीन में भी करोड़ों लोग बौद्ध हैं।

शी जिनपिंग के लिए यह मुश्किल है क्योंकि वे सिनाइजेशन नीति चला रहे हैं, जहां तिब्बत को पूरी तरह चीनी बनाना चाहते हैं। दलाई लामा का उत्तराधिकारी का मुद्दा बड़ा है। चीन कहता है कि वो मंजूरी देगा, लेकिन दलाई ने साफ कहा कि उत्तराधिकारी फ्री वर्ल्ड में जन्मेगा, चीन में नहीं। तिब्बत को अलग देश मान कर भारतवर्ष अपने पड़ोस का भूगोल बदल सकता है। अगर दुनिया तिब्बत को स्वतंत्र या अलग पहचान की मान्यता दे दे, तो चीन के लिए तिब्बत बफर स्टेट बन सकता है, जैसे नेपाल। चीन इसी तनाव में है। अगर भारत ने तिब्बत का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय जगत में दमदारी से उछाल दिया तो चीन की वन चाइना पॉलिसी भोथरी हो जाएगी और दुनिया में वह अलग-थलग पड़ जाएगा। ।

बॉर्डर पर 30...

परियोजनाओं के माध्यम से अपने सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और रक्षा क्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा रहा है, जिसका उद्देश्य कनेक्टिविटी, सैन्य तैनाती और समग्र सुरक्षा में सुधार पर केंद्रित है। ये परियोजनाएं नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, जिससे सैनिकों की तेज़ आवाजाही, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता और बेहतर निगरानी संभव हो पाती है।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क बेहतर बनाने के लिए कई सड़क और पुल निर्माण परियोजनाएं चला रहा है। परियोजनाओं में गोला-बारूद भंडारण सुविधाएं, बटालियन शिविर, दूरसंचार नेटवर्क और सेना की तैयारियों को बढ़ाने के लिए अन्य रणनीतिक संपत्तियां शामिल हैं। मसलन अटल सुरंग और सेला सुरंग जैसी परियोजनाओं का उद्देश्य सभी मौसमों में संपर्क प्रदान करना और सैन्य आवाजाही को सुगम बनाना है। सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई अड्डों और हेलीपैडों के विकास से हवाई सहायता क्षमताओं में सुधार किया जा रहा है। भारत अपनी सीमा निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ड्रोन सहित उन्नत निगरानी तकनीकों में निवेश कर रहा है।

प्रोजेक्ट स्वस्तिक परियोजना ऋषि-रोंगली-कुपुओ सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग के दोहरे लेन के स्तर तक सुधारने पर केंद्रित है। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने लद्दाख में 11 रक्षा परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें दूरसंचार टावर, गोला-बारूद भंडारण और बटालियन शिविर शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य संभावित खतरों को रोकना और सीमा पर किसी भी स्थिति का प्रभावी ढंग से जवाब देने की भारत की क्षमता को बढ़ाना है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढांचा स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक विकास और संपर्क को भी बढ़ावा दे सकता है। साथ ही ये परियोजनाएं वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के अपने बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित चिंताओं का समाधान करती हैं।

हमने 23 मिनट...

उन्होंने कितने अपमान, अभाव और कष्ट सहे होंगे। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत, एक राष्ट्र के रूप में सहस्राब्दियों से अस्तित्व में है। अब से 22 साल बाद जब हम अपनी आजादी के 100 साल पूरे कर रहे होंगे, तब आप अपने करियर के शीर्ष पर होंगे।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 26 हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा गया। उनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। यही नहीं, पाकिस्तानी सेना के नौ एयरबेस भी ध्वस्त हो गए। हालांकि, बाद में पाकिस्तान सरकार का एक डोजियर लीक भी लीक हुआ, जिसमें यह खुलासा हुआ कि भारतीय सशस्त्र बलों ने इससे भी ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया था। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी।ऑपरेशन सिंदूर पर विश्व के रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है और ऑपरेशन सिंदूर इस बात का सबूत है। रक्षा विशेषज्ञ जॉन स्पेंसर ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लेख लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सख्त और स्पष्ट कार्रवाई करता है और इस कार्रवाई का मकसद भविष्य में इस तरह के हमले रोकना है। स्पेंसर ने लिखा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया में सैन्य सटीकता और रणनीतिक संदेश का संयोजन था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंक के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया, जिसमें सीमा पार प्रशिक्षण शिविर शामिल थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय नेताओं ने इस हमले की व्यापकता को समझा और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद को अब अलग-थलग कृत्यों के रूप में नहीं देखा जाएगा, और जो लोग हिंसा का समर्थन या आतंकियों की मदद करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह भारत के आतंकवाद-रोधी रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। स्पेंसर ने लिखा कि वर्षों तक, भारत ने बिना किसी खास रणनीति के बड़े हमलों को झेला। लेकिन उरी और पुलवामा हमलों के बाद भारत की सोच में बदलाव शुरू हुआ। भारत अब तनाव बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य में हिंसा को रोकने के लिए तेजी से और स्पष्ट रूप से प्रतिक्रिया देता है।

जॉन स्पेंसर ने कहा कि बीते बीस से अधिक वर्षों से, भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के बार-बार हमलों का सामना करना पड़ा है। ये हमले पूरी सोची समझी रणनीति के तहत किए गए। ये अक्सर संकट को भड़काने, आर्थिक प्रगति को रोकने और धार्मिक तनाव को भड़काने के लिए किए गए। प्रमुख आतंकी घटनाओं में 2001 में भारत की संसद पर हमला, 2008 के मुंबई हमला, 2016 में कश्मीर के उरी में एक सैन्य अड्डे पर हमला और 2019 में पुलवामा में भारतीय अर्धसैनिक बलों पर आत्मघाती हमला शामिल हैं। इन सभी घटनाओं में एक ही रणनीति अपनाई गई, जिसके तहत नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया और हमले के जिम्मेदार लोगों द्वारा इनकार या टालमटोल का रवैया अपनाया गया। पहलगाम में हुआ नरसंहार इसी पैटर्न से मेल खाता है।

रक्षा विशेषज्ञ स्पेंसर ने बताया कि पहलगाम हमले को मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक प्रभाव के लिए डिजाइन किया गया था। यह एक सोची-समझी कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य तीन लक्ष्य हासिल करना था: सामाजिक शांति को तोड़ना, आर्थिक प्रगति को बाधित करना और एक व्यापक संकट को भड़काना। यह कश्मीर को अस्थिर करने की कार्रवाई थी, खासकर जब इस क्षेत्र में विकास हो रहा है। साल 2019 में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद यहां पिछले वर्ष 2.3 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे। कश्मीर में सड़कों, स्कूलों और व्यवसायों का विस्तार हुआ है। जो कभी उग्रवाद का प्रतीक था, वह निवेश का केंद्र बन गया। इस प्रकार की स्थिरता उन चरमपंथी समूहों के लिए सीधा खतरा है जो अपने अस्तित्व को सही ठहराने के लिए अराजकता पर निर्भर हैं।

स्पेंसर ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का उद्देश्य केवल लोगों की हत्या करना नहीं था, बल्कि सांप्रदायिक तनाव को फिर से भड़काना था। आतंकियों ने डर और अराजकता फैलाकर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। ये हमला दुनिया भर में आतंकवाद की कई बड़ी आतंकी घटनाओं की याद दिलाता है, जैसे यूरोप में आईएसआईएस के हमले, 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजराइल पर हमले। रणनीति वही है, डर पैदा करना, लोगों को भड़काना और प्रगति की कहानी को पटरी से उतारना।

केरल में सीएम...

इससे राहुल गांधी भी बुरी तरह जल भुन गए थे।

हाल ही में केरल में एक सर्वे हुआ, जिसमें बताया गया कि अगर केरल में अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की सरकार बनती हो तो गठबंधन की तरफ से शशि थरूर पहली पसंद होंगे। नागरिकों की इस पसंद पर कांग्रेस नेताओं ने ही थरूर को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन ने कहा, पहले थरूर तय कर लें कि वे किस पार्टी में हैं। जनता के सर्वे से कोई मुख्यमंत्री नहीं बनता। अगर यूडीएफ 2026 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री यूडीएफ से होगा। हमारा लक्ष्य चुनाव जीतना है और हम इस बेकार के विवाद में नहीं पड़ना चाहते। केरल कांग्रेस में कई वरिष्ठ नेता हैं जिनके नाम पर सीएम पद के लिए विचार हो सकता है। किसी सर्वे से कोई फर्क नहीं पड़ता है। एक निजी एजेंसी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 28.3 प्रतिशत मतदाताओं का मानना है कि शशि थरूर केरल का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। केरल में अगले साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने हैं।

आत्मनिर्भर बनने ...

वर्तमान में काफी कम भारतीय कंपनियां अपनी खुद की इंजन टेक्नोलॉजी रखती हैं। इस समय भी एयरक्राफ्ट, शिप या फिर ऑटोमोबाइल के लिए हमारे पास खुद की इंजन टेक्नोलॉजी नहीं है। इंजन बाहर से बनकर आ रहे हैं। भारत का जो मरीन इंजन वाला किर्लोस्कर प्रोजेक्ट है, वो जरूर एक शुरुआत है जिसके जरिए हम आत्मनिर्भर बनेंगे। अब एयरक्राफ्ट में भी ऐसा ही कुछ करने की जरूरत है। वैसे, जिस नए इंजन की बात हो रही है, वह 110-130 केएन थ्रस्ट वाला है। अगर सभी चीजें समय अनुसार चलीं तो पहली फ्लाइट 2029-2030 चल सकती है, वहीं उसे 2035 तक शामिल किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि एएमसीए के लिए एमके-2 वेरिएंट की जरूरत पड़ेगी, उसे भारत में ही बनाने की तैयारी है। अब इसी चीज के लिए यूके की कंपनी रॉल्स-रॉयस का भारत के लिए एक प्रस्ताव है।

उस प्रस्ताव के मुताबिक रॉल्स-रॉयस भारत के लिए हाई थ्रस्ट वाले टरबोफैन इंजन तैयार करेगा, बाद में उसका इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट और नागरिक विमानन (सिविलियन एयरक्राफ्ट) में किया जा सकता है। वहीं फ्रांस की सैफरन कंपनी का प्रस्ताव भी सामने आया है। उसका जो प्रोटोटाइप रहने वाला है, वह राफेल में इस्तेमाल हुए एम-88 इंजन से ही प्रभावित रहेगा। वैसे अब भारत जिस आत्मनिर्भर अभियान की ओर बढ़ चला है, उसे पूरी तरह सक्रिय होने में कुछ समय लगेगा, ऐसे में तब तक की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ और प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। खबर है कि भारत में रूस के एसयू-57 और अमेरिका के एफ-35 लेने पर भी विचार चल रहा है, ये दोनों ही फिफ्थ जेनरेशन एयरक्राफ्ट हैं। इनकी जरूरत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि पाकिस्तान भी चीन से फिफ्थ जनरेशन एयरक्राफ्ट लेने की तैयारी कर रहा है।

भाजपा ने राजा सिंह...

भाजपा की ओर से जारी विज्ञप्ति में श्री सिंह ने कहा , पार्टी की तेलंगाई इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को आपके द्वारा लिखे गये पत्र की विषयवस्तु पार्टी के सिद्धांतों, विचारधारा और कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है। इस पत्र को श्री नड्डा से संज्ञान में लाया गया और श्री नड्डा के निर्देशानुसार आपके इस्तीफे को पार्टी ने तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है

गौरतलब है कि तेलंगाना में गोशामहल के विधायक राजा सिंह ने गत 30 जून को श्री रेड्डी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। श्री सिंह ने उन मीडिया रिपोर्टों पर गहरी निराशा व्यक्त की थी, जिनमें कहा गया था कि राज्य के भाजपा के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं आपराधिक मामलों के वकील रामचंदर राव को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए विचार किया जा रहा है।

इस बीच श्री सिंह पार्टी आलाकमान द्वारा इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद 'एक्स' पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह फैसला पद की लालसा से प्रेरित नहीं, बल्कि हिंदुत्व और समाज सेवा के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले आज ही के दिन उन्होंने जनता और राष्ट्र की सेवा के साथ-साथ हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका इस्तीफा किसी राजनीतिक लाभ या व्यक्तिगत एजेंडे के लिए नहीं, बल्कि हिंदू मूल्यों को बनाए रखने और समुदाय के लिए अपनी आवाज़ उठाने के उनके निरंतर मिशन का हिस्सा है।

उन्होंने राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने के लिए प्रयासरत लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की और कहा कि अब उनका मार्ग राजनीतिक पद से स्वतंत्र होकर समर्पित समाज सेवा और हिंदू अधिकारों की वकालत करना है। उन्होंने कहा कि वह हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और सनातन धर्म के लिए अथक प्रयास करते रहेंगे और उन्होंने कहा कि उनका जन्म हिंदुत्व की सेवा के लिए हुआ है। उन्होंने लगातार तीन तेलंगाना चुनावों में गोशामहल विधानसभा सीट की जिम्मेदारी उन्हें सौंपे जाने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 12 जुलाई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

गुरु–शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति का आधार है

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लंगरहौज संगम स्थित रामचन्द्र मठ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंत राहुल दास जी के नेतृत्व में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सुन्दरकाण्ड पाठ, गुरुपूजा, पादुका पूजन, गुरु आरती तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भक्तों को संबोधित करते हुए महंत राहुल दास ने गुरु की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का स्थान भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं में सर्वोच्च माना जाता है। गुरु को ज्ञान का स्रोत, मार्गदर्शक और ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु ही वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधेरे को दूर करता है। गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवो महेश्वरः – यह श्लोक गुरु को सृष्टि के रचयिता, पालक और संहारक के समान बताता है। गुरु की महिमा इसलिए अपार है क्योंकि वे शिष्य को न केवल सांसारिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि आत्मिक उन्नति और मोक्ष के मार्ग पर भी ले जाते हैं।

गुरु–शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति का आधार है। गुरु पूर्णिमा जैसे अवसरों पर गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। एक सच्चा गुरु अपने शिष्य को न केवल सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाता है, बल्कि उसे एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद करता है। महंत राहुल दास ने गुरु पूर्णिमा में पधारे सभी भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर श्याम लोया, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, जगदीश उपाध्याय, महंत चेतन गिरी, कन्हैयालाल, परशुराम तिवारी, रूप चन्द जोशी, नरसिंग महावीर दास, कमलेश द्विवेदी, ब्रजेश शुक्ला, प्रभाकर, गौतम, चेतन बागरी, लक्ष्मण बागरी आदि के अलावा सैकड़ो भक्तों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

नामपल्ली स्थित नुमाइश मैदान में राष्ट्रीय संत जैन मुनि श्री ललित प्रभजी और श्री चंद्रप्रभ जी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल। साथ में हैं पवन पांडिया, प्रदीप सुराणा, मोतीलाल भलगट, नवरतन गुंडेचा, उमेश बागरेचा एवं अन्य।

एक शाम गुरु देव के नाम विशाल भजन संध्या संपन्न हुई। जिसमें राजस्थान से पधारे भजन गायक दिनेश नाथ योगी धरला एंड पार्टी ने अपनी मधुर वाणी में प्रस्तुति दी। इस अवसर पर समस्त याप्रल मित्र मंडल व दिनेश नाथ योगी का स्वागत हीराराम खण्डाला द्वारा किया गया।

हरियाणा नागरिक संघ के चिकित्सालय का उद्घाटन 27 को

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूरे विश्व को जब कोरोना की भयंकर महामारी ने अपनी चपेट में लिया था, उस समय हरियाणा नागरिक संघ के पदाधिकारियों को असहाय लोंगो की सहायता करते हुए संघ के बैनर तले एक चिकित्सालय स्थापित करने का विचार मन मे आया। आनन फानन में नगर के पश्चिमी छोर पर डायमंड प्वाइंट के पास एक भूमि का अधिग्रहण किया गया तथा वहां पर चिकित्सालय का निर्माण (सघं के सदस्यों के योगदान से तत्कालीन संघ के पदाधिकारियों द्वारा एक समिति बना कर) प्रारंभ किया, जो कि अब बनकर अपनी सेवा देने के लिए तैयार है।

इसी माह की रविवार, दि. 27 जुलाई को उक्त चिकित्सालय का उद्घाटन हरियाणा नागरिक संघ के सदस्यों तथा अन्य सामाजिक संसथाओं के पदाधिकारियो एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में तेलगंना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा भव्य रूप से किया जा रहा है।चिकित्सालय के चेयरमैन अजंनी कुमार अग्रवाल एवं सलाहकार राम गोयल ने संघ के सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ उपस्थित होकर उस पल के साक्षी बने।

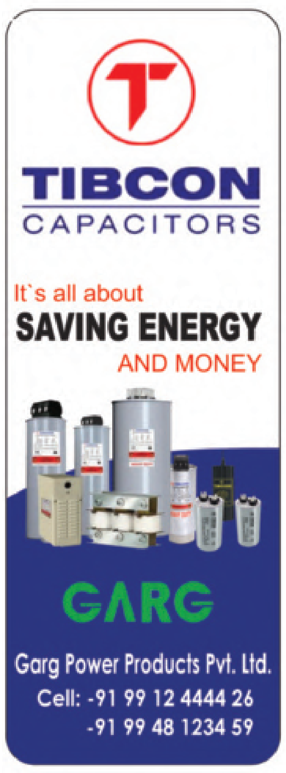

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा जन सुरक्षा संतृप्ति और जागरूकता शिविर आयोजित

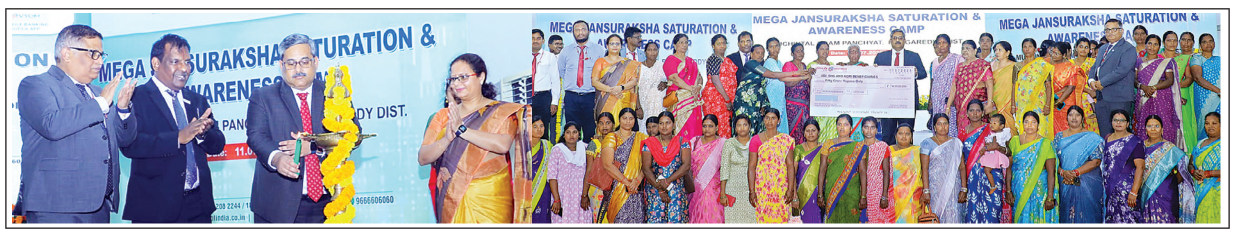

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय–सैफाबाद ने रंगा रेड्डी जिले के मुंचिंतल ग्रामपंचायत में मेगा जन सुरक्षा संतृप्ति एवं जागरूकता शिविर का सफलता–पूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक, नितेश रंजन, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया गया और इस अवसर पर सुधाकर राव, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), सर्वेश रंजन सर, उप अंचल प्रमुख और श्रीमती सोनालिका, क्षेत्र प्रमुख , क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद–सैफाबाद भी उपस्थित रहीं। क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद की पूरी टीम, सभी आरयूएसयू शाखा प्रमुखों के साथ–साथ लगभग 300 लाभार्थियों/ ग्राहकों/ उधारकर्ताओं ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान, कार्यकारी निदेशक ने मेगा जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के महत्व और उद्देश्यों पर ज़ोर दिया। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी जागरूकता और पीएमजेडीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं पर बहुमूल्य जानकारी भी साझा की। मुख्य महाप्रबंधक ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला और जनभागीद–ारी को बढ़ावा दिया। विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए कुल 15 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए। ग्राहकों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूह, कृषि, मुर्गीपालन, डेयरी और सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों सहित कई योजनाओं के तहत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों का हम हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

266वां तेरापंथ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर भिक्षु संगीत प्रतियोगिता का भव्य आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री आदि ठाणा–4 के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के आयोजकत्व में तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आयोजित किया गया। प्रथम स्थान श्रीमति सरला प्रकाश भूतोडिया, द्वितीय स्थान पूर्वा सुराणा, तृतीय स्थान अमृत जी पोरवाल, चतुर्थ स्थान पर नाहटा रहे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32⁰
न्यूनतम : 24⁰

तेलंगाना राज्य श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक, सांसद जी. वमशी, सासंद कोण्डा विश्वेश्वर रेड्डी, सासंद इटेला राजेन्द्रा, राष्ट्र संत प.पू. लीलतप्रभजी म.सा. एवं प.पू. चंद्रप्रभजी म.सा., बीजेपी नेता माधवीलता से भेट करते हुए आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट चेरमेन आर.के. जैन, वाईस चेरमेन जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, डॉ. रमादेवी, उमेश शर्मा, सतीश जाजु, पी. वेंकटेश गुप्ता, नरेश पारेख एवं अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लिखमीदासजी महाराज के नाम बेगम बाजार में भजन संध्या कार्यक्रम में रक्तदान शिविर लगाया। इस अवसर पर 20 यूनित रक्त संग्रह हुआ। पुरुष एवं महिलाओं ने अधिक संख्या में रक्तदान किया ! कार्यक्रम में भजन गायिका पिंकी गेहलोत भी रक्तदान शिविर में पधारी और कार्यक्रम की सराहना की !

इस विशाल रक्तदान शिविर में आंध्र और तेलंगाना प्रान्त निवर्तमान रक्तदान संयोजक मनोज जैन, वरिष्ठ नारायण चावड़ा,केलाश वैष्णव, अशोक चावड़ा, दिनेश पूरी का विशेष सहयोग रहा। सभी रक्तवीर रक्तविरंगनाओ को ब्लड बैंक द्वारा प्रशस्ति पत्र, उपहार दिया गया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज बेल्लमपल्ली द्वारा अनुसरणीय पहल

मंचेरियाल, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महर्षि श्रृंग जयंती महोत्सव तथा गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज बेल्लमपल्ली, मंदामारी, बीजोन, गोदावरी खानी, मंचेरियाल के समाज बंधुओं ने अदम्य साहस दिखाते हुए सभी के सहयोग से एक अतिमहत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया है। जिसके अंतर्गत यह निर्णय लिया गया कि दि. 10 जुलाई 2025 के पश्चात समाज में कोई भी सामाजिक कार्य जैसे सगाई, विवाह, ग्यारवाँ-बारवाँ इत्यादि सभी तरह के सामाजिक कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था में अत्यधिक रूप से 11-13 प्रकार के व्यंजन ही परोसा जाए और निर्णय लिया गया कि जो कोई भी सिखवाल समाज बंधु इस नियम की अवहेलना करेगा, उसका समाज में सामूहिक बहिष्कार किया जाएगा अथवा उस परिवार को 5,21,000/- रुपये का सामाजिक अवहेलना के लिए अर्थसहयोग स्वरूप देना होगा।सभी समाज बंधुओं ने उक्त ऐतिहासिक निर्णय के लिए श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज बेल्लमपल्ली को कोटि-कोटि साधुवाद दिया।समाज हितार्थ के लिए गये निर्णय का सभी ने स्वागत किया। ऋष्यराज माता शाँता से प्रार्थना की गई कि सकल समाज को ऐसे कठोर महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिये शक्ति प्रदान करें तथा प्रेरणा दे ताकि समाज विकास के पथ पर आगे बढ़े। वरिष्ठ समाज बंधुओं का मत है कि वर्तमान में लगभग कई समाजों में इस तरह के बदलाव का प्रचलन चल रहा है। तो क्यों न सिखवाल समाज मिलकर इस निर्णय का सम्पूर्ण तेलंगाना में लागू करने का समर्थन करें।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यदि समाज बंधु इसका समर्थन करते हैं तो अपना नाम लिख कर आगे प्रेषित करें, एक कदम सुदृढ़ संगठित समाज की ओर बढ़ाने में सहयोग करने का आग्रह किया गया सुरेश कुमार व्यास जानम, रामदेव नागला, एवं पवन कुमार उपाध्याय।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा एमएनजे कैंसर हॉस्पिटल में वृक्षारोपण किया गया।शाखा की अध्यक्षा शीतल जैन और डॉ. सुनीता अधीक्षक के नेतृत्व में यह कार्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सहयोगी शाखा की वृक्षारोपण संयोजिका दीपा सोनी रही।।इस कार्यक्रम को सफल बनाने मेंशाखा मंत्री सुमन घोड़ेला, वीना जैन, पुष्पा कोठारी, पूनम बोहरा, चंदा मोदी, शीला धोखा और उर्मिला ढढ्ढा का विशेष योगदान रहा है।

श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज हैदराबाद - सिकंदराबाद द्वारा गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा) का भव्य आयोजन ब्रह्मखड़ा माई पंडित मोती गुरु के आचार्यतत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. भगवंत राव, डॉ. माधवीलता, बलबीर सिंह लूथरा (विधायक गंगानगर राजस्थान) गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, लाल सिंह लोध एवं बोहीनी दशरथ (पार्षद), वैकुंठम, गोविंद राठी, मनीष व्यास, श्रीराम व्यास, राजेश करवा, प्रवीण, विमल, अमूल जोशी, स्वरूप व्यास, जीतेंद्र तिवारी, विपिन रामावत, विमल करवा, हेमंत दवे, राजेश व्यास, श्रवण व्यास, बजरंग व्यास, विनोद सिंह, अविनाश देवड़ा, प्रवीण जैन, बंगारू सुधीर, नारायण सारदाजी, श्रीधर सौरव कुलकर्णी, राघवेंद्र शर्मा, धनंजय अवस्ती, अंशुमन, महेश शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 22वीं वर्षगांठ कल

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज , तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के द्वारा बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट (चेयरमैन और माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के सहयोग से संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 22वीं वर्षगांठ कल रविवार 13 जुलाई को संपन्न होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज , तेलंगाना के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता और सम्माननीय अतिथि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नव नियुक्त चेयरमैन अध्यक्ष राजेश अग्रवाल होंगे।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल के अनुसार इस अवसर पर क्लीनिक के नए सुसज्जित परिसर के साथ ही क्लीनिक में होम्योपैथिक चिकित्सा का शुभारंभ होगा। प्रमुख होमिओपैथी चिकित्सक डॉ शिखा केडिया होम्योपैथी चिकित्सा सेवा प्रदान करेंगी।

पिछले 22 सालों से क्लिनिक में निरंतर चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे डॉ आर पी तोषनीवाल को इस अवसर पर उनकी विशिष्ट सेवाओं हेतु चिकित्सा सेवा रत्न से सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में शाखा के सीए तन्मय गुप्ता (सुपुत्र उमेश -ज्योति गुप्ता) तथा सीए यश गोयल (सुपुत्र महेश- मोनिका गोयल) को सीए में उत्तीर्ण होने पर सम्मानित किया जाएगा। शाखा के सभी पदाधिकारियों और क्लिनिक संचालन समिति के सदस्यों ने शाखा के सभी सदस्यों और आमंत्रित जनों को इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निवेदन किया है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप स्थित माता की मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रवि अग्रवाल,राजेश सर योग,अनिल भाई,गोविंद राम जी,सुनील भाई,लता गोयल,मीना,शर्मिला अग्रवाल,विनोद तोशनीवाल,शिव भगवान,रीतेश गुप्ता,पूजा सांघी,पन्ना लाल जी,रिंकू,दिनेश जैन,नवेता जैन,दिनेश सराफ,आशीष,किशन पाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के जन्मदिन दिन के अवसर पर शुक्रवार को जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने जामबाग मंडल के गौलीगुड़ा स्थित झांसी स्कूल के छात्रों को पाठ्य सामग्री और पेन वितरित किए। कार्यक्रम में श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, राजू, अनिल, शिवकुमार उपस्थित थे।

निवेशकों के 49 हजार करोड़ हड़पने वाला गिरफ्तार

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भूखंड देने का झांसा देकर निवेशकों का करीब 49 हजार करोड़ हड़पने वाली कंपनी पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लि. (पीए-सीएल) के संचालक गुरनाम सिंह को उत्तर प्रदेश के आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने पंजाब के रोपड़ से गिरफ्तार कर लिया। उसने यूपी, असम, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार में शाखाएं खोली थीं। उसका कारपोरेट कार्यालय दिल्ली में था। उसे वर्ष 2016 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, जमानत पर छूटने के बाद ईओडब्ल्यू ने दबोचा। डीजी ईओडब्ल्यू नीरा रावत ने बताया कि पीएसीएल ने बिना वैध पंजीकरण के बैंकिग कार्य किया।महोबा, सुल्तानपुर, फर्रुखाबाद, जालौन में शाखाएं खोलकर भूखंड देने के नाम पर लोगों से धनराशि जमा कराई और उसके बॉन्ड जारी कर दिए। बाद में कंपनी ने निवेशकों को न भूखंड दिए और न ही जमा धन वापस किया। ईओडब्ल्यू, कानपुर में वर्ष 2018 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को हम दो श्याम प्रेमी एवं जय श्री श्याम के भक्तों द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,भगतराम गोयल,संजय गोयल,किरण गोयल,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,नंदकिशोर अग्रवाल,ई-जगन (चंपापेट),गोपाल गोयल,विशाल जी अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,सुरेश सिंघल,राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

मंदिर जीर्णोद्धार (पुन:निर्माण) हेतु सहयोग करने अपील

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट द्वारा भारत देश एवं पडोसी देश श्रीलंका मे अति प्राचीन जिर्णशीर्ण सनातन धरोहर प्राचीन मंदिरो के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है।आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन रिद्धीश जागीरदार एवं अध्यक्ष मुकेश चौहान ने बताया की तेलंगाना राज्य श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. गड्डम विवेक, सांसद गड्डम वमशी तथा नामपल्ली स्थित बीजेपी कार्यालय मे चेवेल्ला सासंद कोण्डा विश्वेश्वर रेड्डी, जुबलीहिल्स स्थित टी.वी. 5 कार्यालय मे तिरूमला तिरूपती देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड चेरमेन बोलीनेनी राजगोपाल नायुडु, शामीरपेट स्थित उनके आवास पर सांसद इटेला राजेन्द्रा, नामपल्ली नुमाईश मैदान मे विर-ाजती राष्ट्र संत जैनाचार्य प.पूज्य ललितप्रभजी म.सा., प.पू. चंद्रप्रभजी म.सा., बीजेपी नेता माधवी लता से भेटकर आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी एवं आगामी सप्ताह मे आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेन-ोवेशन ट्रस्ट के नये कार्यालय उद्घाटन कार्याम मे विशेष अतिथि के रूप मे भाग लेने का निवेदन किया गया।

अवसर पर आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रीनोवेशन ट्रस्ट के ट्रस्ट के चेयरमेन आर.के. जैन, वाईस चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, सलाहकार डॉ. रमादेवी, कार्यकारीणी सदस्य सतीश जाजु, उमेश शर्मा व पी. वेंकटेशन गुप्ता, नरेश पारेख आदि उपस्थित थे।ट्रस्ट के चेयरमैन आर के जैन ने बताया की मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं; वे भारत के इतिहास, संस्कृति और भक्ति के जीवंत प्रतीक हैं। इस विजन के साथ, हमारा ट्रस्ट आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिन-ोवेशन ट्रस्ट स्थापित किया गया था: जिसका मुख्य उद्देश्य ठप्राचीन मंदिरों को उनकी मूल भव्यता में पुनर्स्थापित करना। ठपारंपरिक मंदिर वास्तुकला और अनुष्ठानों को संरक्षित करना। ठ लोगों को उनकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ना।ठ

संस्था के वाईस चेरमेन जसमत पटेल ने बताया की भारतीय संस्कृति में मंदिर एक मजबूत नींव के समान है! जैन मंदिर, सनातन मंदिर की संस्कृति सदियों पुरानी हैं! सेंकडो, हजारों वर्ष पुराने कई मंदिर आज जीर्ण अवस्था में है ।

वर्तमान में कई मंदिरों में धुप दीप नैवेद्य भी प्रतिदिन नही चहता है ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No. JC 732212L Sub H/lt Ajay Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from MOHAN LAL to MOHANLAL and my mother name is changed from MUKTI DEVI to MUKTI and my daughter name is also changed from SHIWANI RANA to SHIVANI RANA vide affidavit

CHANGE OF NAME

I, SANTANA RABHA KALITA is legally wedded spouse of Army No.6946731N NK AKAN CHANDRA RABHA R/o.Vill:Pub Kachu Kata post:Dheki Pota, teh:Tamulpur, Dist: Nalbari, Assam 781368, have changed my name from SANTANA RABHA KALITA to SANTANA KALITA RABHA vide affidavit dt:11/07/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, No.6947097H Nk SHINDE SANTOSH PRAKASH of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Father name is changed from PRAKASH to SHINDE PRAKASH BABAURAV

CHANGE OF NAME

I, No.6946813W NK HAIDAR ALI of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Father name is changed from ALA HOQUE MALITYA to ALAHOQUE MALITY and my mother name is changed from JUMINA BIBI to JAMINA BIBI MALITYA and son name is also changed from SAIF ALI M to SAIF ALI MALITYA vide affidavit

CHANGE OF NAME

I, PINKI DANG wife of No 15176064A Gnr (Tir) BYASADEV PRASAD KARMI resident of Village- Gumurdola, PO- S Mahada, Teh- Birmaharajpur, District- Sonepur, State-Odisha, PIN Code- 767018 have changed my name from PINKI DANG to PINKI DANGA respectively vide affidavit No 43AA207913 dated 11 Jul 2025 before High Court Tolichowki. Hyderabad (TS).

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 6943939L Nk BHEEMAPPA KADALE of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad C/o.56 APO hereby declare that my Father name and DOB is to be changed from LAVAPPA, DOB: 04-05-1950 to LAVAPPA CHANDU KANDALE URF KAMBLE, DOB:01-01-1948.

CHANGE OF NAME

I, Army no.JC292730M NB/SUB Sarbajit KR Mondal R/o Vill:Shaktigarh, P. O:Birati, Teh:Barrackpore, Dist:North 24 parganas, Pin:700051, State:West Bengal, in my service record my Father name wrongly entered as GOPAL CH MONDAL but correct name GOPAL CHANDRA MONDAL for All future purposes

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 6943939L Nk BHEEMAPPA KADALE of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from RENUKA, DOB:19-8-1952 to RENUKA LAVAPPA KADALE URF KAMBALE, DOB:01-01-1947.

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,090/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,14,878/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,500.47
-689.81 -0.83% ↓

एनएसई :25,149.85
-205.40 (-0.81%) ↓

विहार विभूति पद से अलंकृत

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आचार्य श्री पुज्य आचार्य श्री भक्तिरत्नसुरीजी आदि ठाणा 3 एवं पुज्य साध्वी श्री भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 8 की निश्रा में श्री चारकमान जैन संघ में चतुर्वीध संघ के पावन उपस्थिति में सुश्रावक हिमेश भाई एवं ध्रुप्ति बेन दोड़िआ एवं दर्शन भाई निशाबेन महेता को उत्कृष्ट सेवा के लिए विहार विभूति पद से अलंकृत किया गया।

पुज्य गच्छाधीपति श्री राजयश सुरीजी एवं पुज्य वाचमयमाश्रीजी बेन म.सा. के शुभ आशीर्वाद से पुज्य साध्वी श्री लक्ष्ययशाश्रीजी, लब्धियशाश्रीजी, आज्ञायशाश्रीजी म. सा. कि प्रेरणा से श्रीमान वैयावच्छ शिरोमणि प्रेमाबाई वजीरचंदजी झाबक परिवार के करकमलो से हिमेशभाई, ध्रुप्ति बेन का मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया।श्री चारकमान श्री संघ के अध्यक्ष श्रीमान अशोकजी कटारिया के कर कमलो से दर्शन भाई निशाबेन महेता को मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमान धनराज भाई छाजेड जो कि विहार ग्रुप के स्थम्भ है, इनका बहुमान दिलीप भाई झाबक द्वारा किया गया।

हिलेस की कवि गोष्ठी और साहित्यिक आयोजन आज

हैदराबाद,11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 606वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 12 जुलाई को शाम 4 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न होगा। इस गोष्ठी में श्री ठाकुर दिनेश सिंह और श्री उमेशचंद श्रीवास्तव साहित्यकार चंद्रधर शर्मा गुलेरी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। गुलेरी जी एक प्रसिद्ध हिंदी लेखक, निबंधकार और कहानीकार थे। उनका व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा, गहरी विद्वत्ता और विनोदप्रियता से परिपूर्ण था। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि वे कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संघ की गतिविधियों से सभी को अवगत करायेंगे। द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा देश के वर्तमान हालात और जीवन के विभिन्न चित्र अपनी कविताओं में प्रस्तुत किये जाएँगे।

सुरेन्द्र रेड्डी ने की सिंगरेनी में मेडिकल बोर्ड स्थापित करने की मांग

मंचेरियाल , 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

टीबीजीकेएस के केंद्रीय महासचिव केथिरेड्डी सुरेंद्र रेड्डी ने चार महीने से ठप पड़े सिंगरेनी मेडिकल बोर्ड का तुरंत गठन करने की मांग की श्रीरामपुर दौरे पर आए सिंगरेनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. किरण राजकुमार से नासपुर कॉलोनी स्थित डिस्पेंसरी में नेताओं के साथ मुलाकात की गई विभिन्न चिकित्सा मुद्दों पर सीएमओ को एक ज्ञापन सौंपा गया सुरेंद्र रेड्डी ने कहा कि मेडिकल बोर्ड का गठन न होने से बीमार कर्मचारियों को गंभीर

कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है चाहते हैं कि आरके-8 डिस्पेंसरी को 50 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड किया जाए और नासपुर कॉलोनी और आरके-8 डिस्पेंसरी में सीटी स्कैन और 2डीईसी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए श्रीरामपुर क्षेत्र के उपाध्यक्ष रमेश, केंद्रीय संयुक्त सचिव सत्यैया, केंद्रीय मुख्य संगठन सचिव रमेश, संगठन सचिव अन्वेष रेड्डी, रमेश और पिट सचिव राजुनायक ने भाग लिया सीएमओ किरण राजकुमार ने श्रीरामपुर आरके 8 डिस्पेंसरी का दौरा किया उन्होंने महाप्रबंधक एम.श्रीनिवास के साथ श्रमिकों से मुलाकात की और चिकित्सा सेवाओं के बारे में जानकारी ली उन्होंने डॉक्टरों को 24 घंटे उपलब्ध रहने और सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश दिया इस अवसर पर एसओ2जीएम सत्यनारायण, एटक के उप महासचिव वीरभद्रैया, शाखा सचिव एसके बाजीसैधा और पीआईटी सचिव विजयलक्ष्मी भी उपस्थित थे।

मंचेरियाल जिले में सूखे से कपास की फसल प्रभावित, किसान चिंतित

मंचेरियाल , 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

ज़िले के कपास किसान चिंतित हैं क्योंकि लंबे समय से सूखे के कारण बीज मुरझा रहे हैं कुछ ने अपने खेतों में दोबारा बुवाई कर दी है तो कुछ ने उम्मीद छोड़ दी है जिले में धान के बाद कपास दूसरी सबसे ज़्यादा उगाई जाने वाली फ़सल है मानसून के जल्द आने के अनुमान और मौसम से पहले हुई हल्की बारिश से उत्साहित होकर कई किसानों ने एक महीने पहले ही कपास की बुआई कर दी थी पिछले साल जल्दी बुआई से अच्छी कमाई हुई थी कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 589 रुपये की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के फैसले ने भी किसानों को इस मौसम में कपास की फसल चुनने

के लिए प्रोत्साहित किया है हालांकि पिछले महीने बारिश की कमी के कारण मिट्टी ज़्यादा गर्म हो गई जिससे कई इलाकों में बीज खराब हो गए कुछ किसानों ने मुरझाए हुए बीज बदल दिए तो कुछ ने फसल ही छोड़ दी काली मिट्टी वाले क्षेत्रों में बीज अवशिष्ट नमी का उपयोग करके अंकुरित हो गए लेकिन खरपतवार की वृद्धि एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है जिससे किसानों का काम का बोझ बढ़ गया है धान की खेती करने वाले किसान भी बारिश का इंतज़ार कर रहे हैं हालाँकि पौधे तैयार हैं लेकिन सिंचाई स्रोतों में पानी की कमी के कारण रोपाई शुरू नहीं हुई है केवल बोरवेल या कृषि कुएँ वाले किसानों ने ही रोपाई शुरू की है करीमनगर में इस मौसम में काफ़ी कम बारिश हुई है 1 जून से 10 जुलाई तक बारिश औसत से 19 प्रतिशत कम है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 32 प्रतिशत ज़्यादा बारिश हुई थी किसानों को डर है कि अगर रोपाई में देरी हुई तो उनके धान के पौधे बर्बाद हो सकते है हालाँकि कृषि अधिकारियों का कहना है कि अगर इस महीने के अंत तक रोपाई पूरी हो जाती है तो उपज पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा कृषि विभाग का अनुमान है कि इस वनकालम सीज़न में कुल 3.43 लाख एकड़ फसल क्षेत्र में से 2.76 लाख एकड़ में धान की खेती होगी।

उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जाए : मधुसूदन

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

टीजीएनपीडीसीएल निदेशक संचालन मधुसूदन ने कहा कि जिले के विद्युत उपभोक्ताओं को निरंतर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदान की जानी चाहिए। शुक्रवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में मुख्य अभियंता संचालन-1 अशोक के साथ जिला विद्युत अभियंता, अपर मुख्य अभियंता, सहायक अभियंता, उप-अभियंता और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर टीजीएनपीडीसीएल निदेशक संचालन ने कहा कि उपभोक्ताओं को निरंतर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और इसके लिए सभी आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सबस्टेशनों के लिए वैकल्पिक लाइनें सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए, ट्रांसफार्मर की खराबी को कम करने के लिए रखरखाव किया जाना चाहिए, और सभी लाइनों और ट्रांसफार्मरों का निरीक्षण करने तथा खतरनाक स्थानों की पहचान कर उन्हें ठीक करने के लिए एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कार्य करते समय सभी प्रकार के सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना चाहिए और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधानियां बरतनी चाहिए।

तलाबों की मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण किया जाए : पटेल

तानूर, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तालाबों के मरम्मत का कार्य गुणवत्ता पूर्ण करने की बात शुक्रवार को मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल ने तानूर मंडल के बोदरट गाँव में तेलंगाना सरकार द्वारा तलाब मरम्मत कार्य को शुभारंभ करते हुवे कही है।

इस मौक़े पर विधायक रामाराव पटेल ने कहा तेलंगाना सरकार ने बोंदरट तालाब के मरम्मत के लिए 35.10 लाख रुपये राशि स्वीकृत कि हैं और आज तालाब मरम्मत कार्य को पूजन शिलान्यास कर कार्य प्रारंभ किया गया. इस अवसर पर विधायक पवार रामाराव पटेल ने कहा कि दो वर्ष पूर्व बेमौसम

भारी बारिश के कारण तालाब का तटबंध पूरी तरह टूट गया था और फसलें भी पूरी तरह से नष्ट हो गई थीं।

उन्होंने संबंधित ठेकेदार को खड़े निर्देश देते हुवे कहा ठेकेदार यह कार्य मे कोई भी कोताई ना करते हुवे इस कार्य को गुणवत्ता-पूर्ण कार्य करने का आदेश दिए.ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

उन्होंने कहा कार्य चलते समय संभंधित शाखा के अधिकारीयों को सुझाव दिया कि अधिकारी अपने निगरनी मे यह कार्य को गुणवतापूर्ण रूपसे पूरा करने को कहा और आयाकट का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए काम करना को कहा विधायक पवार रामाराव पटेल ने बताया कि कार्य चलते समय अधिकारी और ठेकेदार मौजूद रहेकेर कार्य को गुणवतापूर्ण करने को कहा और कार्य मे लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की बात कही. इस कार्यक्रम मे सम्भाधित शाखा के अधिकारी और प्रजा प्रतिनिधि भारी संख्या मे मौजूद थे।

रेत रिच की स्थापना की मांग को लेकर हड़ताल

चेन्नूर, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

चेन्नूर शहर में गोदावरी रेत रिच की स्थापना की माँग को लेकर हड़ताल पर बैठे ट्रैक्टर मालिकों को भारतीय जनता पार्टी के ज़िला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ और ज़िला महासचिव दुर्गम अशोक के साथ विशाल ट्रैक्टर रैली निकाली और एकजुटता व्यक्त की इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने पत्रकारों से कहा कि यह शर्मनाक है कि दो दिन पहले मीनिंग एडी ने चेन्नूर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजित में सुझाव दिया कि डीडी द्वारा एक रेत डंपिंग यार्ड स्थापित किया जाए और फिर उसे ख़रीदा जाए. उन्होंने चिंता

व्यक्त की कि हम जो गोदावरी की सीमा पर रहते हुए डंपिंग यार्ड से किलो के हिसाब से रेत ख़रीदें. हैदराबाद के लोग हमारी रेत का इस्तेमाल कर सकते हैं, दूसरे जगहों के लोग इसका इस्तेमाल कर सकते हैं, लेजा लेकिन चेन्नूर के लोग रेत ली है तो कौन सा अपराध है, उन्होंने कहा कि विवेक वेंकटस्वामी जो वर्तमान में खान और श्रम राज्य मंत्री हैं, को इस मामले पर तुरंत जवाब देना चाहिए ।

तेलंगाना राज्य के गठन से पहले, गोदावरी रेत सिंगरेनी को लीज पर देने पर भी चेन्नूर के लोगों ने इसका खुलकर इस्तेमाल किया है, क्या यह टीआरएस सरकार की गलती कि आज हम रेत की समस्या से जूझ रहे हैं इस समस्या को समझते हुए, माननीय विवेक वेंकट स्वामी को तुरंत गोदावरी रेत रीच की स्थापना की व्यवस्था करके चेन्नूर के लोगों को रेत उपलब्ध करावे , साथ ही सैकड़ों डॉक्टरों के मालिकों और ड्राइवरों को रोज़गार देने की जिम्मेदारी उन पर है।

भाजपा नगर अध्यक्ष थुम्मा श्रीपाल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में, राज्य भाजपा परिषद सदस्य बाथुला सम्मय्या, पूर्व नगर अध्यक्ष जडी तिरुपति, राज्य ओबीसी मोर्चा सदस्य कोंडापाका चारी, नगर जनरल सेक्रेटरी कायथा राजेश्वर, केवीएम श्रीनिवास, ग्रामीण अध्यक्ष बुर्रा राजशेखर गौड़, मधुकर, अडापा श्रीनिवास, नरेश, वेंकट, रमेश, गणेश सिंह और अन्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया है।

तानूर तहसीलदार के रूप में महेंद्रनाथ ने पद्भार संभाला

तानूर, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । तानूर तहसीलदार के रूपमे बी महेंद्रनाथ ने शुक्रवार को पदभार संभाला है।ज्ञातव्य हो के कुछ दिनो तक कार्यरत तानूर तहसीलदार लिंगममूर्ति कार्यकाल समाप्त होने पर तानूर तहसीलदार की पोस्ट रिक्त थी शुक्रवार को तानूर तहसीलदार के लिए कार्यरत बी महेन्द्रनाथ ने पदभार संभाला कर तहसील कार्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की संबंधित फाइलों की जांच करते की तथा तानूर मंडल क्षेत्र के बारेमे पोलिस अधिकारियों से पूछताछ कर जानकारी लेते ली तहसीलदार के रूपमें महेन्दनाथ ने पद ग्रहण करने के पश्चात तहसील कार्यालय के अधिकारीयों ने उन्हें शाल मिठाई खिलाकर सन्मानित किया।

युवाओं को नशा नियंत्रण में अपना योगदान देना चाहिए : डीएसपी रामानुजम

आसिफाबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । कुमरम भीम, आसिफाबाद जिले के एसपी कांतिलाल पाटिल, आईपीएस के आदेश पर, कागजनगर के डीएसपी रामानुजम ने समाज कल्याण बालक आवासीय विद्यालय, सिरपुर (तमिलनाडु) मंडल के परिसर में मंडल स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, डीएसपी ने कहा...उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक विकास प्राप्त किया जा सकता है और खेल प्रतियोगिताएँ छात्रों में उत्साह, एकता और अनुशासन का संचार करेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को भटकने से बचाएंगे और सही रास्ते पर बने रहने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि छात्रों, युवाओं और आम लोगों को नशा नियंत्रण के लिए काम करना चाहिए। अगर किसी को भी पता चले कि ड्रग्स का इस्तेमाल या आपूर्ति की गई है, तो वे तुरंत 1908 या 87126 70551 पर कॉल करके जानकारी दें।मंडल के विभिन्न गाँवों की कुल 12 वॉलीबॉल टीमों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उद्घाटन समारोह में स्कूल के प्रधानाचार्य श्रीनिवास, सिरपुर (तट) के उपनिरीक्षक कमलाकर, स्कूल स्टाफ, स्थानीय अधिकारी, पुलिसकर्मी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

छात्रों को स्कूल ड्रेस, पाठ्य सामग्री वितरित

किनवट, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

हुतात्मा जयवंतराव पाटील विद्यालय कंनकी में कृउबा के पुर्व सभापती,लोक नायक दिवंगत के माधव रेड्डी का 14वां पुण्यतिथी निमित्त कनकी गावं में विभिन्न सामाजिक उपक्रमो और उन्हें अभिवादन समारोह आयोजित किया गया था प्रारंभ में लोक नायक दिवंगत के माधव रेड्डी की पुण्यतिथी निमित्त उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मान्यवरो ने अभिवादन किया तदपश्चात कक्षा 5वीं के छात्रों को स्कूल ड्रेस, स्कूल सामग्री वितरण किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता

मुख्याध्यापक डी एस शेंडे ने की इस समय कांग्रेस वरिष्ठ नेता ईश्वर चव्हाण ने कहा के माधव रेड्डी कनकी के सरपंच से मार्केट कमिटी, कांग्रेस तहसील अध्यक्ष, समेत अन्य पदो पर से जनसामान्यांओकी सेवा की थी उनके निधन के बाद भी उनके पुत्र के सुर्यकांत रेड्डी, प्रशांत रेड्डी अपने पिता के दिखाई मार्ग पर चलकर जनसेवा को प्राथमिकता दे रहे है इस विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करने वाले गरीब छात्राओपर विशेष ध्यान दिया जाता है अपने अध्यक्षीय समापन पर मुख्याध्यापक डी एस शेंडे ने कहा के माधव रेड्डी की निःस्वार्थ सेवा भाव और सब को साथ लेकरं चलने की उनमे खुबी थी आज भी उनका नाम सन्मान से हर कोई लेते है आनंद भालेराव, भगवान बोतावार और स्कूल के छात्राओ ने के माधव रेड्डी के जीवन कार्य पर प्रकाश डाले थे इस अवसरपर तहसील कांग्रेस अध्यक्ष के सुर्यकांत रेड्डी, संस्था सचिव के प्रशांत रेड्डी, कृष्णा मोहुरले अतिथी के रूप में उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन आनंद भालेराव आभार दिव्या बावणे ने माना कार्यक्रम की सफलता के लिए राजेंद्र ठाकरे, विष्णू मडावी,पोचीराम मोहुरले, रामराव राठोड,नरसिग खांडरे ने परिश्रम लिए थे।

छात्रों के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने के कदम उठाएं : दीपक

आसिफाबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकारी कॉलेजों, स्कूलों, कल्याण छात्रावासों, गुरुकुलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने के लिए कदम उठाए जाएँगे। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों और सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ सरकारी जूनियर कॉलेजों, स्कूलों, छात्रावासों, गुरुकुलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण और सुविधाओं के प्रा-वधान पर समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अदानापुर कलेक्टर ने अधिकारियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों और कल्याण छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं के प्रा-वधान, पेयजल, शौचालय निर्माण, भवनों की मरम्मत, बिजली आपूर्ति, पंखे, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अन्य कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक के अंतर्गत तिरयानी मंडल के विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं, सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान हेतु आवश्यक कार्य शीघ्रता से किए जाएँ। साथ ही, पेयजल, शौचालयों का निर्माण, विद्युतीकरण और आंगनवाड़ी केंद्रों के भवनों की रंगाई-पुताई का कार्य भी शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में शुरू किए गए कार्यों को शीघ्रता से पूरा करके उपयोग में लाया जाए और विद्यार्थियों को बिना किसी कठिनाई के कार्य पूरा किया जाए।इस कार्यक्रम में जिला मुख्य योजना अधिकारी, महाविद्यालयों के प्राचार्य, पंचायत राज एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के अभियांत्रिकी अधिकारी आदि उपस्थित थे।

अतिक्रमण के कारण कवाल में बाघों का आगमन बाधित

मंचेरियाल, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) में वन क्षेत्र का अतिक्रमण वन अधिकारियों के लिए चिंता का प्रमुख कारण बना हुआ है अधिकारियों ने कहा कि आरक्षित वन में लगभग दो लाख एकड़ जंगल पर कब्जा कर लिया गया है जिससे 2015 से 2025 तक बाघों के संरक्षण में बाधा उत्पन्न हो रही है पिछले कुछ वर्षों में वे कब्जाधारियों से मुकाबला करके और कभी-कभी ग्रामीणों के शारीरिक हमलों का सामना करके 50,000 एकड़ जंगल को पुनः प्राप्त करने में सफल रहे है अधिकारियों ने बताया आम तौर पर बाघ शांतिप्रिय होते हैं वे जंगल को तभी अपना घर बनाते हैं जब वह शांत और अशांत हो।

दिल्ली में पत्रकारों की बैठक: सेवानिवृत्त पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना पर चर्चा

मंचेरियाल, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (खत्रश्रग) की कार्यसमिति की बैठक इस महीने की 12 तारीख को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होगी और 14 तारीख को राष्ट्रीय पेंशन योजना पर वरिष्ठ पत्रकारों की एक बैठक होगी, खत्रश्रग के राष्ट्रीय सचिव पुलिपलुपुला आनंद और तेलंगाना श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ममीदी सोमैया ने बताया कि बैठक के लिए शुक्रवार को हैदराबाद से रवाना हुए, इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों से बात

की खत्रश्रग कार्यसमिति की बैठक दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब ऑफ इंडिया भवन में होगी और खत्रश्रग अध्यक्ष स्वर्गीय के. विक्रम राव के लिए एक शोक सभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में देश भर के पत्रकारों से जुड़े मुद्दों, खत्रश्रग के राष्ट्रीय मामलों और भविष्य के कार्यों पर चर्चा होगी, इसी प्रकार, 14 तारीख को केरल भवन में राष्ट्रीय पेंशन योजना पर वरिष्ठ पत्रकार मंच की बैठक होगी और पेंशन योजना पर चर्चा होगी, सेवानिवृत्त पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू की जाए,उन्होंने कहा कि वे केंद्र सरकार से देश भर में 60 वर्ष से अधिक आयु के सेवानिवृत्त पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू करने की मांग के साथ भविष्य की कार्ययोजना तैयार करेंगे, इन बैठकों में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पत्रकार भाग लेंगे और तेलंगाना राज्य का एक प्रतिनिधि मंडल बैठकों में भाग लेने के लिए शुक्रवार सुबह हैदराबाद से दिल्ली के लिए रवाना हो गया है।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने उज्जैनी महाकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और उनकी पत्नी ने शुक्रवार को सिकंदराबाद के ऐतिहासिक श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर में चल रहे आषाढ़ बोनालू उत्सव के दौरान विशेष पूजा-अर्चना की।राज्यपाल ने राज्य के लोगों की समृद्धि एवं कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगते हुए देवता को 'बोनम' और रेशमी वस्त्र चढ़ाये।

हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, ग्रेटर हैदराबाद की उप-महापौर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी और कलेक्टर हरि चंदना ने इस जोड़े का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर धर्मस्व विभाग के अधिकारी, जीएचएमसी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना का पारंपरिक लोक उत्सव आषाढ़ बोनालु, दोनों शहरों में भव्यता के साथ मनाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में 13 जुलाई को होने वाले लश्कर बोनालु में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक सुचारू और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा राज्य सरकार की ओर से लश्कर बोनालु अर्पित करने की भी उम्मीद है। इस उत्सव के बाद 14 जुलाई को पारंपरिक रंगम (भविष्यवाणी) का आयोजन होगा।

मंत्री प्रभाकर ने इन समारोहों के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए जनता से सहयोग का आह्वान किया, जिनका गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है।उन्होंने कहा, समय पर बारिश और भरपूर फ़सल के लिए देवी महाकाली का आशीर्वाद लिया जाता है। पूरा राज्य शांति, समृद्धि और सौभाग्य की कामना कर रहा है।राज्यपाल ने मंदिर के पुजारियों से भी बातचीत की और मंदिर तथा बोनालू उत्सव के इतिहास और महत्व के बारे में जानकारी ली।

आगामी चुनावों से पहले जुबली हिल्स को 5 करोड़ की लागत से नया रूप दिया गया

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में शुक्रवार, 11 जुलाई को 5 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत वाली विकास परियोजन-ाओं का शुभारंभ किया गया और आधारशिला रखी गई।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, श्रम एवं रोजगार मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी और कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने शेखपेट फ्लाईओवर के नीचे एक खेल पार्क सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। हरिजन बस्ती में फुटपाथ और सीमेंट और कंक्रीट (सीसी) सड़कों के निर्माण कार्य सहित इस परियोजना पर 3.159 करोड़ रुपये की लागत आई है।

वेंगल राव नगर में गुरुद्वारा कमान में 1.005 करोड़ रुपये की लागत से सीसी सड़कों के निर्माण का शिलान्यास किया गया। यूसुफगुड़ा में कमलापुरी एसोसिएशन कम्युनिटी हॉल के बगल में भी 95.75 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में जीएचएमसी मेयर गडवाला विजया लक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता, कमिश्नर आरवी कर्णन और कलेक्टर दसारी हरिचंदना ने भी भाग लिया।स्थानीय लोग जुबली हिल्स में विकास में अचानक आई तेज़ी को किसी दुर्घटना या अधिकारियों की वास्तविक नागरिक चिंता का नतीजा नहीं मानते। बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद उपचुनाव की आशंका के चलते यह निर्वाचन क्षेत्र राजनीति का केंद्र बन गया है। पार्टियाँ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए दौड़ रही हैं, और नई परियोजनाएँ इसी प्रयास का हिस्सा प्रतीत होती हैं।

जीएचएमसी चुनाव भी आसन्न हैं, और शहर धीरे-धीरे एक राजनीतिक कैनवास बनता जा रहा है, जहां मतदाता चुनाव का माहौल बनने से पहले यह देखते हैं कि कौन क्या कर रहा है और कितनी तेजी से कर रहा है।

महेश बैंक ने शेयरधारकों के लिए 22% लाभांश घोषित किया

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक, एक बहु-राज्य अनुसूचित बैंक जो तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में फैले 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कर पूर्व 69.98 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ अर्जित किया है। कर पश्चात लाभ 53.61 करोड़ रहा और बैंक ने अपने शेयरधारकों को 22% लाभांश घोषित किया है।

बैंक के 49वें वार्षिक आमसभा बैठक में, जो आज बैंक के मुख्यालय, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आयोजित हुई, श्री राम नारायण बोगा, जो कि तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त अधिकारी हैं (प्रशासन की देखरेख और नीति निर्धारण हेतु), ने शेयरधारकों और ग्राहकों का विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा जताई कि बैंक भविष्य में भी शेयरधारकों को लाभांश और कर्मचारियों को अनुग्रह राशि प्रदान करता रहेगा, साथ ही बैंक के कारोबार में निरंतर वृद्धि की उम्मीद जताई।

बैंक की खुद की पूंजी 444.20 करोड़ से बढ़कर 475.18 करोड़ हो गई, जबकि रिज़र्व और सरप्लस 412.98 करोड़ से बढ़कर 444.73 करोड़ हो गया। प्रति शेयर बुक वैल्यू 284.53 से बढ़कर 312.13 और प्रति शेयर आय 31.35 से बढ़कर 34.79 रही। बैंक का सकल एनपीए घटकर 38.68 करोड़ हो गया, जो कुल ऋण परिसंपत्तियों का केवल 4.52% है, और शुद्ध एनपीए शून्य पर कायम है।बैंक के चेयरमैन श्री रमेश कुमार बुंग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बैंक ने 18.38% की वृद्धि दर के साथ 3175 करोड़ के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसमें 2135 करोड़ की जमा और 1040 करोड़ की ऋण वितरण शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक की शाखाओं की संख्या वर्तमान 45 से बढ़ाकर स्वर्ण जयंती से पूर्व 50 करने की योजना है। उन्होंने शेयरधारकों से अनुरोध किया कि आगामी मतदान प्रक्रिया में किसी भी असुविधा से बचने के लिए शीघ्र ही अपने केवाईसी विवरण अपडेट कराएं और बैंक के विकास में सहयोग करें।बैठक में बोलते हुए बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री वी. अरविंद ने कहा कि बैंक अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं के अंतर्गत सुरक्षा हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर की तैनाती का प्रस्ताव कर रहा है।एक प्रतिष्ठित सेवा प्रदाता के माध्यम से एसअ-ोसी (सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर) और एसआईईएम (सिक्योरिटी इंफॉर्मेशन एंड इवेंट मैनेजमेंट) की शुरुआत कर बैंक के साइबर सुरक्षा ढांचे को 247 ऑनलाइन खतरों से निपटने हेतु सुदृढ़ किया जाएगा।ग्राहक केंद्रित विशेषताओं और सुधारों के साथ सीबीएस के नए संस्करण की शुरुआत की जा रही है ताकि डिजिटल चैनलों और काउंटरों दोनों पर ग्राहक संतुष्टि बढ़ाई जा सके।बैंक ने गो-डिजिट जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक पहले से ही मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, एलआईसी और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के बीमा उत्पाद बेच रहा है।बैठक मेंलक्ष्मीनारायण राठी (उपाध्यक्ष), श्रीमती अनीता सोनी, अरुण कुमार भांगड़िया, बद्रीविशाल मुंदड़ा, भगवान पंसारी, बृजगोपाल असावा, गोविंद नारायण राठी, कैलाश नारायण बी, सीए मुरली मनोहर पलोड़, प्रेम कुमार बजाज, श्रीमती पुष्पा बूब, रामप्रकाश भंडारी (निदेशकगण), रामकांत इनानी, सीएस श्रीमती सुमन हेडा (प्रोफेशनल निदेशक), सीए रामदेव भूतड़ा (प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष), सीए किशन गोपाल मनियार, सीए लक्ष्मीनारायण बंगड़, इं. प्रवीण कुमार बाहेती, सीए एस.बी. काबरा (प्रबंधन बोर्ड के सदस्य), पूर्व निदेशकगण तथा बैंक के शेयरधारक बैठक में उपस्थित थे। बैंक के एमडी एवं सीईओ श्री वी. अरविंद ने बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा वित्तीय विवरणों से संबंधित उठाए गए प्रश्नों के उत्तर दिए।

गुलज़ार हौज़ अग्नि दुर्घटना पीड़ितों को 85 लाख रुपए की अनुग्रह राशि स्वीकृत

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार ने गुलजार हौज अग्नि दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 85 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मंजूर की है, जहां 18 मई को 17 लोग जलकर मर गए थे।यह अनुग्रह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत की गई। राजस्व विभाग के सचिव लोकेश कुमार ने हैदराबाद की कलेक्टर हरिचंदन दासारी को अनुग्रह राशि वितरित करने का निर्देश दिया।

इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य उन परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना है जिन्होंने इस विनाशकारी घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है। तेलंगाना सरकार के राजस्व विभाग (सीएमआरएफ) के आधिकारिक संचार के अनुसार, राहत चेक औपचारिक रूप से 11 जुलाई, 2025 को जारी किया गया ।

नकली ताड़ी से बढ़ती मौतों के बीच बालानगर आबकारी एसएचओ निलंबित

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आबकारी विभाग ने मिलावटी ताड़ी विषाक्तता के मामलों के बीच बालानगर आबकारी एसएचओ वेणुकुमार को निलंबित कर दिया है, जिसके कारण हैदराबाद में शुक्रवार, 11 जुलाई को कम से कम 51 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और सात लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, विभाग में अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।कुल मरीजों में से 34 मरीजों का निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में इलाज चल रहा है, आरएमओ ने सात मौतों की पुष्टि की है और प्रभावित लोगों की संभावित वृद्धि को देखते हुए बिस्तर तैयार रखने की तैयारी चल रही है।

ग्यारह लोगों को गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी का निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। गुरुवार देर रात दो लोगों की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या सात हो गई। इनमें से एक ने नागरकुरनूल के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।प्रभावितों के इलाज के लिए निम्स और गांधी अस्पताल, दोनों में डॉक्टरों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने निम्स जाकर प्रभावितों का हालचाल जाना। निम्स में भर्ती छह लोग डायलिसिस पर हैं।गांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद चारों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। अधिकारियों के अनुसार, लक्षणों से ताड़ी में रासायनिक मिलावट की मौजूदगी का संकेत मिलता है।मेथनॉल या क्लोरल हाइड्रेट मिलाए जाने का संदेह है। अल्प्राज़ोलम भी मिला हो सकता है। अधिकारी कुछ दुकानों से ज़ब्त की गई ताड़ी के नमूनों की प्रयोगशाला में भेजे गए विष विज्ञान रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे थे।कुकटपल्ली और आसपास के इलाकों में 6 और 7 जुलाई को ताड़ी पीने से पीड़ित लोगों को इसकी जानकारी तब मिली जब 8 जुलाई को पीड़ित दस्त, निम्न रक्तचाप, चक्कर आना और थकान जैसी समस्याओं के साथ अस्पतालों में पहुँचे।

हैदराबाद पुलिस ने लाल दरवाज़ा बोनालू उत्सव के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की : सीवी आनंद

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐतिहासिक लाल दरवाज़ा बोनालू उत्सव का शुक्रवार को भव्यता और आध्यात्मिक उत्साह के साथ शुरू हुआ, जब हैदराबाद पुलिस आयुक्त और महानिदेशक सी वी आनंद ने पारंपरिक शिकारा पूजा और ध्वजारोहण (ध्वजारोहण) समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि सुरक्षित और सुचारू उत्सव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

लाल दरवाज़ा स्थित सिंहवाहिनी श्री महाकाली मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, आनंद ने याद दिलाया कि कैसे बोनालू परंपरा 120 साल पहले 1908 में आई विनाशकारी बाढ़ और प्लेग के बाद शुरू हुई थी।प्रधानमंत्री किशन प्रसाद की सलाह पर, तत्कालीन निज़ाम मीर महबूब अली खान ने मंदिर में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया था। इसके तुरंत बाद महामारी कम हो गई, जिसके कारण आषाढ़ माह में बोनालू का वार्षिक उत्सव मनाया जाने लगा। आनंद ने कहा, यह मंदिर सिर्फ़ एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि हैदराबाद की दृढ़ता और सामूहिक आस्था का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर समिति द्वारा नगर कोतवाल (पुलिस आयुक्त) को अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना एक परंपरा है, जिसे इस वर्ष भी निभाया गया।जन सुरक्षा पर ज़ोर देते हुए, आनंद ने कहा कि हैदराबाद पुलिस ने विभिन्न विभागों के साथ मिलकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है, जिसमें क्षेत्र के बाहर से अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी शामिल है।उन्होंने आगे कहा, चेन स्नैचिंग, पॉकेटमारी और छेड़छाड़ को रोकने के लिए क्राइम ब्रांच पुलिस, शी टीम्स और स्थानीय कानून प्रवर्तन इकाइयों की मदद से विशेष निगरानी लागू की गई है।दक्षिण क्षेत्र की पुलिस को क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंधन का काम सौंपा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी अप्रिय घटना उत्सव के उत्साह को भंग न करे। उन्होंने हाल ही में गोलकुंडा और बालकम्पेट बोनालू त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन का भी उल्लेख किया और इसके लिए अंतर-विभागीय समन्वय को श्रेय दिया।

उत्सव की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए जल कार्य, विद्युत, आरएंडबी, जीएचएमसी और अन्य नगर निकायों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की गईं।तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा ने इन बैठकों में भाग लिया और सभी विभागों को बिना किसी चूक के सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश दिया।

तेलंगाना सरकार ने बाल कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 18 नए दत्तक ग्रहण केंद्रों और 2 बाल गृहों को मंज़ूरी दी

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाल संरक्षण और कल्याण को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, तेलंगाना सरकार ने राज्य भर में 18 नई विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियों (एसएए) और 2 बाल गृहों (बाल गृहों) की स्थापना को मंज़ूरी दी है।

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीताक्का ने शुक्रवार को इस फ़ाइल पर हस्ताक्षर किए, जिससे इस परियोजना के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अंतिम मंज़ूरी मिलने के बाद औपचारिक कार्यान्वयन शुरू हो जाएगा।

वर्तमान में, राज्य के 15 ज़िलों में 17 दत्तक ग्रहण केंद्र हैं। नए प्रस्तावित केंद्रों के जुड़ने से, तेलंगाना में कुल 35 दत्तक ग्रहण एजेंसियां हो जाएँगी, जिससे अनाथ और परित्यक्त बच्चों की देखभाल करने की उसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

सरकार ने अवैध बाल दत्तक ग्रहण और अनधिकृत बाल बिक्री को रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। ये नए केंद्र पारदर्शी और नियम-आधारित दत्तक ग्रहण प्रक्रिया सुनिश्चित करने की एक व्यापक पहल का हिस्सा हैं।

केंद्र सरकार ने इस परियोजना को पहले ही मंज़ूरी दे दी है। इसकी अनुमानित वार्षिक लागत 5.44 करोड़ रुपये है, जिसमें 60 प्रतिशत (3.26 करोड़ रुपये) केंद्र सरकार और शेष 40 प्रतिशत (2.17 करोड़ रुपये) राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। नए केंद्रों के संचालन के लिए आउटसोर्सिंग के आधार पर कुल 228 कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, तेलंगाना सरकार बाल कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। ये नए केंद्र बेघर बच्चों के हितों की और रक्षा करेंगे और उन्हें वह देखभाल प्रदान करेंगे जिसके वे हकदार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.